तरुण छत्तीसगढ़

■ रायपुर,सोमवार 2 जून 2025 ■ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-7 ■ वर्ष -41 ■ अंक-065 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 3 जून 2025 ■ मूल्य-1.00 रुपये

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
Twitter - Tchhattisgarh36
Instagram -taruchhattisgarh.raipur

phone: 0771-2543112

संक्षेप

सिम गिरोह का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

गुवाहाटी,2 जून। असम पुलिस ने लोगों से ठगी करने के मकसद से 'व्हाट्सएप्प अकाउंट' खोलने के लिए पाकिस्तानियों सहित साइबर अपराधियों को सिम कार्ड उपलब्ध कराने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यहां एक आधिकारिक बयान में रविवार को यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने 'ऑपरेशन घोस्ट सिम' के तहत आरोपी को शनिवार रात धुबरी से गिरफ्तार किया। यह अभियान गजराज कोर की सैन्य खुफिया सूचना के आधार पर चलाया गया था।

पाक पर प्रियंका चतुर्वेदी का तंज

मुंबई,2 जून। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने सोमवार को आतंकवाद का समर्थन करने के लिए पाकिस्तान पर हमला किया और कहा कि यह देश दुनिया के शीर्ष 20 आतंकवादियों की मेजबानी करता है। घातक पहलगाम हमले के मद्देनजर भारत का आतंकवाद विरोधी संदेश लेकर आए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की सदस्य चतुर्वेदी ने कहा कि पाकिस्तान आपसे हाथ मिलाता है और फिर आपकी पीठ पर काटता है। उन्होंने कहा कि जी-20 की अध्यक्षता के रूप में हमारा कार्यकाल बहुत सफल रहा। हमारा एक साल का कार्यकाल बहुत सफल रहा।लंदन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, "इसलिए, जब हम जी-20 की मेजबानी करते हैं, तो वे (पाकिस्तान) टी-20 की मेजबानी करते हैं। दुनिया के शीर्ष बीस आतंकवादियों की मेजबानी पाकिस्तानी राज्य सरकार द्वारा की जाती है। यह उनकी घोषित नीति है।" उन्होंने कहा कि अलकायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन, जो अमेरिका में 11 सितंबर, 2001 को हुए हमलों के पीछे था, का भी पाकिस्तान में एक ठिकाने पर पता लगाया गया था।

डी गुकेश ने मैग्नस कार्लसन को दी मात

नई दिल्ली,2 जून। डी गुकेश ने नॉर्वे चेस 2025 टूर्नामेंट के छठे दौर में पूर्व वर्ल्ड नंबर वन मैग्नस कार्लसन को अपने करियर में पहली बार क्लासिक टाइम कंट्रोल में हराया और बेहतरीन जीत अपने नाम की। सफेद मोहरों से खेलते हुए भारत के युवा खिलाड़ी ने दबाव में भी गेम पर अपनी पकड़ बनाए रखी और आखिरी राउंड में 34 वर्षीय नॉर्वेजियन ग्रैंडमास्टर की दुर्लभ गलती का फायदा उठाते हुए इसे पल का यादगार बनाया। वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे चेस 2025 टूर्नामेंट के छठे दौर में पूर्व वर्ल्ड नंबर वन मैग्नस कार्लसन को अपने करियर में पहली बार क्लासिक टाइम कंट्रोल में हराया और बेहतरीन जीत अपने नाम की। सफेद मोहरों से खेलते हुए भारत के युवा खिलाड़ी ने दबाव में भी गेम पर अपनी पकड़ बनाए रखी और आखिरी राउंड में 34 वर्षीय नॉर्वेजियन ग्रैंडमास्टर की दुर्लभ गलती का फायदा उठाते हुए इसे पल का यादगार बनाया। स्टावेंजर में घरेलू दर्शकों के सामने खेल रहे कार्लसन गेम में ज्यादा तर समय गुकेश के खिलाफ अपर हैंड बनाए हुए थे और अच्छी स्थिति में दिख रहे थे। वहीं गुकेश ने अनुशासन और धैर्य का बेहतरीन परिचय देते हुए हर चाल का बचाव किया और फिर सटीक जवाबी हमले से खेल का रुख अपनी ओर मोड़ दिया। इस टूर्नामेंट में टाइम कंट्रोल का नियम लागू होता है यानी यहां बिना समय लिए तेजी से अपनी चालें चलनी होती है। कार्लसन टूर्नामेंट के इसी नियम के कारण लड़खड़ा गए और उनकी इस कमजोर का गुकेश ने बखूबी फायदा उठाया। गेम के आखिरी राउंड में उन्हें मात दी।

तकनीकी आधारित होंगे भविष्य के युद्ध: सीडीएस

नई दिल्ली,2 जून। 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारत के अनुभवों को साझा करते हुए देश के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि ये (संपर्क रहित) युद्ध था। इसके साथ ही उन्होंने यह भी संकेत दे दिया कि भविष्य की लड़ाइयां कैसी हो सकती हैं। सीडीएस सिंगापुर में शांगरी-ला डायलॉग में बोल रहे थे। यहां उन्होंने उभरते भू-राजनीतिक गतिशीलता और तेजी से हो रहे तकनीकी बदलावों पर प्रकाश डाला। ये बदलाव युद्ध की प्रकृति को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तकनीक की सर्व सुलभता ने नॉन स्टेट एक्टर को मजबूत किया है। जिससे छद्म युद्ध और अस्थिरता को बढ़ावा मिला है. गौरतलब है कि शांगरी-ला डायलॉग में पाकिस्तान की ओर से पाकिस्तान सशस्त्र बलों के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष जनरल साहिर शमशाद मिर्जा शिरकत कर रहे थे. जनरल चौहान ने पाकिस्तान को संदेश देते हुए कहा कि भारत के विरोधी सबक लेंगे कि यह भारत की सहनशीलता की सीमा है. दो दशकों से इस छद्म युद्ध का सामना कर रहे हैं और हमने बहुत से लोगों को खो दिया है. हम इसे खत्म करना चाहते हैं.उन्होंने कहा, "आधुनिक युद्ध में व्यापक बदलाव हो रहे हैं. ये बदलाव टैक्टिस और डोमेन (जमीन-हवा, समुद्र, साइबर और स्पेस) टाइमफ्रेम, रणनीतियों को लेकर हैं. ये बदलाव अब युद्ध के स्थिर प्लेटफॉर्म्स से हटकर लचीली, भ्रामक रणनीतियों की मांग करते हैं. सीडीएस अनिल चौहान ने कहा कि तकनीक वॉरफेयर और वॉरफाइटिंग को बदल रहा है और इसे फिर से प्रभावित कर रहा है. उन्होंने इस समझाते हुए कहा कि भविष्य की लड़ाइयां चार ट्रेंड से प्रभावित होंगी. पाकिस्तान समेत दुनिया के कई ताकतवर देशों के जनरलों के सामने सीडीएस चौहान ने जंग क्षेत्र में तकनीक के असर को समझाते हुए कहा कि आज डिसेप्शन वार फेयर का दौर है. उन्होंने कहा कि जंग के मैदान में ड्रोन का आना एक ऐसी चीज है जिसने युद्ध के परिदृश्य को बदल दिया है. अब हमला कहीं भी, कभी भी सटीक निशाने के साथ किया जा सकता है. जनरल अनिल चौहान ने वैश्विक शांति और नवाचार के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की. उन्होंने कहा कि आकाश जैसे स्वदेशी प्लेटफॉर्म और आत्मनिर्भर नेटवर्किंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर भारत का प्रयोग सफल साबित हुआ है. उन्होंने कहा कि एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अलग अलग रडार को वायु रक्षा प्रणाली में एकीकृत करना था. सीडीएस चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने राजनीतिक रूप से जो किया है, उसने आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करने को लेकर एक नई लक्ष्मण रेखा खींच दी है. जनरल चौहान ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह विशेष ऑपरेशन, जो मूल रूप से सैन्य क्षेत्र के अंतर्गत आता है, हमारे विरोधियों के लिए भी सबक है.

अयोध्या में रामलला मंदिर के शिखर पर स्वर्ण कलश किया गया स्थापित

अयोध्या,2 जून। अयोध्या में रामलला मंदिर के शिखर पर स्वर्ण-जटित कलश स्थापित किया गया है। इसकी रोशनी दूर से फैलती है। रविवार को श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट ने मंदिर के भव्य और चमचमाते स्वर्ण-चढ़ाए शिखर की तस्वीरें जारी कीं। मंदिर में पांच जून को राम दरबार की स्थापना की जाएगी। इसके लिए अनुष्ठान तीन जून से शुरू होंगे।5 जून को अयोध्या में राम मंदिर सहित राम दरबार समेत 7 मंदिरों का उद्घाटन होगा। गंगा दशहरा के दिन पूजा सुबह 11 बजे के बाद स्थिर लग्न और अभिजीत मुहूर्त में शुरू होगी। प्राण प्रतिष्ठा में

अयोध्या और काशी से 101 आचार्य भाग लेंगे। ट्रस्ट की ओर से इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। योगी ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया

प्राण फाउंडेशन के आयोजन का कार्यक्रम तीन जून से शुरू होगा। इससे पहले दो जून को महिलाओं द्वारा सरयू जल कलश यात्रा निकाली जाएगी।

अलग-अगल सड़क हादसों में 4 की मौत, 6 घायल

महासमुंद-बिलासपुर,2 जून। छत्तीसगढ़ में बीती रात 3 बड़े सड़क हादसे हो गए. महासमुंद के शेरगांव मे ट्रैक्टर व बाइक की टक्कर मे 3 युवकों की मौत हो गई. वहीं बिलासपुर-रायपुर हाइवे में एक तेज रफ्तार इनोवा कार सड़क हादसे का शिकार हो गई, जिसमें एक युवक की मौत हो गई. इसके अलावा रतनपुर क्षेत्र में भी एक मालवाहक पेड़ से जा टकराई, जिससे उसमें सवार 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए.

महासमुंद सड़क हादसा:महासमुंद जिले के शेरगांव निवासी दो सगे भाइयों समेत 3 युवक बीती रात बाइक (CG 06 GJ 9771) पर सवार होकर महासमुंद से शेरगांव जा रहे थे. इसी दौरान शेरगांव मोड़ पर गांव से ट्रैक्टर क्रमांक CG 05 AS 2617 अचानक सामने आई और दोनों आपस में टकरा गए. इस हादसे में तीनों युवक गंभीर रुप से घायल हो गए. घटना के बाद तीनों को तत्काल जिला चिकित्सालय लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. कोतवाली पुलिस ने पंचनामा कर तीनों के शव को पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है और आगे की कार्यवाही में जुट गई है.

बिलासपुर-रायपुर सड़क हादसा–चकरभाठा निवासी पंकज छाबड़ा, जैकी गेही और आकाश चंदानी तीनों युवक संडे मनाने बिलासपुर गए थे. यहां देर रात तक पार्टी करने के बाद रात 2 से 3 बजे बीच वापस चकरभाठा लौट रहे थे. इसी बीच बिलासपुर-रायपुर हाइवे स्थित गुरुनानक ढाबा के पास में इनकी इनोवा (CG 10BK 2221) अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई और पलट गई. इस हादसे में कार में सवार 1 युवक की मौत हो गई. हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए. इसके अलावा वहां खड़ी अन्य गाड़िया भी चपेट में आ गई. बताया जा रहा है कि कार की रफ्तार इतनी तेज थी, कि टक्कर के बाद कार 100 से 200 फीट तक गोल-गोल घूमती रही. इसके चलते गाड़ी के दरवाजे खुले और कार में सवार एक-एक कर बाहर हो गए. गाड़ी से बाहर गिर कर जैकी गेही डिवाइडर के पास लगे लोहे के एंगल में जा घुसा, जिससे उसके छाती, कंधा और सिर में गंभीर चोट आई और उसकी मौत हो गई. साथ ही वाहन चला रहे आकाश चांदनी और साथ में पीछे बैठे पंकज छाबड़ा को भी गंभीर चोटें आई है. वहीं ढाबे के बाहर खड़ी एक नई अर्टिगा कार भी इस हादसे की चपेट में आ गई. कार से टकराने पर अर्टिगा के अंदर बैठे चालक को भी चोट आई और गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है. सूचना मिलते ही चकरभाठा पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा. साथ ही घायलों को उपचार के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है.

रतनपुर में मालवाहक हुई दुर्घटना ग्रस्त- बिलासपुर-रतनपुर मुख्य मार्ग पर स्थित सिद्धिविनायक मंदिर के पास तेज रफ्तार मालवाहक अनियंत्रित होकर वाहन पेड़ से टकराकर पलट गई, हादसे में 2 लोग गंभीर रूप से घायल हैं. दो युवक गाड़ी के केबिन में फंसे थे, जिन्हें ढाई घंटे रेस्क्यू ऑपरेशन कर गैस कटर से वाहन काटकर निकाला गया.स्वराज माजदा में ड्राइवर शाहिद, कंडक्टर और लक्ष्मण यादव सवार थे. हादसे के बाद ड्राइवर किसी तरह बाहर निकल गया, लेकिन कंडक्टर और लिफ्ट लेकर वाहन में सवार लक्ष्मण यादव केबिन में फंसे रह गए. हादसे में लक्ष्मण का एक पैर वाहन के नीचे दब गया, जिससे वह गंभीर पीड़ा में था. हादसे की वजह से वाहन में फंसे हुए लोगों की चीख-पुकार सुनकर लोगों ने तत्परता दिखाते हुए पुलिस और प्रशासन को सूचना दी.रतनपुर पुलिस मौके पर पहुंची, और गैस कटर मंगवाकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया. नगर पालिका अध्यक्ष लवकुश कश्यप भी मौके पर पहुंचे और राहत कार्यों में सक्रिय सहयोग दिया. करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद वाहन का अगला हिस्सा काटकर दोनों फंसे युवकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया.

मृतकों की पहचान

वरुण नायक (22 वर्ष), पिता- राम लाल नायक,
केवल नायक (19 वर्ष), पिता- राम लाल नायक
तीरथ दीवान (18 वर्ष), पिता- कुमार दीवान है.

भीषण बाढ़ की चपेट में पूर्वोत्तर के कई राज्य

अमित शाह ने मुख्यमंत्रियों को मिलाया फोन, हर संभव मदद का दिया आश्वासन

नई दिल्ली,2 जून। पूर्वोत्तर के कई राज्यों में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी रही। लगातार भारी बारिश से हजारों लोग प्रभावित हुए और केंद्र की ओर से उच्चस्तरीय प्रतिक्रिया की जरूरत पड़ी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के मुख्यमंत्रियों के साथ-साथ मणिपुर के राज्यपाल से बात की और उन्हें संकट से निपटने के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। अमित शाह ने एक्स को लिखा कि असम, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों और मणिपुर के राज्यपाल से

उनके राज्यों में जारी भारी बारिश के मद्देनजर बात की. साथ ही उन्हें किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। मोदी सरकार पूर्वोत्तर के लोगों के समर्थन में चट्टान की तरह खड़ी है। अधिकारियों के अनुसार, असम के 15 से ज्यादा जिलों में 78,000 से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। ब्रह्मपुत्र और बराक समेत दस प्रमुख नदियाँ ख़तरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिसके कारण केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने 'ऑरेंज बुलेटिन' जारी किया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने असम में बाढ़ के बारे में जानकारी लेने के लिए कुछ समय पहले मुझे फोन किया और मौजूदा स्थिति से निपटने के लिए हर संभव सहायता की पेशकश की है। मैंने उन्हें उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी दी है और हम उनकी चिंता और समर्थन के लिए आभारी हैं।

पशु के मांस-हड्डी की तस्करी करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई: केदार

रायपुर,2 जून। छत्तीसगढ़ में जानवरों के मांस और हड्डियों की अवैध तस्करी के मामलों पर सरकार सख्त रुख अपनाने जा रही है. वन मंत्री केदार कश्यप ने इस तरह की गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों और गिरोहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है. उन्होंने कहा कि पशु के तस्करी की जानकारी मिलने पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं. वन मंत्री केदार कश्यप ने पशु के मांस-हड्डी की तस्करी को लेकर कहा कि जो भी इस तरह की अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने बताया कि हाल ही में वे बिलासपुर दौरे पर थे, जहां उन्हें कुछ लोगों ने कछुए की तस्करी की जानकारी दी. इस पर उन्होंने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं. मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय योजना की शुरुआत छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय योजना की शुरुआत कर दी गई है। यह योजना पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रदेश के छह जिलों में चलाई जा रही है. इसकी शुरुआत कोंडागांव जिले से की गई, जहां लोगों को दुधारू गायें वितरित की गई. इस संबंध में मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि पिछले वर्ष 16 दिसंबर को केंद्रीय सहकारिता मंत्री के समक्ष एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया था. उसी एमओयू के तहत प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने की संकल्पना को आगे बढ़ाया जा रहा है. बस्तर संभाग के कांकेर और कोंडागांव जिलों में योजना की शुरुआत के साथ पूरे प्रदेश में लोगों को जागरूक किया जाएगा. मंत्री कश्यप ने कहा कि गुजरात और अन्य राज्यों में इस योजना से लोगों की आय और आत्मनिर्भरता में वृद्धि हुई है.

ईओडब्लू ने विजय भाटिया की 7 दिन की रिमांड मांगी

रायपुर,2 जून। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में 1 दिन की न्यायिक रिमांड पर चल रहे शराब कारोबारी विजय भाटिया को आज (सोमवार) रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान ईओडब्ल्यू ने विजय भाटिया की 7 दिन की रिमांड मांगी है। दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।बता दें कि एसीबी-ईओडब्ल्यू ने कारोबारी भाटिया को दिल्ली से गिरफ्तार कर रायपुर के स्पेशल कोर्ट में पेश किया था। जहां कोर्ट ने सुनवाई के बाद 1 दिन के न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया था।

ओवैसी ने पाकिस्तानी आतंकी संगठनों की तुलना अलकायदा से की

नई दिल्ली,2 जून। ओवैसी ने आतंकवादी जकीउर रहमान लखवी के प्रति पाकिस्तान के पक्षपातपूर्ण व्यवहार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जकीउर रहमान लखवी नामक एक आतंकवादी था - दुनिया का कोई भी देश ऐसे आतंकवादी को अनुमति नहीं देगा, जिस पर आतंकवाद का आरोप हो। आईएमआईएम प्रमुख और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए उसे 'तकफीरिज्म का केंद्र' बताया, जिसका मतलब कट्टरपंथी विचारधाराओं से है। ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी समूहों, आईएसआईएस और अल-कायदा जैसे वैश्विक आतंकवादी संगठनों के बीच कोई वैचारिक अंतर नहीं है। उनकी टिप्पणी अल्जीरिया में एक संबोधन के दौरान आई, जहां सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान के बयान का मुकाबला करने और आतंकवाद पर भारत की स्थिति को उजागर करने के लिए केंद्र की वैश्विक आउटरीच पहल के हिस्से के रूप में पहुंचा था। ओवैसी ने आतंकवादी जकीउर रहमान लखवी के प्रति पाकिस्तान के पक्षपातपूर्ण व्यवहार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जकीउर रहमान लखवी नामक एक आतंकवादी था - दुनिया का कोई भी देश ऐसे आतंकवादी को अनुमति नहीं देगा, जिस पर आतंकवाद का आरोप हो।

2 हार्डकोर समेत 16 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

जगदलपुर,2 जून। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है. सरकार की आत्मसमर्पण नीति और नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर पीजीएल A के दो हार्डकोर समेत 16 नक्सलियों ने पुलिस और सीआरपीएफ अधिकारियों के समक्ष हथियार डाल दिए. आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों पर 25 लाख का इनाम घोषित था. सरेंडर करने वाले नक्सलियों में एक महिला और एक पुरुष नक्सली पर 8-8 लाख रुपये का इनाम घोषित था, 1 पुरुष पर 3 लाख और 3 पुरूष पर 2-2 लाख, कुल 16 अन्य नक्सलियों पर 25 लाख रुपये तक का इनाम घोषित किया गया था. सभी नक्सली जिले में कई नक्सली वारदातों में सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं. इस दौरान बस्तर एसपी किरण चव्हाण, एएसपी उमेश गुप्ता, और सीआरपीएफ व जिला पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूद रहे. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पित नक्सली अब शासन की पुनर्वास योजना के तहत सामान्य जीवन जीने की दिशा में आगे बढ़ेंगे. नई "छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति -2025" के तहत आत्मसमर्पण करने वाले प्रत्येक नक्सलियों को 50-50 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि और अन्य सुविधायें प्रदान की जाएगी.

रायपुर, 2 जून। राज्यपाल रमेन डेका ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले रायपुर निवासी स्वर्गीय श्री दिनेश अग्रवाल के परिजनों को आज यहां राजभवन में 2 लाख रूपए की सहायता राशि संबंधी चेक प्रदान किया। इस अवसर पर विधायक सुनील सोनी एवं पुरंदर मिश्रा उपस्थित थे।

गुजरात से 2000 से अधिक बांग्लादेशी वापस भेजे गये

गांधीनगर,2 जून। भारत में विभिन्न राज्यों से बांग्लादेशियों की धरपकड़ और उन्हें वापस उनके देश भेजने का अभियान तेजी के साथ जारी

है। हम आपको बता दें कि 7 मई की सुबह शुरू हुए "ऑपरेशन सिंदूर" के बाद से अब तक 2000 से अधिक बांग्लादेशी अवैध प्रवासियों को भारतीय अधिकारियों द्वारा सीमा पार "वापस धकेला" जा चुका है। यह कार्रवाई देशव्यापी दस्तावेज सत्यापन अभियान के बाद शुरू की गई। बताया जा रहा है कि इतनी ही संख्या में प्रवासी स्वयं भारत-बांग्लादेश सीमा पर लौटकर स्वेच्छा से पार जाने के लिए पहुंच गए, क्योंकि इस सख्त अभियान से डर का माहौल बन गया है। हम आपको बता दें कि यह सरकारी कार्रवाई त्रिपुरा, मेघालय और असम की सीमाओं पर चल रही है। सूत्रों के अनुसार, गुजरात इस अभियान की शुरुआत करने वाला पहला राज्य था और कुल "वापस धकेले गए" लोगों में से लगभग आधे वहीं से भेजे गए। दिल्ली और हरियाणा ने भी बड़ी संख्या में प्रवासियों को वापस भेजा है, जबकि बाकी असम, महाराष्ट्र और राजस्थान से पकड़े गए हैं। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि यह एक सतत प्रक्रिया है और अधिक आर्थिक गतिविधियों वाले सभी राज्य दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ऐसे अवैध प्रवासियों को चिन्हित कर रहे हैं।

कोलकाता में साधु-संतों ने अमित शाह से मुलाकात की

नई दिल्ली,2 जून। विभिन्न संगठनों के साधु-संतों ने रविवार को यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और पश्चिम बंगाल के मालदा और मुर्शिदाबाद जिलों में हिंदुओं पर कथित अत्याचार तथा बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ को लेकर चिंता जताई। स्वामी विवेकानंद के पैतृक आवास पर हुई बैठक के दौरान, साधु-संतों ने दावा किया कि शाह ने हिंदू धार्मिक नेताओं से एकजुट होने और मानवता से संबंधित व्यापक मुद्दों को हल करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान शाह ने स्वामी विवेकानंद को पुष्पांजलि अर्पित की। पद्म पुरस्कार से सम्मानित कार्तिक महाराज ने कहा कि साधु-संतों ने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को रेखांकित करते हुए हिंदुओं के खिलाफ होने वाली हिंसा के मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि शाह राजनीतिक चर्चा के लिए नहीं, आशीर्वाद लेने आए हैं। अंतरराष्ट्रीय वेदांत सोसाइटी की संयुक्त महासचिव तेजमयी मां ने कहा, ''चर्चा का मुख्य विषय यह था कि सामूहिक प्रयास के लिए क्या आवश्यक है। प्रतिभागियों ने एक इकाई के रूप में मिलकर काम करने के महत्व पर जोर दिया आम सहमति बनाई। मिलकर काम करना साझा भावना है। इस एकीकृत दृष्टिकोण का उद्देश्य आम लोगों को लाभ पहुंचाना है, विशेष रूप से यह पता लगाना कि लोगों के कल्याण के लिए दैनिक जीवन में आध्यात्मिकता को कैसे लागू किया जा सकता है।'' न्यू बैरकपुर स्थित अंतरराष्ट्रीय वेदांत सोसाइटी की संयोजक वेदप्रणा माता ने कहा, ''चर्चा का मुख्य विषय सनातन धर्म था। कुछ वक्ताओं ने चिंता जताई कि पश्चिमी देश वर्तमान में भारत की तुलना में सनातन मूल्यों को अधिक सक्रियता से अपना रहे हैं और आगे बढ़ा रहे हैं। इन मूल्यों को अपने देश में संरक्षित और मजबूत करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।'' उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के महत्व को भी रेखांकित किया गया, साथ ही इस साझा विश्वास पर भी जोर दिया गया कि सभी धर्मों का सार मानवता में निहित है।

चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज का अतीत रहा है गौरवशाली : मुख्यमंत्री

भिलाई, 2 जून । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रीय समाज का अतीत गौरवशाली रहा है। समाज में क्षत्रपति शिवाजी महाराज जैसे प्रतापी शासक हुए, वहीं सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसी महान विभूति, जिन्होंने देशी रियासतों के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रीय समाज न केवल परिश्रम और स्वाभिमान का प्रतीत है, बल्कि यह समाज छत्तीसगढ़ के विकास का आधार स्तंभ भी है। छत्तीसगढ़ को नई दिशा और विकसित राज्य बनाने में यह समाज का महत्वपूर्ण योगदान होना चाहिए। मुख्यमंत्री साय दुर्ग जिले के ग्राम कोलिहापुरी में आयोजित चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रीय समाज के केन्द्रीय महाधिवेशन कार्यक्रम को मुख्य अतिथि की आसंदी से सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा तथा विधायक अजय चन्द्राकर, गजेन्द्र यादव एवं ललित चन्द्राकर विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री साय ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ में चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रीय समाज के अधिकांश लोग मूल रूप से किसान है। साथ ही व्यापक स्तर पर कृषि कार्य से जुड़े हैं। प्रदेश सरकार किसान भाईयों के चेहरों पर खुशी हमेशा देखना चाहती है। सरकार लगातार किसान भाईयों की बेहतरीन के लिए कार्य कर रही है। इस समय विकसित कृषि संकल्प अभियान छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में 29 मई से 12 जून 2025 तक चल रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को किसानों से सीधे जोड़ना और नई कृषि तकनीकों, सरकारी योजनाओं तथा सफल कृषि मॉडलों की जानकारी देना है। कृषि वैज्ञानिकों के 100 समूह छत्तीसगढ़ के विभिन्न इलाकों में किसानों से कार्यक्रमों के माध्यम से संवाद कर रहे हैं। ये वैज्ञानिक किसानों को आर्गेनिक खेती, खाद और स्वाइल हेल्थ कार्ड के सही उपयोग के बारे में जागरूक रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ का हर किसान तकनीकी रूप से सक्षम हो और उनकी आय में वृद्धि हो। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश में खेती-किसानी तभी मजबूत होगी, जब किसान भाइयों को उनकी उपज की सही कीमत मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विधानसभा चुनाव के समय गारंटी दी थी कि प्रदेश में सरकार बनती है तो किसानों को दो साल का बकाया बोनस दिया जाएगा। इसे पूरा करते हुए हमने 13 लाख किसानों के खातों में 3,716 करोड़ रूपए सरकार बनते ही अंतरित किये। मोदी जी की गारंटी अनुसार छत्तीसगढ़ की किसानों से 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदी की जा रही है। बीते खरीफसीजन में राज्य में 149 लाख मिट्रिक टन से अधिक धान खरीदी का नया रिकार्ड बना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान भाइयों को उनके उपज की पूरी कीमत मिल रही है। धान खरीदी के नये रिकार्ड बन रहे हैं, ऐसे में प्रदेश में खेती को लेकर किसान भाईयों के बीच रूझान बढ़ रहा हैं। प्रदेश में सिंचाई के संसाधानों को बढ़ावा देने के साथ-साथ पशुपालन और मत्स्य पालन को भी प्राथमिकता दी जा रही है। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए गरीब परिवारों को दो-दो पशु दिये जाएंगे। जिनकी देख-रेख की जिम्मेदारी राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड को सौंपी गई है। किसानों को दुध बेचने में कोई परेशानी न हो इसके लिए दुध संकलन की व्यवस्था भी की गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि दन्तेवाड़ा जिले में मिलेट्स, फसल, कोदो, कुट्टी और रागी की खेती को बढ़ावा देने के लिए को प्रोसेसिन संयंत्र की स्थापन की जा रही है। यह अनाज पहले गरीबों का भोजन माना जाता था लेकिन अब यह पोषणयुक्त होने के कारण उच्च वर्ग में भी लोकप्रिय हो रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमने नई औद्योगिक नीति बनायी है जिसमें प्रदेश की जरूरत के हिसाब से उद्योग की स्थापना के लिए अनेक प्रावधान किये हैं। हमारी सरकार का संकल्प है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास इसी भावना से हम समाज के हर वर्ग के लिए योजना बना रहे हैं और उसे कार्यरूप में परिणत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ में किसानों, महिलाओं, बुजुर्गों और समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं लागू की गई है। महतारी वंदना योजना के तहत 70 लाख से अधिक महिलाओं को प्रति माह 1000 रूपए की आर्थिक सहायता दी जा रही है। इससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही है और सिलाई-कढ़ाई-सब्जी उत्पादन जैसे कार्यों से अपनी आमदनी बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना को एक बार फिर शुरू किया गया है, जो पहले डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में लागू थी। अब 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों और दिव्यांगों को यह सुविधा दी जा रही है ताकि वे जीवन के अंतिम चरण में तीर्थ यात्रा या गंगा स्नान जैसी धार्मिक इच्छाओं को पूरा कर सकें। मुख्यमंत्री ने बताया कि रामलला दर्शन योजना के तहत अब तक 22 हजार से अधिक श्रद्धालु लाभान्वित हो चुके हैं। उन्होंने अवगत कराया कि सुशासन तिहार में छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों का दौरा किया हूं। योजनाओं की जमीनी स्तर पर मॉनिटरिंग की। जनता जनार्दन से फीडबैक लिया। तीन चरणों में संपन्न सुशासन तिहार में 40 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए है, जिसका निराकरण किया गया है। प्रदेश में सुशासन स्थापित करने में हम कामयाब हुए हैं। जनता जनार्दन में खुशहाली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रशासनिक पारदर्शिता और डिजिटल व्यवस्था की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रही है। अब जमीन की रजिस्ट्री के तुरंत बाद नामांतरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे आम जनता को राहत मिली है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए अधिकतर कार्य ऑनलाइन किए जा रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में सरकार ने विशेष ध्यान दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा केवल नौकरी पाने का माध्यम नहीं बल्कि जीवन और समाज को बेहतर बनाने का जरिया है। जब प्रदेश में भाजपा की सरकार थी, तब आईआईटी, आईआईआईटी, लॉ यूनिवर्सिटी और मेडिकल कॉलेज जैसे प्रमुख संस्थान स्थापित किए गए। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत सरकार बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और उन्हें समाज के लिए उपयोगी नागरिक बनाने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कुर्मी समाज की सराहना करते हुए कहा कि यह समाज उन्नत कृषक और व्यापारी समाज है, जो छत्तीसगढ़ की विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह समाज न केवल खेती और व्यापार में अग्रणी है, बल्कि शिक्षित और संगठित भी है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि समाज को जोड़ कर सही मार्ग दिखाने वालों का समाज में हमेशा सम्मान होता है। आज समाज की नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम को विधायक अजय चन्द्राकर एवं ललित चन्द्राकर और बीज विकास निगम के अध्यक्ष चन्द्रहास चन्द्राकर ने भी सम्बोधित किया। चन्द्रनाहू क्षत्रीय कुर्मी समाज के प्रदेश अध्यक्ष विनोद चन्द्राकर ने स्वागत उद्बोधन में केन्द्रीय महाविधवेशन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर चन्द्रनाहू क्षत्रीय कुर्मी समाज के पदाधिकारीगण और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

एक नजर

लूटपाट के आरोप में चार युवक गिरफ्तार

भिलाई, 2 जून । खुर्सीपार थाना क्षेत्र के युवक को रोककर लूटपाट करने वाले चार आरोपियों को खुर्सीपार थाने पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी सीसीटीवी की मदद से चेकिंग के दौरान दबोचे गए 7 खुर्सीपार पुलिस ने बताया कि अमित सिंह मेहरा (34 वर्ष) निवासी दलबीर भवन नंदनी रोड थाना छावनी ने थाना खुर्सीपार आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 5 मई की रात 10.30 बजे गोडवाना भवन के सोने खुर्सीपार में 4 अज्ञात युवक आये और प्रार्थी को रोककर मोबाइल, आधार कार्ड व गाड़ी की चाबी को झपट कर ले गये। रिपोर्ट पर थाना खुर्सीपार में धारा 304 (2), 126 (1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर लिया 7 विवेचना के दौरान आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से निरीक्षण में कुछ लोगों को घटना स्थल के आस पास देखा गया 7 संदेहियों से पूछताछ की और रविवार को डबरापारा ओवर ब्रिज के पास वाहन चेकिंग के दौरान संदेहियों को घेराबंदी कर पकड़ा। आरोपी नोहरदास मानिकपुरी (19 वर्ष) निवासी कैम्प 01 साक्षरता चौक के पास सुपेला से चाबी, नारायण यादव उर्फगौरव (19 वर्ष) निवासी सिकोलाभाठा दुर्ग के कब्जे से मोबाइल व नाबालिग बालकों के कब्जे से आधार कार्ड व घटना में प्रयुक्त वाहन जब्त किया है ।

नशीली दवा बेचने वाले गिरफ्तार

भिलाई, 2 जून । भिलाई कातुलबोर्ड क्षेत्र में नशीली दवा बेचने वालों को प्रतिबंधित दवाएं उपलब्ध कराने वाले आरोपी को गोंदिया से स्मृतिनगर चौकी पुलिस ने गिरफ्तार किया है आरोपी के कब्जे से पुलिस ने अलग-अलग कंपनियों की कुल 3 लाख 18 हजार रुपए की टेबलेट और कैप्सूल बरामद किए हैं आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया स्मृतिनगर चौकी पुलिस ने बताया कि कातुलबोर्ड में नशे की गोलियां बेचने के आरोप में संतोष चन्द्राकर,, सोमनाथ पाण्डेय, लिंगराज उर्फसोनू यादव एवं मनीषा मखीजा को गिरफ्तार किया। प्रकरण में धारा 22,8 (ख), 27 (क) नार. एक्ट कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि इन आरोपियों को गोंदिया के रहने वाला व्यक्ति दवाओं की सप्लाई देता था। इस पर आरोपी जितेन्द्र बुधवानी उर्फ जीतू पिता किशनचंद बुधवानी (32 वर्ष) निवासी हरीओम वाटिका के पास सिंधी कालोनी गोदिया (महाराष्ट्र) से संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से स्पास-ट्रेसकन प्लस, अल्प्रोजोलम 0.5 टेबलेट और स्पास-प्रॉक्सीन टेबलेट मिली। स्पास-ट्रेसकन प्लस के 79 डिब्बों में कुल 11376 कैप्सूल, अल्प्रोजोलम 0.5 टेबलेट के 20 डिब्बों में कुल 1200 टेबलेट, स्पास-प्रॉक्सीन के 29 डिब्बे में 4176 टेबलेट मिली, जिसकी कीमत 3.18 लाख रुपए आंकी गई है।

स्वास्थ्य शिविर में 47 मरीजों की जांच

उतई, 2 जून। महिमा हॉस्पिटल , महिमा मेडिकल एवं शाश्वत डायग्नोस्टिक सेंटर उतई के संयुक्त तत्वाधान में ग्राम रिसामा मे निःशुल्क परामर्श एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया । इसमें 47 मरीज का जांच कर दवाई वितरण किया गया । सभी मरीजों का बी पी सुगर स्कैनिंग कर उचित परामर्श दिया गया। इस शिविर में डॉ. डॉ नीरज, डॉ विपुल कुमार गुप्ता, डॉ भूपेंद्र कुमार साहू, डॉ आकाश साहू, चमन लाल निर्मलकर, लोकेश कुमार, चिम्मन लाल ठाकुर, ललित साहू, ओम साहू, जया कुंजाम, वर्षा, रितिका नारंग, राधेश्याम, लोकेश यादव सरपंच रोशन लाल साहू, लोकेश यादव, डॉ राम दास हिरवानी, जनपद सदस्य ढालेश कुमार साहू, पंच गितेश्वर कुमार साहू एवं अन्य ग्रामवासी उपस्थित थे ।

ग्राम नगोईभाठा में मिला वृद्ध का शव

कोरबा, 2 जून । जिले के थाना पाली क्षेत्र के ग्राम नगोईभाठा में एक बुजुर्ग व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान परदेशी सिंह मरकाम (उम्र 62 वर्ष), पिता स्व. महेत्तर सिंह मरकाम के रूप में की गयी है, जिनका शव उनके घर के किचन में खून से सना हुआ पाया गया।घटना की सूचना मिलते ही सीन ऑफक्राइम मोबाइल यूनिट कोरबा की टीम मौके पर पहुंची। टीम में वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. राजश्री सिंह, प्रधान आरक्षक हेमंत चौहान तथा आरक्षक राजेश कुमार चंद्रा शामिल थे। टीम ने घटनास्थल एवं शव का बारीकी से निरीक्षण किया।प्रारंभिक जांच में मृतक के सिर पर तीन गहरे घाव पाए गए हैं, जो किसी नुकीले व भारी औजार, जैसे कुदाल, से किए गए प्रतीत हो रहे हैं। घटनास्थल की स्थिति और चोटों की प्रकृति को देखते हुए प्रथम दृष्टया मामला हत्या का माना जा रहा है, साथ ही साक्ष्य छुपाने की आशंका भी जताई जा रही है।बताया जा रहा हैं की मौके से कुछ महत्वपूर्ण साक्ष्य और प्रदर्श एकत्र कर एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) जांच के लिए भेजे गए हैं, वहीं शव को पंचनामा उपरांत पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

विधायक देवेंद्र ने सेक्टर-5 कार्यालय में जनता से की भेंट-मुलाकात

भिलाई, 2 जून। भिलाई नगर क्षेत्र के विधायक देवेंद्र यादव ने शनिवार को सेक्टर-5 स्थित अपने विधायक कार्यालय में जनसमस्याओं के निराकरण हेतु जनता से भेंट मुलाक़ात की। इस दौरान क्षेत्र के सैकड़ों नागरिकों ने पहुंचकर अपनी विभिन्न समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं।इस दौरान लोगों ने मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याएं जैसे जल आपूर्ति की अनियमितता, सड़क मरम्मत, स्ट्रीट लाइट की खराबी, नालियों की सफाई, पेंशन प्रकरणों में विलंब और राशन कार्ड की समस्या की जानकारी दी। कई वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं ने भी विधायक से व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान के लिए आग्रह किया। विधायक यादव ने जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए कि लोगों की शिकायतों का त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने कहा, जनता की समस्याएं सुनना और उन्हें प्राथमिकता से हल कराना उनका दायित्व है। विधायक कार्यालय आम लोगों के लिए हमेशा खुला है। कार्यक्रम में वार्ड पार्षदगण, सामाजिक कार्यकर्ता और नगर निगम के अधिकारी भी उपस्थित रहे। लोगों ने विधायक की जनसेवा के प्रति तत्परता की सराहना की और भरोसा जताया कि क्षेत्रीय समस्याओं का जल्द समाधान होगा। इस दौरान सेक्टर 1 में हुए सड़क दुर्घटना में घायल के परिजन भी विधायक देवेंद्र यादव से मिलने आए। विधायक ने उनके कुशल से पूछा और अस्पताल प्रबंधन को फोन करके बेहतर इलाज करने की गुजारिश की और परिवार को आश्वासन दिया कि वह उनके साथ है। इसी दौरान सेक्टर 5 स्थित केरला समाजम भवन को लेकर समाज के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक से मुलाकात की और भवन संधारण की मांग रखी। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि सामाजिक भवन की हालत खराब हो गई है। अब जर्जर स्थिति में है और बारिश के दिनों में बारिश का पानी छत से टपकता है। विधायक ने आश्वासन दिया कि वह जल्दी सामाजिक भवन के संधारण के लिए पहल करेंगे।

हुडको के लोगों ने आमदी नगर में बाउंड्री वॉल बनाने बीएसपी के कर्मचारी ने पास छीन लेने की शिकायत की। खुर्सीपार के लोगों ने वार्ड में पानी की समस्या बताई और बोर खनन की मांग की। वार्ड 40 और 48 के लोगों ने क्षेत्र में बाउंड्री वॉल की मांग की है। डीएवी स्कूल की ओर से आयोजित फिट इंडिया मूवमेंट कार्यक्रम में विधायक देवेंद्र यादव सम्मिलित हुए और बच्चों के सॉन्ग साइकिल चलाई और सेक्टर 2 स्थित वॉलीबॉल क्लब में बच्चों के संग वॉलीबॉल के खेल और नेशनल स्टेट खेलने वाले खिलाड़ियों को को पुरस्कृत किया ।

कॉपर स्क्रैप चोरी के मामले में दो लोग किए गए पुलिस के हवाले

भिलाई, 2 जून । बीएसपी के अंदर से कॉपर स्क्रैप चोरी करने वाले दो आरोपियों को सीआईएसएफ ने पकड़कर भट्ठी पुलिस के हवाले किया। कार में एक गुप्त केबिन बना हुआ था। जहां से 240 किलोग्राम स्क्रै प छिपाकर प्लांट से भाग रहा था। भट्ठी पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कॉपर समेत कार जब्त कर ली है भट्ठी टीआई राजेश मिश्रा ने बताया कि 31 मई की सुबह 6.15 बजे करीब वाहन हुंडई कार बोरिया आउट गेट से बाहर निकालने के लिए आई। कार को सीआईएसएफके सदस्यों ने रोककर चेक करने के दौरान कार की पिछली सीट के नीचे गुप्त केवीटी बनाकर स्क्रैप कॉपर केबल भरा हुआ पाया गया कार चालक से पूछताछ करने पर अपना नाम शिवम यादव (25 साल) निवासी रामनगर सुपेला का रहने वाला बताया। उसके पास से बीएसपी प्लांट का गेट पास को चेक करने पर उक्त गेट पास में आरोपी का फोटो लगा हुआ और अन्य के नाम से गेट पास बना हुआ मिला। अन्य व्यक्ति के नाम का गेट पास को योजनाबध्द तरीके से कूटरचित कर फर्जी गेट पास तैयार कर असली गेट पास के रूप में प्रयोग कर आरोपी ने संयंत्र के अंदर प्रवेश किया गया। आरोपी शिवम यादव ने अपने अन्य साथी मनोज कुमार वर्मा (34 वर्ष) निवासी सपना टॉकीज के पीछे, पानी टंकी के सामने, शक्ति नगर, डी.के. स्पोर्टस के पास, थाना छावनी नामक व्यक्ति के साथ मिलकर योजना बनाकर बीएसपी का फर्जी गेटपास तैयार कर उसी गेट पास के सहारे कार को संयंत्र के अंदर प्रवेश किया । आरोपी ने संयंत्र के अंदर कोकओवन-सीसीडी एरिया के पास पड़े हुए स्क्रैप कॉपर केबल टुकड़ा वजनी करीब 240 किलोग्राम को चोरी की नीयत से कार में बनी गुप्त कैविटी में छुपा कर संयंत्र से बाहर ले जाने के दौरान वाहन कार सहित शिवम यादव और मनोज कुमार वर्मा उर्फ मोनू को पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से स्क्रैप कॉपर केबल वजनी 240 किलोग्राम घटना में प्रयुक्त वाहन हुंडई कार, संयंत्र के भीतर प्रवेश करने का कूटरचित बीएसपी गेट पास को बरामद किया है ।

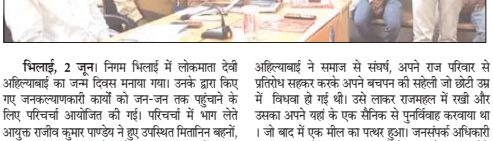

लोकमाता अहिल्याबाई बहुत ही संवेदनशील महिला थीं : आयुक्त

भिलाई, 2 जून। निगम भिलाई में लोकमाता देवी अहिल्याबाई का जन्म दिवस मनाया गया। उनके द्वारा किए गए जनकल्याणकारी कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए परिचर्चा आयोजित की गई। परिचर्चा में भाग लेते आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने हुए उपस्थित मितानिन बहनों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बताया कि लोकमाता अहिल्याबाई बहुत संवेदनशील महिला थीं। अपने प्रजा की दुख तकलीफको समझती थीं। उन्होंने देखा कि बाल्यावस्था में जब कोई बालिका विधवा हो जाती है जिसमें उसका कोई दोष नहीं रहता है वह बहुत तकलीफपाती है। पुरुष दूसरा शादी कर लेता है। महिला बहुत ही कष्ट में जीवन जीती है। समाज उसे बहुत प्रताड़ित करता है।अशगुनही मानता है। देवी अहिल्याबाई ने समाज से संघर्ष, अपने राज परिवार से प्रतिरोध सहकर करके अपने बचपन की सहेली जो छोटी उम्र में विधवा हो गई थी। उसे लाकर राजमहल में रखी और उसका अपने यहां के एक सैनिक से पुनर्विवाह करवाया था । जो बाद में एक मील का पत्थर हुआ। जनसंपर्क अधिकारी अजय शुक्ला ने बताया बालिकाओं के शिक्षा के लिए उन्होंने काम किया। उस समय केवल लड़कों का ही पढ़ने का चलन था लेकिन अपने लगन से राजा को उन्होंने बाध्य किया कि वह भी पढ़ाई करेगी। राजा ने उन्हें पढ़ाया, राज-काज सिखाया। एक बार अपने राज्य के भ्रमण के दौरान जब रानी ने देखा की जो सैनिक लड़ाई में घायल हो जाते हैं या उनकी मृत्यु हो जाती है। उनके परिवार को बहुत आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता है । इसके लिए उन्होंने अपने राज्य में सैनिकों के लिए पेंशन की शुरुआत की। इसका भी राज्य के कोषाध्यक्ष ने भरपूर विरोध किया था कि राजकीय खजाना खाली हो जाएगा। उसका भी उन्होंने रास्ता निकाला उनके वेतन से कुछ हिस्सा काटकर के उतना ही हिस्सा शासन द्वारा जमा करके पेंशन की शुरुआत की गई। परंपरा अनुसार राज माता थीं लेकिन जनता की समस्याओं को करीब से जानने के लिए वह खुद झोपड़ी में निवास करती थीं। लोगों की समस्याएं उनके घरों में जाकर सुनती थी। उनके इस प्रकार की भावना से जनता उन्हें राजमाता से लोकमाता कहने लगी। उपस्थित महिलाओं के बीच अहिल्याबाई के ऊपर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता रखी गई। अहिल्याबाई के बारे में पूछे गए सवालों को जानकारी देता था उसे त्वरित रूप से पुरस्कार भी प्रदान किया गया। 21 मई से 31 मई तक नगर निगम भिलाई क्षेत्र में लोकमाता अहिल्याबाई के ऊपर विभिन्न जन उपयोगी कार्यक्रम किए गए। जिसमें प्रमुख रूप से स्वच्छता दीदियों का मेडिकल हेल्थ चेकअप, दवाई वितरण, गर्भवती महिलाओं को सुपोषण आहार देना, कुपोषित बच्चों को पौष्टिक खाद्य सामग्री प्रदान करना, भेलवा तालाब में प्रबुद्ध लोगों के बीच संगोष्ठी का आयोजन आदि शामिल रहा। परिचर्चा के दौरान जोन आयुक्त सतीश यादव, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, लेखा अधिकारी सी बी साहू, आयुक्त स्टोनो पुरुषोत्तम साहू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी वी के सैमुअल, अनिल मिश्रा, वीरेंद्र बंजारे, हेमंत माझी, स्वच्छता निरीक्षक द्विवेदी, अंजनी सिंह, सागर दुबे आदि उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत भटगांव में चलाया गया स्वच्छता अभियान

उतई,2 जून। ग्राम पंचायत भटगांव में स्वछता दीदियों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमे गांव के गली मोहल्लों स्कूल पंचायत आंगनवाड़ियों के आस पास साफ सफाई अभियान चलाया गया। इस अवसर पर सरपंच भारती साहू, गोमती साहू, टिकेश्वरी साहू, रामेश्वरी साहू, कीर्ति साहू, ईशा साहू, चित्ररेखा साहू, कमलबती साहू उपस्थित थे।

भीम रेजीमेंट के जिला अध्यक्ष बने जीतू

पाटन,2 जून। छत्तीसगढ़ में अन्याय शोषण अत्याचार अपराध पर लगातार आवाज उठाने वाले गैर राजनीतिक संगठन भीम रेजीमेंट का दुर्ग जिला अध्यक्ष जीतू सोनवानी को बनाया गया है। सोनवानी पूर्व में दुर्ग जिला महासचिव के पद पर थे। संगठन हित के कार्यों को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष उमेश सोनवानी द्वारा उन्हें दुर्ग जिला अध्यक्ष बनाया गया है। सोनवानी ने कहा कि संगठन ने उन्हें जिला अध्यक्ष पद का दायित्व दिया है इसका वे पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

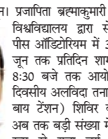

लोक के कारण तंत्र है, तंत्र के कारण लोक नहीं : नारायण नामदेव

कोरबा, 2 जून । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य विस्तार का एक बड़ा आधार प्रतिवर्ष ग्रीष्मकल में लगाए जाने वाले संघ शिक्षा वर्गों को माना जाता है। संघ द्वारा गर्मियों में प्रतिवर्ष लगाए जाने वाले प्रशिक्षण वर्गों की श्रृंखला में इस वर्ष छत्तीसगढ़ प्रांत में सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (बुधवारी) कोरबा में संघ शिक्षा वर्ग (सामान्य) 17 मई 2025 भोजन पूर्व से प्रारंभ होकर 01 जून को समापन कार्यक्रम पश्चात 02 जून प्रातः को दीक्षांत कार्यक्रम के बाद वर्ग संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने वर्ष 2024 से संघ शिक्षा वर्ग के नाम में बदलाव के अलावा पाठ्यक्रमों में भी बदलाव किया है। प्रथम वर्ष को ÷संघ शिक्षा वर्ग, द्वितीय वर्ष को कार्यकर्ता विकास वर्ग एक और तृतीय वर्ष को कार्यकर्ता विकास वर्ग दो कहा जाएगा। इस वर्ष कोरबा में छत्तीसगढ़ प्रान्त का संघ शिक्षा वर्ग (सामान्य) आयोजित हुआ है जिसकी अवधि 15 दिन है, यह वर्ग पूर्व में 20 दिन का हुआ करता था।इस संघ शिक्षा वर्ग में संघ के सभी आयु के कार्यकर्ताओं विशेषकर शालेय एवं महाविद्यालीन विद्यार्थी, कर्मचारी, व्यवसायी और कृषक वर्ग को संघ की रीति नीति, विचार, कार्यप्रणाली से परिचित कराने के साथ ही भारत के गौरवशाली इतिहास, प्रातः स्मरणीय महापुरुषों, वीरांगनाओं, संतो, वैज्ञानिकों, स्वाधीनता के लिए प्राणों की आहुति देने वालों सहित महान नर-नारियों का स्मरण किया गया। देश की पवित्र नदियों, पर्वत श्रृंखलाओं, तीर्थ का स्मरण करते हुए देश व समाज के लिए स्वयं के समर्पण का संकल्प इस प्रशिक्षण से लिया गया।संघ शिक्षा वर्ग में छत्तीसगढ़ प्रांत के सभी 34 जिलों से कुल 472 शिक्षार्थियों ने 15 दिन अपने घर से दूर रहकर संगठन व समाज हेतु कार्य करने का प्रशिक्षण प्राप्त किये। घंटाघर, अंबेडकर प्रांगण, कोरबा में आयोजित समापन कार्यक्रम में भीषण गर्मी के बीच संघ के स्वयंसेवकों ने 45 मिनट बिना रुके गणसमता, पदविन्यास, निःयुद्ध, दंड संचालन, दंडयुद्ध, खेल, योगासन, सामूहिक समता की शारीरिक प्रात्मक्षिक प्रस्तुत किये।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुभाष त्रिपाठी (वरिष्ठ पत्रकार रायगढ़) ने कहा कि भारतीय सेना के लिए पहले राष्ट्र वैसे ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए सबसे पहले राष्ट्र सर्वोपरि है जिन्होने 100 वर्ष की यात्रा मे मानवीय संवेदना के क्षेत्र मे एक अलग पहचान बनाई है इनके जैसा कोई ओर दूसरी संगठन नहीं हो सकता क्योंकि संघ में ही राष्ट्र भक्ति और अनुशासन दिखाई देता है। विशेष कर प्राकृतिक आपदा के दौरान जैसे भूकंप, बाढ़, एवं कोरोना में संघ के स्वयंसेवकों ने अपनी मानवीय संवेदना दिखाई हैं संघ भारत ही नहीं बल्कि विश्व पटल मे अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता नारायण नामदेव (सह प्रांत प्रचारक, छत्तीसगढ़) ने कहा कि ऊर्जा नगरी माँ सर्वमंगला के सानिध्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का यह संघ शिक्षा वर्ग 15 दिवसीय कार्यक्रम बहुत ही श्रेष्ठम अर्हताओ को पूर्ण करते हुए संपन्न हो रहा है। जो आप सभी ने अभी शारीरिक प्रदर्शन देखा यह एक प्रशिक्षण पद्धति का एक भाग है।

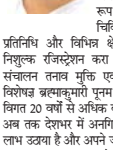

अलविदा तनाव शिविर 3 जून से

भिलाई, 2 जून। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा सेक्टर-7 पीस ऑडिटोरियम में 3 से 11 जून तक प्रतिदिन शाम 7 से 8:30 बजे तक आयोजित 9 दिवसीय अलविदा तनाव (गुड बाय टेंशन) शिविर के लिए अब तक बड़ी संख्या में विशेष रूप से युवा वर्ग, शिक्षा, चिकित्सा एवं व्यापार जगत के प्रतिनिधि और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक निशुल्क रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। इस शिविर का संचालन तनाव मुक्ति एवं आध्यात्मिक जीवन की विशेषज्ञ ब्रह्माकुमारी पूनम बहन के सानिध्य में होगा। विगत 20 वर्षों से अधिक ब्रह्माकुमारी पूनम दीदी द्वारा अब तक देशभर में अनगिनत लोगों ने इस शिविर से लाभ उठाया है और अपने जीवन में प्रसन्नता, सुख और शांति का अनुभव किया है।

निधन

राधामोहन मिश्रा

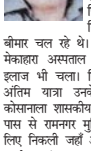

भिलाई, 2 जून । वरिष्ठ पत्रकार राधामोहन मिश्रा का आज सुबह दुखद निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। रायपुर के मेकाहारा अस्पताल में उनका इलाज भी चला। दिवंगत की अंतिम यात्रा उनके निवास कोसानाला शासकीय स्कूल के पास से रामनगर मुक्तिधाम के लिए निकली जहाँ अंत्येष्टि का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कृषक उन्नति योजना से किसानों के जीवन में आ रहा परिवर्तनः डॉ. रमन

■ विधानसभा अध्यक्ष ने 27 लाख 37 हजार रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 02 जून। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम अचानकपुर भाटापारा में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन तथा लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने 27 लाख 37 हजार रूपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने ग्रामीणों को नया ग्राम पंचायत बनने पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि ग्राम पंचायत के विकास के लिए छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण विकास प्राधिकरण अंतर्गत 5 लाख रूपए की लागत के सामुदायिक भवन एवं जिला खनिज न्याय, 15 वित्त, मनरेगा अंतर्गत 9 लाख 30 हजार रूपए की लागत के खाद्यान्न भंडारण गोदाम भवन, मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना अंतर्गत 8 लाख 7 हजार रूपए की लागत के अतिरिक्त कक्ष निर्माण का लोकार्पण तथा मुख्यमंत्री समग्र योजना अंतर्गत 5 लाख रूपए की

लागत के अटल डिजिटल सेवा केन्द्र का भूमिपूजन किया गया है। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने पंचायत के विकास के लिए सीसी रोड एवं नाली निर्माण के लिए तत्काल 10 लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान की। कार्यक्रम में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की जयंती के अवसर पर शिक्षा, स्वास्थ्य और राजनीतिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि विगत डेढ़ वर्षों में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने बहुत अच्छा कार्य किया है। प्रदेश में कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों से 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल की धान खरीदी की जा रही है। इसके साथ ही दो वर्ष के बोनस की राशि भी किसानों को भुगतान किया गया है। उन्होंने कहा कि किसानहितैषी ऐसी योजना किसी अन्य राज्य में नहीं है। सरकार द्वारा आगे भी योजना के तहत किसानों से धान खरीदी लगातार की जाएगी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने किसानों के लिए कृषक उन्नति योजना लागू करने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद दिया। कृषक उन्नति योजना से किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना में 70 लाख महिलाओं को एक हजार रूपए प्रति माह दिया जा रहा है। ऐसी योजनाओं का क्रियान्वयन पूरे छत्तीसगढ़ में किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार पूरी जवाबदारी के साथ छत्तीसगढ़ के विकास के लिए कार्य कर रही है। जिला पंचायत अध्यक्ष मती किरण वैष्णव ने ग्राम पंचायत के विकास कार्यों के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह हर गांव एवं क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

समाचार संक्षेप

हथियार से लोगों को डराने वाला युवक गिरफ्तार, दो शराब विक्रेता भी पकड़े गए

डोंगरगांव, 02 जून। थाना डोंगरगांव पुलिस ने रविवार को त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग मामलों में अपराधियों पर शिकंजा कसा। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस दिलीप सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई में एक युवक को धारदार हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया, जबकि दो व्यक्तियों को अवैध शराब विक्रय के आरोप में पकड़ा गया है।

■ रविवार को तीन मामलों में त्वरित पुलिस कार्रवाई, आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई

पहली कार्रवाई ग्राम रतनभाट में की गई, जहां एक युवक आम रास्ते में धारदार हथियार लहराकर आने-जाने वालों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहा था। सूचना मिलते ही डोंगरगांव पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी नीतीश मिश्रा आयु 25 वर्ष, पिता लक्ष्मण प्रसाद मिश्रा, निवासी रतनभाट, थाना डोंगरगांव को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से एक धारदार हथियार जब्त किया गया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत अपराध दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। दूसरी और तीसरी कार्रवाई छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के अंतर्गत की गई। पहली आबकारी कार्रवाई में वेद कुमार सिन्हा आयु 40 वर्ष, पिता हरिराम सिन्हा, निवासी ग्राम खुज्जी, थाना डोंगरगांव के पास से 20 पाव देशी प्लेन शराब जब्त की गई। दूसरी कार्रवाई में ईश्वर सिन्हा आयु 42 वर्ष, पिता नारायणलाल सिन्हा, निवासी ग्राम खुज्जी, थाना डोंगरगांव से 25 पाव देशी प्लेन शराब बरामद की गई। दोनों मामलों में आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34 1 ख के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की गई है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार की आपराधिक गतिविधियों पर निगरानी रखते हुए आगे भी लगातार अभियान चलाए जाएंगे।

गायत्री मंदिर में व्यक्तित्व निर्माण एवं युवा शिविर का आयोजन

नगरी, 02 जून। अखिल भारतीय विश्व गायत्री परिवार के मार्गदर्शन में नगरी गायत्री परिवार के द्वारा युवा शक्ति को जागृत करने के साथ ही स्वस्थ परिवार एवं कल्याणकारी जीवन की कामना हेतु परम पूज्य गुरुदेव के द्वारा लिए गए संकल्प मनुष्य में देवता का उदय एवं धरती पर स्वर्ग का अवतरण करने हेतु व्यक्तित्व निर्माण युवा शिविर का अनूठा आयोजन नगरी के गायत्री शक्तिपीठ में किया जा रहा है। गायत्री परिवार से जुड़े वरिष्ठ भाइयों ने बताया कि यह शिविर 1 जून से 5 जून तक चलेगा। शिविर में श्रेष्ठ चरित्रवान एवं चिंतनशील युवा ही किसी राष्ट्र के भविष्य हैं अपने अभिभावकों के स्वर्णिम सपनों को साकार करने वाली तथा परिवार व राष्ट्र का गौरव बढ़ाने वाली युवा पीढ़ी से भला कौन परिचित नहीं होगा संवेदना एवं साहस से भरी युवा शक्ति जिस किसी भी क्षेत्र में अपने कदम बढ़ाते हैं वही चमत्कार पैदा कर देता है, राजनीति के क्षेत्र में गांधी जी बाल गंगाधर तिलक हो या अर्थ क्षेत्र में डेल कार्नेगी, अध्यात्म के क्षेत्र में महर्षि अरविंद हो या देशभक्त अमर सहित भगत सिंह युग निर्माण योजना के संस्थापक पंडित राम शर्मा आचार्य सभी ने अपने युवा काल में ही संबंधित क्षेत्र में प्रदार्पण किया एवं शिखर तक जा पहुंचे। गायत्री परिवार के द्वारा युवाओं से आह्वान किया कि इस पांच दिवसीय युवा शिविर में भाग लेकर अपने युवा शक्ति को जागृत कर नशामुक्त बनकर समाज के उत्थान में अपनी अलग पहचान बनाएं।

■ पांच दिवसीय आवासीय शिविर 1 जून से 5 जून तक

विधि महाविद्यालय में निमिषा ने प्राचार्य का पद ग्रहण किया

राजनांदगांव , 02 जून। नांदगांव शिक्षा मंडल द्वारा संचालित पंडित किशोरीलाल शुक्ल विधि महाविद्यालय में डॉ . निमिषा मिश्रा ने प्राचार्य के रूप में पदभार ग्रहण किया । निवृतमान प्राचार्य डॉ. अलका चौहान ने स्वास्थ्यगत कारणों से पद पर बने रहने पर असमर्थता जताई थी। आज नांदगांव शिक्षा मंडल के अध्यक्ष सुरेश एच लाल , सचिव अनिल वार्ष्णेय, उपाध्यक्ष किशन खंडेलवाल ,कोषाध्यक्ष कमलेश उभरानी ,विधि महाविद्यालय के प्रशासक डॉ. आर एन सिंह की उपस्थिति में नई प्राचार्य डॉ. मिश्रा ने पद की गोपनीयता के साथ ही अपने कर्तव्य पर निष्ठा पूर्वक खरा उतरने की बात कही । डॉ. मिश्रा ने इससे पूर्व भी शैक्षणिक संस्थाओं में प्राध्यापक से लेकर प्राचार्य के पदों पर सेवाएं दी हैं । अध्यक्ष सुरेश एच लाल ने बताया कि आगामी सत्र 2025 - 26 से विधि की कक्षाएं प्रातः 8 बजे से 2 बजे तक संचालित होंगी । पहले यह कक्षाएं शाम को लगा करती थीं।

■ नांदगांव शिक्षा मंडल के पदाधिकारियों ने किया अभिनंदन

बिजली बिल विवाद में बड़े भाई ने छोटे पर किया जानलेवा हमला

रायपुर, 02 जून। रायपुर में बिजली के महज 2100 के बिल को लेकर हुए एक झगड़े ने खूनी रूप ले लिया. बड़े भाई ने अपने छोटे भाई पर सोते समय हथौड़े से जानलेवा हमला कर दिया. इस घटना में छोटा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया और अब अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहा है. पुलिस ने आरोपी बड़े भाई को गिरफ्तार कर लिया है. गुढ़ियारी थाना प्रभारी के.के. कुशवाहा ने बताया कि यह घटना दुर्गा चौक, अशोक नगर इलाके में हुई. 32 वर्षीय दुर्गा तिवारी अपने घर में सोए हुए थे, तभी देर रात करीब 1:30 से 2 बजे के बीच उनके बड़े भाई, 35 वर्षीय पुरुषोत्तम तिवारी ने हथौड़े से उन पर हमला कर दिया. कमरे से कुछ गिरने की आवाज़ सुनकर बगल के कमरे में सो रही उनकी 40 वर्षीय बहन रुक्मणि तिवारी ने लाइट जलाई. उन्होंने देखा कि पुरुषोत्तम तिवारी हथौड़े से अपने भाई दुर्गा दास को मार रहे थे. जब रुक्मणि ने चीखना शुरू किया, तो आरोपी पुरुषोत्तम अपनी बहन को भी मारने के लिए दौड़ा, जिस पर रुक्मणि ने भागकर अपनी जान बचाई। रुक्मणि तिवारी ने तत्काल भारत माता चौक पहुंचकर पुलिस गश्ती दल को घटना की जानकारी दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि आरोपी ने घर के मुख्य चैनल गेट पर ताला लगा दिया था. पुलिस ने ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया. हथौड़े के हमले से गंभीर रूप से घायल दुर्गा तिवारी को 112 एम्बुलेंस के ज़रिए मेकाहारा अस्पताल भेजा गया. उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें डीकेएस अस्पताल रेफर किया गया है, जहाँ वे वेंटिलेटर पर हैं। पुलिस ने आरोपी पुरुषोत्तम तिवारी को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ जारी है. आरोपी और पीड़ित की बहन की शिकायत पर गुढ़ियारी थाने में धारा 109 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एक नजर

शोक संतृप्त परिवार से मिलने पहुंचे विस अध्यक्ष डा.रमन सिंह

राजनांदगांव, 02 जून। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा जी के पूज्य पिता सरदार गुरुचरण सिंह छाबड़ा जी का अस्वस्थता के चलते विगत दिनों निधन हो गया। 31 मई शनिवार को छग विधानसभा अध्यक्ष डा.रमन सिंह छाबड़ा के सोनार पारा स्थित निवास पहुंचकर स्व. गुरूचरण सिंह छाबड़ा के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी एवं शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया।

लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर के शासन में थी लोकतंत्र की झलकः इंदर चोपड़ा

धमतरी, 02 जून। भारतीय जनता पार्टी द्वारा शनिवार 31 मई को धमतरी जिला मुख्यालय में रानी अहिल्या बाई होल्कर की जयंती पर गोष्ठी एवं महिलाओं के सम्मान का कार्यक्रम रखा गया। उनके जन्मदिवस पर आयोजित गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व विधायक इंदर चोपड़ा ने बताया कि रानी अहिल्या बाई होलकर को लोकमाता कहा गया है। होलकर राज परिवार की सदस्य होने के बावजूद भी जब उन्होंने सत्ता संभाली तो उन्होंने प्रजा के लिए काम किया यही कारण है कि उन्हें राजमाता ना कहकर लोकमाता कहा गया। उन्होंने सनातन धर्म के उत्थान के लिए उस जमाने में लाखों करोड़ों खर्च किए। पूर्व विधायक पिंकी शिवराज शाह ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रानी अहिल्या बाई का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर में चौंढ़ी गांव में हुआ था। अत्यंत साधारण गडरिया परिवार में जन्म लेनी वाली बालिका में असाधारण गुण थे। यही कारण था कि महेश्वर राजघराने के महाराज मल्हारराव होलकर ने उन्हें अपने पुत्र खांडेराव की बहु बनाया। परिवार के सभी पुरुष सदस्यों की मृत्यु हो जाने के कारण सत्ता की जिम्मेदारी कम उम्र में ही अहिल्या बाई को सौंपी गई। उन्होंने सामाजिक, आर्थिक, कूटनीतिक और धार्मिक सभी पहलुओं पर बुद्धिमता और न्यायप्रियता के साथ काम किया। महिलाओं के लिए निश्चित रूप से रानी अहिल्या बाई प्रेरणा के रूप में है। जिलाध्यक्ष प्रकाश बैस ने बताया कि रानी अहिल्या बाई होल्कर के त्रिशताब्दी वर्ष को भाजपा ने पखवाड़े भर अनेक कार्यक्रम आयोजित कर मनाया। 31 मई को उनके 300 वें जन्मदिवस पर जिला मुख्यालय में गोष्ठी के साथ साथ समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान कर रानी अहिल्या बाई का पुण्य स्मरण किया गया। कार्यक्रम के जिला संयोजक ठाकुर शशि पवार ने कहा कि रानी अहिल्या बाई होलकर का व्यक्तित्व इतना विराट था कि उन्हें पुण्य श्लोका एवं शिवकामिनी जैसी उपाधियों से सम्मानित किया गया। पुण्यश्लोक की उपाधि उनके पूर्व केवल राजा युधिष्ठिर एवं राजा नल को प्राप्त थी। भगवान शिव की परम आराधक रानी अहिल्या बाई ने चारों धाम और 12 ज्योतिर्लिंगों सहित अनेक शक्तिपीठों की स्थापना एवं जीर्णोद्धार कराया। इंदौर शहर या मालवा क्षेत्र उनकी गाथा सदियों से गाता रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके व्यक्तित्व को जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया ताकि लोग अपने देश के स्वर्णिम इतिहास को जान सके और उससे प्रेरणा ले सके। कार्यक्रम के अंत में जिले की सह संयोजक डॉ बीथीका विश्वास ने सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को मंच में आमंत्रित किया तथा उनका सम्मान अतिथियों द्वारा शॉल श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह

खरीफ फसल की तैयारी और किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के निर्देश

'विकसित छत्तीसगढ़' के रोडमैप पर रखें फोकसः साय

■ देरी से न्याय मिलना, न्याय नहीं मिलने के बराबर है

■ डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा दें और समय प्रबंधन पर रखें ध्यान

रायपुर, 02 जून। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज धमतरी में आयोजित समीक्षा बैठक में 'विकसित छत्तीसगढ़' का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि 'विकसित छत्तीसगढ़' के लिए तैयार किया गया विजन डाक्यूमेंट एक रोडमैप की तरह है, जिसमें लक्ष्य और दिशा-निर्देश स्पष्ट हैं। अधिकारी विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य को साकार करने के लिए पूरी तन्मयता और जिम्मेदारी के साथ इसे परिणाम तक ले जाएं। मुख्यमंत्री साय आज रायपुर और धमतरी जिले में योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सुशासन तिहार के समापन पर कहा कि लोगों की समस्याओं के समाधान का यह सिलसिला थमना नहीं चाहिए। जन-जन से संवाद और उनकी समस्याओं का समाधान निरंतर जारी रहना चाहिए। अधिकारी कड़ी मेहनत और नवाचारी तरीकों से लोगों की समस्याओं का समाधान करें। आम जनता को देरी से न्याय मिलना, न्याय नहीं मिलने के बराबर है। उन्होंने कहा कि राजस्व त्रुटि सुधार जैसे कामों में अधिकारियों-कर्मचारियों से ही गलती होती है, लेकिन इसका नुकसान आम लोगों को होता है और उन्हें ही परेशान होना पड़ता है।

मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग में डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देने और समय प्रबंधन पर ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि सक्रिय तहसीलदारों वाले क्षेत्रों में राजस्व प्रकरण कम लंबित रहते हैं। साथ ही, अधिकारियों को जनता के साथ अच्छा व्यवहार करने और उनके कार्यों को न्यूनतम समय में गुणवत्तापूर्वक पूरा करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने केंद्र और राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं, जैसे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पीएम आवास, और जल जीवन मिशन को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि फसल बीमा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा सर्वश्रेष्ठ राज्य चुना गया है। साथ ही, नीति आयोग की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशानुसार धमतरी और रायपुर में पर्यटन स्थल विकसित करने की संभावनाओं को तलाशने को कहा।

मुख्यमंत्री ने जिले में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने दंतेवाड़ा का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां डीईओ के बेहतर प्रदर्शन के कारण दसवीं और बारहवीं के परिणाम शानदार रहे, जिसकी प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में प्रशंसा की। स्वास्थ्य विभाग में सतत मॉनिटरिंग और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, साथ ही कृषि प्रधान धमतरी और रायपुर जिले में खरीफ फसल की तैयारी और किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से विभागीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में आने वाली कठिनाइयों को साझा करने को कहा, ताकि राज्य स्तर पर सहायता प्रदान की जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि अधिकारियों के कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है और प्रत्येक जिले का रिपोर्ट कार्ड उनके पास है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के दौरान अधिकारियों ने बड़ी संख्या में आए आवेदनों का समयबद्ध समाधान किया, जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं।

ग्राम मनगटा-बनबघेरा के जंगल में जुआ खेल रहे 15 जुआरियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

■ आरोपीगण के पास एवं फड से नगदी रकम 47,300/- रुपये, घटनास्थल से 52 पत्ती ताश, 2 नग कीपैड मोबाइल, 8 नग एनरॉइड मोबाइल, 17 नग दो पहिया वाहन कुल जुमला 9,11,300/- किया गया जब्त

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 02 जून। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहूल देव शर्मा के मार्गदर्शन व नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के पर्यवेक्षण में अवैध जुआ, सटटा के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सोमनी, थाना कोतवाली, चौकी चिखली, पुलिस लाईन राजनांदगांव की संयुक्त टीम गठित कर ग्राम मनगटा - बनबघेरा जंगल में रूपये पैसो का हारजीत का दांव लगाकर 52 पत्ती ताश से जुआ खेल रहे जुआरियान को रेड कार्यवाही कर घेराबंदी कर पकडा गया, जुआरियान 01. शुभम देवांगन पिता अर्जुन देवांगन उम्र 27 वर्ष साकिन नंदई रोड कुआ चौक थाना बसंतपुर जिला राजनांदगांव छ.ग.। 02. रामेश्वर यादव पिता खोरबाहरा राम यादव साकिन जमात पारा वार्ड नंबर 24 थाना बसंतपुर जिला राजनांदगांव छ.ग. 03. दिनेश यादव पिता राम छबील यादव उम्र 34 वर्ष साकिन गुरूनानक चौक वार्ड नंबर 15 थाना कोतवाली जिला राजनांदगांव छ0ग0। 04. लक्ष्मण साहू पिता ईशराम साहू उम्र 42 साल निवासी पेण्ड्री वार्ड न0 20 थाना लालबाग जिला राजनांदगांव छ0ग0। 05. जय प्रकाश पिता सीताराम उम्र 52 साल निवासी बजरंगपुर नवांगांव पुलिस चौकी चिखली राजनांदगांव छ0ग0 06. श्यामु सोनकर पिता गजानंद सोनकर उम्र 51 साल निवासी सागर नगर थाना बसंतपुर राजनांदगांव 07. गुपेश कुमार पिता स्व0 नत्थु राम निर्मलकर उम्र 44 साल निवासी अर्जुंदा महरा पारा बालोद 08. सुनील जांगडे पिता सखाराम जांगडे उम्र 39 साल निवासी स्टेशनपारा 16 खोली चौकी चिखली राजनांदगांव 09. उत्तम भारती पिता स्व0 मदन भारती उम्र 42 साल निवासी कुंआ चौक नंदई थाना बसंतपुर राजनांदगांव 10. मोहम्मद अख्तर पिता शेख पिरूददीन उम्र 36 साल निवासी छुईखदान टिकरी पारा जिला केसीजी, 11. ताजु शेख पिता ईमाम शेख उम्र 54 साल निवासी कोहका रूंगटा कॉलेज कुरूद रोड सुपेला भिलाई जिला दुर्ग छ.ग.।

भाजपा सरकार की शिक्षा नीतियों के खिलाफ एनएसयूआई का आंदोलन तेज

धमतरी, 02 जून। शिक्षा व्यवस्था के साथ हो रहे कथित अन्याय के खिलाफ हस्स्ढ्ढ (नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया) ने मोर्चा खोल दिया है। धमतरी जिला एनएसयूआई अध्यक्ष राजा देवांगन ने राजीव भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में भाजपा सरकार की नीतियों पर कड़ा प्रहार किया और शिक्षा बचाओ अभियान के तहत 18 दिनी आंदोलन की घोषणा की। राजा देवांगन ने कहा कि भाजपा सरकार युक्तिकरण के नाम पर प्रदेश में 10,000 स्कूलों को बंद करने की योजना बना रही है, जो सीधे-सीधे शिक्षा के अधिकार पर हमला है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार 57,000 शिक्षकों की भर्ती की बात करती है, तो फिर स्कूलों को क्यों बंद किया जा रहा है? उन्होंने इसे गरीब, ग्रामीण, आदिवासी और दूरस्थ क्षेत्र के बच्चों के साथ अन्याय बताया

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक मरौद शाखा में अव्यवस्था चरम पर, गरीब और मध्यम वर्ग के ग्राहक परेशान

■ बैंक काउंटर से सीधे राशि का भुगतान करने के बजाय उन्हें अन्यत्र जाकर भुगतान लेने के लिए दबाव डाला जाता है

धमतरी, 02 जून। ग्राम मरौद स्थित छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की शाखा में गरीब और मध्यम वर्ग के खाताधारक ग्राहकों को लगातार बैंकिंग सेवाओं में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आरोप है कि बैंक के शाखा प्रबंधक एवं कर्मचारी छोटी-मोटी रकम के आहरण के लिए भी ग्राहकों को बार-बार चक्कर लगवा रहे हैं और जानबूझकर भुगतान में अनावश्यक देरी की जा रही है। ग्राहकों का आरोप है कि बैंक काउंटर से सीधे राशि का भुगतान करने के बजाय उन्हें अन्यत्र जाकर भुगतान लेने के लिए दबाव डाला जाता है, जिससे पारदर्शिता और सुरक्षा दोनों पर सवाल खड़े होते हैं।

जब गरीब ग्राहक बार-बार आग्रह करते हैं, तो कर्मचारियों द्वारा उन्हें 'सरकारी काम में दखल' की धमकी देकर डराया-धमकाया जाता है। इस प्रकार की कार्यप्रणाली से आमजन में भारी असंतोष है। इस संबंध में छत्तीसगढ़ किसान कांग्रेस के पूर्व राज्य महासचिव कमल गिरी गोस्वामी ने इस गंभीर स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की है और चेतावनी दी है कि यदि बैंक प्रबंधन ने शीघ्र इस रवैये में सुधार नहीं किया, तो वे बैंक के सामने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल और जोरदार प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि गरीब किसानों और ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं से वंचित करना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि यह बैंकिंग प्रणाली की गरिमा के भी खिलाफ है।

दुगली में लगा तीसरे चरण के सुसाशन तिहार का अंतिम समाधान शिविर

■ क्लस्टर के 14 पंचायत हुए शामिल

■ कौहाबाहरा के ग्रामीण बड़ी संख्या में वन अधिकार पट्टा की मांग को लेकर पहुंचे

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

नगरी, 02 जून। सुशासन तिहार के तीसरे चरण के अंतिम समाधान शिविर दुगली क्षेत्र के हायर सेकंडरी स्कूल कोलियारी में आयोजित किया गया। क्लस्टर में 13 ग्राम पंचायत शामिल हुए, जिसमें बिलभदर डोंगरडुला दुगली गेदरा गुहाननाला कौहाबहारा मुनईकेरा परसापानी राजपुर कोलियारी जबर्रा कल्लेमेटा पंचायत के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया, शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा सुपोषण चौपाल अंतर्गत क्षेत्र के नये पंजीकृत 20 गर्भवती महिलाओं का गोद भराई, 08 गंभीर कुपोषित बच्चों को सुपोषण कीट वितरण, 06 बच्चों का अन्नप्राशन,और पांच सुपोषण मित्रों सहित 2 स्वस्थ बच्चों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर परियोजना अधिकारी सोमेंद्र साहू, सेक्टर पर्यवेक्षक सु हेमिन बंजारे, मती कालेंद्री देशलहरे, मती मेहेतरीन कुर्रे, मती साधना बोदले, मती चेमीन साहू, एवं क्षेत्र के समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिविर स्थल में ग्राम कौहाबाहरा एवं दुगली को वन कक्ष क्रमांक एरिया को बराबर हिस्से में बटवारा करने की बात कहते हुए ग्रामीणों ने सामुदायिक वन संसाधन अधिकार मान्यता पत्र को लेकर ग्रामीणजन बड़ी संख्या में आए थे, ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में दुगली और कौहाबाहरा एक ही पंचायत हुआ करता था तब से कौहाबाहरा के लोग वन कक्ष क्र.255, 256, 257 एवं 258 में अपना निस्तार करते आ रहे है।

वैसे ही दुगली के लोग भी अन्य 4-5 कक्ष क्रमांक में अपना निस्तार करते आ रहे हैं, लेकिन वर्तमान में दुगली एवं कौहाबाहरा पंचायत परिसीमन में अलग पंचायत बन चुका है लेकिन वनमंडल धमतरी द्वारा 31 दिसम्बर 2009 को कौहाबाहरा को मात्र 01 वन कक्ष क्रमांक एवं दुगली को बाकी के सभी 9-10 वन कक्ष क्रमांक को आबंटित करना न्यायोचित नहीं है। जबकि कौहाबाहरा जनसंख्या के मामले में दुगली से बड़ा है। और हम ग्रामवासी लोग चाहते हैं कि वन कक्ष क्रमांक का बटवारा बराबर हिस्से में हो, पूर्व में भी इसकी जानकारी दिनांक 16.08.2019 को दुगली में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में हमारे द्वारा दिया गया था लेकिन हमारी मांग आज तक पूरी नहीं हुई है। वहीं वन विभाग अधिकारी दुगली से बात करने पर बताया गया कि वन अधिनियम के अनुसार जांच पड़ताल कर आगे की कारवाई किया जाएगा। इस दौरान सभी विभागों के अधिकारी अपने अपने विभाग से संबंधित शासकीय योजनाओं की जानकारी दी,शिविर में विभिन्न विभागों के द्वारा लगाए गए स्टाल में आयुष्मान कार्ड स्वामित्व योजना किसानों का ऋण पुस्तिका व क्रेडिट कार्ड वितरण, फसल बीज वितरण किसानों को बोर मशीन वितरण ,मछली जाल वितरण, दिव्यांग बच्चों को ट्राईसाईकिल वितरण, छात्र-छात्राओं की यूनिफार्म वितरण,जैसी योजनाओं के तहत लाभ दिया गया स्टालों पर ग्रामीण की भारी भीड़ देखी गई जो योजनाओं के फॉर्म भरने में जूटी रही। शिविर में मुख्य रूप से नगरी जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोहित बोर्झा, करारोपन अधिकारी आनंद राम साहू, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा राम मंडावी,जनपद सदस्य पुष्पा धुव सरपंच मलकी देवी सरपंच उतम धुव सरपंच सुनोती मरकाम सरपंच भूपेंद्र मरकाम पूर्व जनपद सदस्य बंशी सोरी एवं क्लस्टर के सरपंच सचिव एवं जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

संपादकीय

सरकार युक्तियुक्तकरण के बाद भर्ती करेगी

सरकार जब भी युक्तियुक्तकरण करने की घोषणा करती है तो शिक्षकों के २३ संगठन उसमें मीनमेख निकालकर विरोध शुरू कर देते हैं। शिक्षकों के संगठन है, शिक्षकों के नेता हैं तो वह तो मौका ढूंढते रहते हैं कि कैसे खुद को शिक्षकों का हितैषी बताएं और सरकार को शिक्षकों व शिक्षा का दुश्मन।हर संगठन का नेता खुद को शिक्षकों को हितैषी बताने के लिए बिना किसी आधार के कहने लगता है कि सरकार के युक्तियुक्तकरण से हजारों स्कूल बंद हो जाएंगे,ग्रामीण व आदिवासी इलाकों में शिक्षा व्यवस्था प्रभावित होगी। सरकार कुछ भी शिक्षा के लिए अच्छा करना चाहती है,शिक्षकों के लिए अच्छा करना चाहती है,शिक्षक संगठन को यह मौका सरकार के समक्ष अपनी मांग रखने का बन जाता है। वह ऐसी ऐसी मांग करती है कि सरकार जिसे पूरा नहीं कर सकती। ऐसी मांगे रखकर दरअसल शिक्षकों के संगठन चाहते हैं सरकार जिस तरह युक्तियुक्त करना चाहती है, उस तरह न करे, बल्कि शिक्षकों के संगठन जैसा चाहते हैं, वैसा ही करे।सरकार ऐसा नही करती है तो विरोध में आंदोलन शुरू कर दिया जाता है। युक्तियुक्तकरण के विरोध में रायपुर संभाग के शिक्षकों ने नया रायपुर में आंदोलन शुरू कर दिया है।शिक्षक साझा मंच की मांग है कि विसंगतिपूर्ण युक्तियुक्तकरण को निरस्त किया जाए,प्रदेश के एक लाख से अधिक शिक्षकों को एरियर्स सहित क्रमोन्नत वेतनमान दिया जाए,प्रथम सेवा गणना करते हुए पुरानी पेंशन बहाली सहित समस्त लाभ दिया जाए,प्रशिक्षितों को प्रमोशन के लिए बीएड की अनिवार्यता से छूट दी जाए। रायपुर संभाग के शिक्षक चाहते हैं कि सेटअप २००८ के अनुसार युक्तियुक्तकरण किया जाए। शिक्षकों की मांग है कि प्रदेश की शालाओं में रिक्त २० हजार पदों पर पदोन्नति की जाए,उसके बाद सेटअप से अधिक जहां भी पदस्थ हैं,उन शिक्षकों को युक्तियुक्तकरण के दायरे में लाया जाए लेकिन शिक्षा के अधिकार के कानून के आधार पर सेटअप २००८ के साथ खिलवाड न किया जाए।शिक्षक साझा मंच ने धरना प्रदर्शन के बाद निर्णय किया है कि एक जून से जिले में युक्तियुक्तकरण के लिए हो रही काउंसिलिंग का विरोध किया जाए। इस बात में दो मत नहीं है कि सरकारी कर्मचारियों में शिक्षकों के संगठन मजबूत माने जाते हैं।भले ही उनके २३ संगठन हों.वे अहम मसले पर एकजुट भी हो जाते हैं।शिक्षकों की मांग पर कई बार सरकार के झुकना भी पड़ा है लेकिन इस बार सरकार की होशियारी के कारण शिक्षक संगठनों को असर उतना पड़ता नहीं दिख रहा है। युक्तियुक्तकरण से लिए जिलावाइज हो रही काउसिंलिंग में शिक्षकों की भीड़ से ऐसा लग रहा है कि शिक्षकों को सरकार का निर्णय ज्यादा अच्छा लग रहा है, क्योंकि अतिशेष शिक्षकों व प्रधानपाठकों को उनकी पसंद की जगह दी जा रही है। सरकार ने युक्तियुक्तकरण के बाद भर्ती की घोषणा कर अपना पक्ष मजबूत कर लिया है।युक्तियुक्तकरण से हजारों स्कूल बंद करने,शिक्षकों की संख्या कम करने तथा शिक्षकों की नई भर्ती नहीं करने का आरोप लगाया जा रहा था। सरकार ने दिसंबर २३ में आश्वासन दिया था कि एक साल के भीतर ५४हजार शिक्षकों की भर्ती की जाएगी।युक्तिकरण से अतिशेष शिक्षकों को दूसरी जगह समायोजित किया जा रहा है तो यह आशंका बढ़ गई कि सरकार शिक्षकों की भर्ती को आगे के लिए टाल सकती है।सीएम साय ने यह घोषणा कर स्कूलों में पहले चरण में ५००० शिक्षकों की भर्ती की जाएगी, सारी आशंकाओं को दूर कर दिया है। इसी के साथ युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया भी तेज कर दी गई है.इसके पूरा होने के बाद भर्ती की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। साय ने पहले की साफ कर दिया है कि शिक्षकों व स्कूलों का युक्तियुक्तकरण शिक्षा की गुणवत्ता व पहुंच को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह है कि जहां जरूरत है,वहां शिक्षक उपलब्ध हो और बच्चो को अच्छी शिक्षा,बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिले।सरकार का साफ कहना है कि युक्तियुक्तकरण का मतलब है कि स्कूल व शिक्षकों की व्यवस्था को इस तरह सुधारना है कि सभी स्कूलों में छात्र-शिक्षक अनुपात संतुलित हो।स्कूल शिक्षा सचिव के मुताबिक तो राज्य के ३०७०० प्राइमरी स्कूलों और मिडिल स्कूलों में छात्रशिक्षक अनुपात राष्ट्रीय औसत से बेहतर हैं। उन्होंने बताया है कि राज्य के २१२ प्राइमरी स्कूल शिक्षकविहीन है.६८७२ प्राथमिक स्कूलों में एक एक शिक्षक हैं,पूर्व माध्यमिक स्तर पर ४८स्कूलों में शिक्षक नहीं है।२५५ स्कूलों में एक एक शिक्षक हैं।३६२ ऐसे स्कूल है जहां शिक्षक हैं पर छात्र नहीं है। शिक्षा विभाग के अनुसार युक्तियुक्तकरण के पहले जो कुछ कहा जा रहा था, वैसा कुछ नहीं होने जा रहा है।युक्तियुक्तकरण के तहत १०४६३ स्कूलों में से सिर्फ १६६ का समायोजन होगा। इनमें से ग्रामीण इलाकों के १३३ स्कूल ऐसे हैजिसमें छात्रों की संख्या १० से कम है और एक किमी के भीतर दूसरा स्कूल संचालित है।शिक्षा विभाग के अनुसार हजारों स्कूलों के बंद होने का बात भ्रामक है।सिर्फ १६६ स्कूलों को बेहतर शिक्षा के उदेद्श्य से समायोजित किया जा रहा है।इससे किसी भी स्थिति में बच्चों की पढाई प्रभावित नहीं होगी।शेष १०२९७ स्कूल पूरी तरह चालू रहेंगे.उनमें केवल प्रशासनिक व शैक्षणिक स्तर पर आवश्यक समायोजन किया जा रहा है। स्कूल भवनों का उपयोग पहले की तरह जारी रहेगा तथा जहा आवश्यकता होगी वहां शिक्षक उपलब्ध रहेंगे।सरकार की तरफ से यह भी साफ कर दिया गया है कि स्कूलों का समायोजन करने का मतलब स्कूल बंद करना नही होता है।समायोजन का अर्थ होता है कि पास के स्कूलों को एकीकृत कर संसाधनों का बेहतर उपयोग करना है। बच्चो को अच्छी शिक्षा देना है,स्कूल बंद करना नहीं है। सरकार कोई अच्छा फैसला करे तो ऐसा हो नहीं सकता की कांग्रेस उसे गलत साबित करने का प्रयास न करे, आंदोलन करने की घोषणा न करे।सरकार के युक्तियुक्तकरण के विरोध में कांग्रेस ने आंदोलन करने का फैसला कर लिया है। कांग्रेस का मानना है कि युक्तियुक्तकरण से राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर बुरा असर पड़ेगा।यह फैसला सरकारी शिक्षा व्यवस्था को चौपट करने की साजिश है। इस निर्णय का सबसे ज्यादा नुकसान बस्तर व सरगुजा अंचल के स्कूलों पर पड़ेगा यानी आदिवासी बच्चों की शिक्षा पर पड़ेगा।कांग्रेस का दावा है कि स्कूलों को जबरिया बंद करने से शिक्षकों समेत वहां संलग्न रसोइया,स्वीपर,मध्यान्ह भोजन बनाने वाले महिला समूहों के समक्ष जीवनयापन को संकट पैदा होगा।

विश्लेषण

देश की सबसे बड़ी समस्या पाकिस्तान नहीं भ्रष्टाचार है

मनोज कुमार अग्रवाल

देश में भ्रष्टाचार किस स्तर तक जड़ जमा चुका है इस से अवगत कराने के लिए सुर्खियों में बने दो घटनाक्रमों का उल्लेख कर रहे हैं छत्तीसगढ़ के कोरबा अंचल की एक गरीब माँ अमीषा धनवार अपने बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र के लिए एक साल तक सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटती रही, और आखिरकार अपने बेटे की थाली से चावल निकालकर उसे बाजार में बेचना पड़ा, ताकि 500 रुपये रिश्वत देकर प्रमाणपत्र हासिल कर सके. यह घटना सिस्टम में पैठ कर चुके भ्रष्टाचार और खत्म हो रही मानवीयता को उजागर करता है।

अमीषा धनवार को जब अपने बेटे के जन्म प्रमाणपत्र की ज़रूरत पड़ी, तो शुरुआत में उम्मीद थी कि सरकारी सिस्टम मदद करेगा. लेकिन दिन बीते, महीने बदले, और एक साल गुज़र गया कागज़ अब भी अधूरा था. जब आखिरकार सर्टिफिकेट बना, तो उसमें गलतियाँ थीं. उसे ठीक कराने के लिए जब वह बहरी झरिया में तैनात एनम के पास पहुंची, तो जवाब मिलाः“500 रुपये दो, तभी मिलेगा प्रमाणपत्र.” अमीषा बेरोजगार है परिवार की आमदनी शून्य है. वह उन लाखों ग्रामीण महिलाओं में से एक है जो सरकारी अनाज वितरण योजना से मिले अनाज से पेट पालती हैं. लेकिन एक मां के लिए बेटे का भविष्य ही उसका धर्म होता है. इसलिए उसने भूख पर पहरा बैठाया, चावल बेच दिए, ताकि 500 रुपये किसी तरह इकट्ठा कर एनम सिस्टर की रिश्वत की माँग पूरी कर सके.बच्चे का जन्म प्रमाणपत्र महज़ दस्तावेज़ नहीं होता. यह बच्चे के अधिकारों की पहली सीढ़ी है—शिक्षा, राशन कार्ड, स्वास्थ्य, पहचान और जन्म के अस्तित्व की सरकारी पहचान यही है। अमीषा के लिए वह सर्टिफिकेट एक सपने जैसा था, जिसे पाने के लिए उसने अपने हिस्से की भूख भी कुर्बान कर दी। यह घटना सिर्फ एक महिला की नहीं, पूरे तंत्र पर सवाल है. सरकारी योजनाएं यदि एक गरीब मां को अपने घर का राशन बेचने को मजबूर कर दें, तो यह एक भ्रष्ट नाकाम व्यवस्था का सबसे घिनौना सबूत है. क्या देश में अब वैध काम के लिए भी सुविधा शुल्क अनिवार्य हो रहा है?

दूसरी घटना पर भी ध्यान दीजिये-ओडिशा के भुवनेश्वर में भ्रष्टाचार निरोधक सतर्कता विभाग ने ग्रामीण विकास विभाग के मुख्य अभियंता इंजीनियर बैकुंठ नाथ सारंगी के घर पर छापा मारा और 2 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी जब्त की. इस दौरान कुछ सोने की घड़ियां भी बरामद की गईं. यह छापा उनके सेवानिवृत्ति से ठीक एक दिन पहले आय से अधिक संपत्ति (डीए) रखने के आरोपों के बाद मारा गया.

सतर्कता विभाग के अधिकारियों के अनुसार, भुवनेश्वर के एक फ्लैट में छापे के दौरान बड़ी मात्रा में नकदी खिड़की से बाहर फेंकी गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. भुवनेश्वर के पीडीएन एग्जॉटिका स्थित फ्लैट से ही करीब 1 करोड़ रुपये मिले. इसके अतिरिक्त, अंगुल स्थित उनके पैतृक घर से 1.1 करोड़ रुपये जब्त किए गए.

ये दोनों घटना बता रहीं हैं कि सरकारी ओहदे पर बैठ कर छोटे से एनम से लेकर चीफ इंजीनियर तक कि तरह अवैध धन बटोर रहें हैं। आपको बता दें कि जेल में बंद सभी कैदी वास्तविक अपराधी नहीं होते हैं बहुत सारे लोग रंजिशन फंसा दिए जाते हैं जबकि बहुत सारे अपराध के सरपरस्त लोग छोटे बड़े ओहदों पर भ्रष्टाचार की फसल पैदावार कर रहे हैं । अपने वकालत के दो दशक में मैं ने करीब से देखा कि किस तरह कई बार गांव देहात के प्रभावशाली लोग प्रधान सरपंच दबंग जानबूझकर उन लोगों पर हत्या, हत्या के प्रयास, बलात्कार, लूट के मामलों में निजी गिले शिकवे के चलते नाम जुड़वा देते हैं

जो मौके पर मौजूद भी नहीं होतें हैं। पुलिस भी सुविधा शुल्क लेकर निर्दोषों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर देती है हर गांव कस्बे में ऐसे दबंग राजनीतिक प्रभावशाली पुलिस की खास मित्र सूची मे शामिल होते हैं यही लोग पुलिस को फर्जी केस खोलने में मददगार रहते हैं जुआ सट्टा अवैध शराब बेचने वालों के सरपरस्त रहते हैं पुलिस को इशारा कर खुद पकड़वाने और फिर पैसे वसूल कर छुड़ाने का नियमित धंधा करते हैं मनरेगा में काम हो विधवा पेंशन हो या आयुष्मान कार्ड सब इनकी सिफारिश पर होता है। कई बार देश की अदालतों में ऐसे मामले सामने आ चुके हैं कि जिस व्यक्ति की हत्या के लिए बेगुनाह जेल में बंद थे वह जीवित मिला जबकि पुलिस ने बाकायदा विवेचना की चार्जशीट दाखिल की जज साहब ने सुनवाई की ट्रायल कर दोषियों को सजा घोषित की। यह हालत अपनी न्यायिक व्यवस्था की है।

आम तौर पर लोगों और पुलिस की दोषी अपराधियों के साथ निर्दोषों को भी संलिप्त करने की इसी मानसिकता के चलते ट्रायल के समय निर्दोषों के साथ दोषी अपराधी भी छूट जाते हैं क्योंकि विवेचना इतनी लचर होती है कि जुर्म साबित नहीं हो पाता है वहीं अनेक बार उन लोगों को सजा मिल जाती है जिन्होने वास्तव में अपराध किया ही नहीं था बल्कि गुरवत के चलते पैसे के अभाव में न अच्छा वकील कर पाए न आइओ को पैसे खिला कर ईमानदार विवेचना करा पाए और नहीं गड्डियां देकर अदालत से फैसला अपने हक मे करा पाए। ऐसे एक नहीं लाखों मामले मिल सकते हैं जिनमें सही पैरवी और ईमानदारी से विवेचना और सही समय पर अदालत में सुनवाई नहीं होने के कारण लाखों अभागों के जीवन का सुनहरा समय उस जुर्म के लिए जेल में निकल गया जो जुर्म उन्होंने किया ही नहीं था।

ग्रामपंचायत बीडीओ पटवारी यातायात कर्मी अदालत के पेशकार चपरासी से लेकर बड़े ओहदो पर बैठे बड़े अधिकारी तक खुले हाथों से बटोर रहें हैं। यह सारा भ्रष्टाचार में आकंठ डूबा सिस्टम सफेद पोश प्रभावशाली राजनीतिक सरपरस्तों मनमाने ढंग से कानून का इस्तेमाल और तफ्तीश करने वाले पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों और अपनी जेब भरने के लिए कानून की देवी की आंखों पर पिछत्तर साल तक पट्टी बाँध कर रखने वाले न्यायिक तंत्र के गठजोड़ से चल रहा है इस में आम आदमी न्याय पाने के लिए कई कई दशक तक अदालत की चौखट पर दौड़ता है वह अदालत जिसके अपने ही एक जज के आवास से बोरों में करोड़ों की गड्डियां निकलती है लेकिन दो माह यह सोचने में निकल जाता है कि मामले को कैसे मैनेज किया जाए?

अगर इस देश की सबसे बड़ी समस्या है तो वह भ्रष्टाचार है जिस दिन भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण शुरू हुआ न आतंकवादी भीतर आएगा न विदेशी ड्रोन हथियार गिराएंगे न नक्सलवाद पनपेगा न देश के भीतर घुसपैठियों का जमावड़ा होगा न नेता सड़क पर रासलीला रचाएंगे न मुख्तार अतीक पैदा होंगे न रेड पड़ने पर इंजीनियरों के घरों से करोड़ों के नोट फेंके जाएंगे न मजलूम मुफलिसी के शिकार लोग जेल में ठूस कर अपराधी बनाए जाएंगे । सबसे बड़ा मुद्दा पाकिस्तान नहीं उसके लिए हमारी फौज दुरूस्त है सबसे बड़ा मुद्दा भ्रष्टाचार है लोगों में राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण है यदि लोगों को यह पक्का विश्वास हो जाए कि कानून अपना काम सही निष्ठा से करेगा तो आधा अपराध कानून के भय से ही खत्म हो जाएगा फिर कोई सीआरपीएफ का मोती लाल या यू-ट्यूबर ज्योति मल्होत्रा दुश्मन देश के लिए जासूसी करने का दुस्साहस नहीं जुटा पाएंगे।

राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपकी कला व कौशल में सुधार आएगा। राजनीति में कार्यरत लोगों को उनके कामों से एक नई पहचान मिलेगी। आपकी जीवनसाथी से खटपट होने की संभावना है। आपको अपने सहयोगियों से मन की बात कहने का मौका मिलेगा। आपकी कोई गलती परिवार के सदस्यों के सामने आ सकती है। आप अपने बिजनेस में किसी के साथ पार्टनरशिप सोच समझकर करें, नहीं तो इससे आपके आपसी रिश्ते खराब हो सकते हैं।

वृषभ आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप अपने आवश्यक कामों पर पूरा ध्यान दें। जो लोग विदेश जाने की योजना बना रहे हैं, उनकी वह इच्छा पूरी हो सकती है। लेकिन आपकी संतान के मन में किसी बात को लेकर संशय बना रहेगा, जिसके लिए भी आप सलाह ले सकते हैं। आपको अपने किसी लेनदेन से संबंधित मामले में आंख व कान खुले रखने होंगे। कोई कानूनी मामला आपके लिए सिर दर्द बन सकता है। आपको अपने आसपास रह रहे विरोधियों से सतर्क रहना होगा।

मिथुन आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको अपने पारिवारिक मामलों को घर में निपटाना ही बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपने सहकारियों का पूरा साथ मिलेगा, लेकिन आपको अपने किसी सहयोगी से नोकझोंक होने की संभावना है। आप अपने खर्चों को नियंत्रण में करने की कोशिश करें। वाहन की खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है। आप अपने जीवनसाथी के लिए किसी नए व्यवसाय की शुरुआत कर सकते हैं।

कर्क आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपको अपने कामों को कल पर टालने से बचना होगा। आपको यदि कोई सेहत संबंधित समस्या चल रही है, तो आप उसे नजर अंदाज बिल्कुल न करें और उसके लिए किसी अच्छे डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें, तो आप अपने कामों में निसंकोच आगे बढ़ेंगे। आपकी पद व प्रतिष्ठा बढ़ने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको एक के बाद एक शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लग सकती है।

सिंह आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आप किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने की तैयारी कर सकते हैं। आपको किसी काम को लेकर कोई जोखिम उठाने से बचना होगा। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी खूब रुचि रहेगी। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। संतान आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकती है। आपका जल्दबाजी में लिया गया निर्णय बाद में आपके लिए टेंशन बन सकता है।

कन्या आज आपको कुछ अपरिचित लोगों से दूरी बनाए रखनी होंगी और आप अपने डेली रूटीन में कोई बदलाव न करें। आपको अपने कामों को लेकर अनुशासन से चलने की आवश्यकता है। प्रेम व सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आपको कार्यक्षेत्र में टीमवर्क के जरिए काम करने का मौका मिलेगा। आपको कुछ अपरिचित लोगों से दूरी बनाकर रखने की आवश्यकता है। विद्यार्थियों को बौद्धिक व मानसिक बोझ से छुटकारा मिलता दिख रहा है। आप किसी से कोई वादा बहुत ही सोच समझकर करें।

तुला आज का दिन आपके लिए कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है। व्यवसाय में आप अपने कामों पर पूरी निगरानी बनाकर रखें और किसी दूसरे पर अपने काम ना छोड़े। छोटे बच्चों के लिए आप कोई चीज लेकर आ सकते हैं। आपकी नेतृत्व क्षमता को बल मिलेगा और पैतृक संपत्ति को लेकर यदि कोई विवाद लंबे समय से चल रहा था, तो वह भी दूर हो सकता है। आपको आपका डूबा हुआ धन मिल सकता है। किसी दूर रहे परिजन से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए आवश्यक कामों पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। निजी मामलों को आप धैर्य रखकर निपटाएं। आपको किसी लक्ष्य को पकड़ कर चलने की आवश्यकता है और आप अपने आत्मविश्वास को मजबूत करके चले। परिवार में किसी धार्मिक कार्यक्रम की तैयारी हो सकती हैं। आपको अपने बॉस से कोई भी बात सोच समझ कर बोलनी होगी। आपको लेनदेन से संबंधित मामलों में जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा। किसी नई प्रॉपर्टी की खरीदारी की आप योजना बना सकते हैं।

धनु आज का दिन आपके लिए मौज मस्ती भरा रहने वाला है। आप किसी काम को लेकर यदि लंबे समय से परेशान थे, तो वह भी पूरा हो सकता है। आपको अपने पिताजी की सेहत के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। आप अपने धन की किसी योजना में धन लगा सकते हैं। आपको अपने किसी परिजन की ओर से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। परिवार में सदस्यों का स्नेह आप पर बना रहेगा। आपका कोई मित्र लंबे समय बाद आपसे मेल मुलाकात करने आ सकता है।

मकर आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आपके घर में ऊर्जा बनी रहने से आप काफी खुश रहेंगे। आपको किसी संपत्ति का सौदा ध्यान देकर करना होगा। यदि आपने ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से धन उधार लिया था, तो बाद में इससे आपके आपसी रिश्ते खराब हो सकते हैं। रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती आएगी। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी के साथ रोमानी दिन व्यतीत करेंगे। आपके परिवार में यदि किसी बात को लेकर वाद विवाद चल रहा है, तो आप उसे दूर करने की कोशिश करें।

कुंभ आज का दिन आपके लिए आलस्य को त्याग कर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आप अपने व्यापार में कुछ नया करने की कोशिश करेंगे। आपको संतान के मन में चल रही उलझनो को जानने की कोशिश करनी होगी। आप किसी महत्वपूर्ण चर्चा में सम्मिलित हो सकते हैं। आपको किसी नई नौकरी की प्राप्ति होने से आपका मन काफी खुश रहेगा। जीवन साथी से यदि किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा, जिसमें आप गिले शिकवे न उखाड़े।

मीन आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपके घर किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी हो सकती हैं। वाणी व व्यवहार में भी आकर्षक बना रहेगा, जिससे आपके कुछ नए मित्र भी बन सकते हैं। आपकी साख व सम्मान में वृद्धि होगी और पुण्य कार्यों में आप बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपको किसी काम को लेकर योजना बनाकर चलने की आवश्यकता है। आप अपनी खानपान में थोड़ी सावधानी बरते, नहीं तो आपकी सेहत बिगड़ सकती है। आपने यदि किसी को धन उधार दिया था.

तपती धरती, पिघलते ग्लेशियर: चिंता का सबब !

सुनील कुमार महला

धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है। वास्तव में धरती का तापमान का लगातार बढ़ना कहीं न कहीं गंभीर ख़तरों का संकेत दे रहा है। आज मानव की जीवनशैली लगातार बदलती चली जा रही है और मानवीय गतिविधियों के कारण, अंधाधुंध विकास, जंगलों की अंधाधुंध कटाई, शहरीकरण, औधोगिकीकरण के कारण ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को लगातार बढ़ावा मिल रहा है, जिससे नीले ग्रह पर खतरा मंडराने लगा है।एक जानकारी के अनुसार मानवीय जीवनशैली के कारण इस सदी के अंत तक धरती का औसत तापमान 2.7 C बढ़ जाएगा। वास्तव में धरती के तापमान के इतना बढ़ने का सीधा सा मतलब यह है कि इस सदी के अंत तक धरती के ग्लेशियरों की बस एक चौथाई बर्फ़ ही बची रहेगी तथा बाकी तीन चौथाई बर्फ़ ख़त्म हो जाएगी। कहना ग़लत नहीं होगा कि ग्लेशियर अब किताबों का ही हिस्सा बनकर रह जाएंगे। ग्लोबल वार्मिंग बढ़ने के कारण दुनिया के कई तटीय शहर डूब जाएंगे। यदि हम यहां आंकड़ों की बात करें तो भारत में मुंबई, चेन्नई, विशाखापट्टम जैसे कई तटीय शहरों का बड़ा इलाका क़रीब दो फुट तक पानी में डूब जाएगा। दरअसल यह खुलासा किसी और ने नहीं बल्कि दुनिया की प्रतिष्ठित पत्रिका साइंस में छपी एक ताज़ा रिसर्च में किया गया है। इस संदर्भ में ताज़ा उदाहरण स्विट्जरलैंड का है, जहां ऊंचे पहाड़ों से टूटे एक ग्लेशियर ने निचले इलाके में तबाही मचा दी।नीचे घाटी में बसे ब्लैटन गांव (नब्बे फीसदी गांव को) बर्च नाम के ग्लेशियर ने बर्बाद कर दिया।दरअसल,ग्लेशियरों के इस तरह टूटने के पीछे सबसे बड़ी वजह है धरती के औसत तापमान का बढ़ना। कहना ग़लत नहीं होगा कि तापमान में बढ़ोत्तरी भारी बारिश(अतिवृष्टि), तो कहीं सूखा(अनावृष्टि), कभी ग्लेशियरों की झीलों के फटने तो कभी बड़े तूफ़ानों जैसे अतिमौसमी बदलावों की शक्ल में हमारे सामने आ रहा है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि प्रतिष्ठित पत्रिका साइंस में छपी रिसर्च के मुताबिक दुनिया के ग्लेशियर मौजूदा अनुमान से कहीं ज़्यादा तेज़ी से पिघल रहे हैं और इस सदी के अंत तक अगर धरती का औसत तापमान अगर 2.7 C और बढ़ा तो दुनिया में मौजूद ग्लेशियरों में सिर्फ़ 24% बर्फ़ ही बची रह जाएगी, जो कि एक बड़ा और गंभीर खतरा है। जानकारी के अनुसार ग्लेशियरों की 76% बर्फ़ पिघल चुकी होगी। पाठकों को बताता चलूं कि पेरिस समझौते में ये तय हुआ था, कि दुनिया के तापमान को पूर्व औद्योगिक तापमान से 1.5 C से ज़्यादा नहीं बढ़ने देना है, लेकिन आज विकसित देश ही कार्बन उत्सर्जन के अधिक जिम्मेदार हैं और कोई भी ग्लोबल वार्मिंग को कम करने को लेकर जिम्मेदार नजर नहीं आते।साइंस पत्रिका में छपी रिसर्च के मुताबिक अगर दुनिया का औसत तापमान 1.5 C तक ही बढ़ा तो भी ग्लेशियरों की 46% बर्फ़ पिघल जाएगी, सिर्फ़ 54% बर्फ़ ही बची रहेगी, यह बहुत ही चिंताजनक है, क्यों कि ग्लेशियर पानी के बड़े स्त्रोत होते हैं और जल ही जीवन है। शोध में सामने आया है कि अगर औसत तापमान बढ़ना

बंद हो जाए और उतना ही रहे, जितना कि आज है, तो भी दुनिया के ग्लेशियरों की बर्फ़ 2020 के स्तर से 39% कम हो जाएगी। मतलब यह है कि आज भी तापमान कुछ कम नहीं है और यह नीले ग्रह को काफी नुकसान पहुंचा रहा है। शोध में पाया गया है कि यदि दुनिया का औसत तापमान 2 C बढ़ा तो स्कैंडिनेवियन देशों यानी नॉर्वे, स्वीडन और डेनमार्क के ग्लेशियरों की सारी बर्फ़ पिघल जाएगी। इतना ही नहीं, उत्तर अमेरिका की रॉकी पहाड़ियों, यूरोप के आल्प्स और आइसलैंड के ग्लेशियरों की क़रीब 90% बर्फ़ पिघल जाएगी।औसत तापमान में 2 C की बढ़ोतरी का भारी असर दक्षिण एशिया में हिंदूकुश हिमालय पर भी पड़ने की संभावनाएं जताई गईं हैं। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि हिंदू कुश हिमालय का ग्लेशियर दो अरब लोगों का भरण-पोषण करने वाली नदियों को पानी देता है, लेकिन सदी के अंत तक ये अपनी 75 प्रतिशत बर्फ खो सकता है, जिससे नदियों का पानी भी सूख सकता है। यहां कहना ग़लत नहीं होगा कि अगर दुनिया के देश तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रोक पाते हैं (जैसा कि पेरिस समझौते में तय हुआ था), तो हिमालय और कॉकेशस पर्वत में ग्लेशियर की 40-45 प्रतिशत बर्फ बचाई जा सकती है। यानी अब भी कुछ किया जाए, तो हालात बहुत हद तक सुधर सकते हैं। वाकई यह बहुत ही चिंताजनक बात है कि साल 2020 के मुक़ाबले हिंदूकुश हिमालय के ग्लेशियरों में महज़ 25% बर्फ़ ही रह जाएगी। वास्तव में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हिंदूकुश हिमालय से निकलने वाली नदियां जो गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र की घाटियों में बहती हैं वो क़रीब दो अरब आबादी के लिए अनाज, मनुष्य की आजीविका और पानी की गारंटी हैं। वास्तव में आज धरती का लगातार बढ़ता हुआ तापमान न केवल मनुष्य के लिए अपितु धरती के सभी जीवों, वनस्पतियों, हमारे पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए संकट का सबब बनता चला जा रहा है। अंत में यही कहूंगा कि ग्लोबल वार्मिंग को कम करने के लिए हमें सामूहिक रूप से कदम उठाने होंगे और पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमें अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी समझना होगा। कहना ग़लत नहीं होगा कि हमारे नीले ग्रह को गर्म करने वाले उत्सर्जन को कम करने के लिए स्वच्छ ऊर्जा को अपनाना ही ग्लेशियरों के पिघलने की गति को धीमा करने का सबसे प्रभावी तरीका है। हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि धरती के तापमान में मामूली वृद्धि भी कहीं न कहीं मायने रखती है। मानव को समझने की जरूरत है कि विकास के नाम पर हमें प्रकृति से छेड़छाड़ और खिलवाड़ को बंद करना होगा। पर्यावरण के साथ संबंध स्थापित करते हुए भी विकास किया ही जा सकता है।एक जानकारी के अनुसार दुनिया में क़रीब पौने तीन लाख ग्लेशियर हैं। पाठकों को बताता चलूं कि पृथ्वी पर, 99% ग्लेशियल बर्फ ध्रुवीय क्षेत्रों में विशाल बर्फ की चादरों (जिन्हें "महाद्वीपीय ग्लेशियर" भी कहा जाता है) के भीतर समाहित है। एक जानकारी के अनुसार ग्लेशियल बर्फ पृथ्वी पर ताजे पानी का सबसे बड़ा भंडार है, जो बर्फ की चादरों के साथ दुनिया के ताजे पानी का लगभग 69 प्रतिशत रखता है।पृथ्वी के कुल जल का लगभग 2% भाग ग्लेशियरों में संग्रहीत है।इतना ही नहीं,ग्लेशियर अतीत की जलवायु के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करते हैं। ये ग्लेशियर ही हैं, जिनसे कृषि, जल विद्युत एवं पेयजल हेतु जल मिलता है। समुद्र जल स्तर में ग्लेशियरों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। अंत में यही कहूंगा कि हमें ग्लेशियरों को संरक्षित करना होगा और जल प्रबंधन को बढ़ावा देना होगा, ताकि भविष्य में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगाते समय ना करें ये छोटी-छोटी गलतियां

मुल्तानी मिट्टी के मास्क को बहुत देर तक स्किन पर लगाकर छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो वो त्वचा की सारी नमी खींच लेती है। ध्यान रखें कि जैसे ही मिट्टी हल्की सूखी दिखे, तो उसे धो लो। मास्क के लिए 10-15 मिनट काफी होते हैं। अपनी स्किन की केयर करने के लिए हम सभी कई तरह के इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं। इन्हीं में से एक है मुल्तानी मिट्टी। खासतौर से, ऑयली स्किन के लिए मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। इससे ना केवल चेहरे को ताजगी मिलती है, बल्कि एक चमक भी आती है। अक्सर अपनी स्किन को ठंडक देने और उसे पैम्पर करने के लिए हम मुल्तानी मिट्टी को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करते हैं। इस बात में कोई दोराय नहीं है कि मुल्तानी मिट्टी आपकी स्किन के लिए बहुत अधिक फायदेमंद है। लेकिन इसे सही तरह से इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। अगर आप इसे गलत तरीके से अपनी स्किन पर अप्लाई करती हैं, तो ये चेहरे को निखारने के बजाय और ज़्यादा रूखा-सूखा और बेजान बना सकती है। जी हां, मुल्तानी मिट्टी भले ही नेचुरल हो, लेकिन इसे लगाने का भी एक सही तरीका होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मुल्तानी मिट्टी को चेहरे पर लगाते समय की जाने वाली कुछ छोटी-छोटी गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको वास्तव में बचना चाहिए-

मास्क को बहुत देर तक लगाए रखना-मुल्तानी मिट्टी के मास्क को बहुत देर तक स्किन पर लगाकर छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो वो त्वचा की सारी नमी खींच लेती है। ध्यान रखें कि जैसे ही मिट्टी हल्की सूखी दिखे, तो उसे धो लो। मास्क के लिए 10-15 मिनट काफी होते हैं।

बिना टेस्ट किए लगाना-हर किसी की त्वचा अलग होती है। किसी को एलर्जी भी हो सकती है। इसलिए पहली बार में ही मुल्तानी मिट्टी को पूरे चेहरे पर लगाने से बचना चाहिए। हमेशा पहले थोड़ा सा पेस्ट हाथ या कान के पीछे लगाकर देखो। अगर आपको किसी तरह की जलन या रेडनेस का अहसास हो रहा है तो इसे अवॉयड करें।

हर दिन मुल्तानी मिट्टी लगाना-यह सच है कि मुल्तानी मिट्टी स्किन को फायदा पहुंचाती है, लेकिन इसे हर दिन लगोन से बचना चाहिए। मुल्तानी मिट्टी रोज़ाना लगाने वाली चीज़ नहीं है, खासकर अगर त्वचा ड्राय या सेंसिटिव हो। इससे आपकी स्किन को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

बस्तर में शांति स्थापना और विकास के लिए प्रतिबद्ध है हमारी सरकार : मुख्यमंत्री साय

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

फरसगांव / भोगापाल, 2 जून। छत्तीसगढ़ में बौद्ध धर्म से जुड़ी सुंदर स्मृतियों को अपनी अमूल्य विरासत के रूप में सहेज कर रखा है। हमारा सौभाग्य है कि भगवान बुद्ध की चेतना का प्रसार समकालीन छत्तीसगढ़ में व्यापक रूप से हुआ और बस्तर की पुण्य धरा इसके साक्ष्य मिले हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज कोण्डागांव जिले के भोंगापाल में भगवान बुद्ध की जयंती के अवसर पर आयोजित बुद्ध महोत्सव और लोकार्पण व भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस खास मौके पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कोण्डागांव जिले में 94 करोड़ 18 लाख के अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास कर जिलेवासियों को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री और अतिथियों ने भगवान बुद्ध के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि भोंगापाल का धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व इतना अधिक है कि आज यहां जनसैलाब उमड़ पड़ा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने बस्तर में शांति स्थापना और विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ वर्षों में हमने जो विकास किया है इसे आप सभी जानते है और लाभान्वित भी हो रहे हैं। हमारी सरकार ने मोदी की सभी गारंटियों को पूरा करने का काम किया है। श्री साय ने कहा कि प्रदेश के गरीब व जरूरतमंद परिवारों को हमारी सरकार ने पहले ही कैबिनेट से 18 लाख आवास स्वीकृत करने का जो सिलसिला शुरू किया था.वह अनवरत जारी है। साय ने कहा कि नक्सल पीड़ित और आत्मसर्पित नक्सलियों के लिए भी 15 हजार आवास स्वीकृत किए गए है और विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए भी लगातार आवास देने का काम हमारी सरकार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की 70 लाख से अधिक माताओं बहनों को महतारी वंदन योजना की राशि नियमित रूप से दी जा रही है। सुशासन तिहार में प्रदेशव्यापी भ्रमण के दौरान अनेक माताओं बहनों ने महतारी वंदन योजना से जीवन में आए बदलावों के बारे में मुझे बताया है।

नारायणपुर प्रवास के दौरान एक अबूझमाड़िया महत्व ने बताया कि योजना से मिली राशि से उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी और अब उसे अच्छी आय हो रही है। पूरे प्रदेश में महिलाओं को आर्थिक संबल मिल रहा है, जो दर्शाता है कि हम अपने उद्देश्य में सफल हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने हाल ही ग्राम पंचायत भवनों में शुरू हुए अटल डिजिटल सुविधा केंद्र के माध्यम से ग्रामीणों को मिल रही बैंकिंग सुविधाओं के बारे में जानकारी दी और कहा कि आने वाले एक साल में सभी पंचायतों में यह सुविधा प्रारंभ होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता देश विदेश में प्रसिद्ध है और इस क्षेत्र में पर्यटन बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर में शांति स्थापित हो इसके लिए हमारे जवान नक्सलियों से डटकर मुकाबला कर रहे हैं। हमारी डबल इंजन की सरकार नक्सलियों के उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध है और बस्तर में शांति स्थापना के अपने संकल्प को हम पूरा करेंगे।

उन्होंने कहा कि बस्तर में नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से सुदूर इलाकों तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाई जा रही है। श्री साय ने कहा कि खेती से लेकर पर्यटन तक को बढ़ावा देने का काम हमारी सरकार कर रही है। इसी आशय से पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया है। प्रदेश सरकार युवाओं के हित में लगातार भर्तियां भी कर रही है और जल्द ही 5000 शिक्षकों की भर्ती की स्वीकृति मिल जाएगी। कार्यक्रम में डॉ. रमन सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि-बस्तर परिवर्तन की करवट ले रहा है, अंचल में शांति की स्थापना हो रही है। उन्होंने भोंगापाल में स्थित छठवीं शताब्दी की ऐतिहासिक बुद्ध प्रतिमा और बुद्ध विहार का उल्लेख करते हुए कहा कि बस्तर में शांति के पाठ पढ़ाने वाले भगवान बुद्ध का गहरा प्रभाव रहा है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार बस्तर के समग्र विकास के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने राज्य सरकार के जनहितैषी योजनाओं से प्रदेशवासियों के जीवन में आ रहे सकारात्मक बदलाव का विशेष रूप से जिक्र किया। डॉ. सिंह ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर आयोजकों को शुभकामनाएं दीं।

एक नजर

आईओसीएल गोपालपुर और एनटीपीसी पावर प्लांट में हुआ सफल सुरक्षा अभ्यास

कोरबा, 2 जून । इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), गोपालपुर और एनटीपीसी पावर प्लांट, कोरबा में अलग-अलग सुरक्षा प्रशिक्षण अभ्यास (सेफ्टी ड्रिल) सफलता पूर्वक आयोजित किए गए। इन अभ्यासों का मुख्य उद्देश्य संयंत्रों में आपातकालीन स्थितियों के दौरान कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मियों और आपदा प्रबंधन टीमों की तैयारी एवं प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत करना था।

मॉक ड्रिल में कोरबा पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे। किसी भी आपदा की स्थिति में पुलिस और प्रशासन के साथ आईओसीएल और एनटीपीसी के बीच समन्वय सुनिश्चित करने के लिए यह अभ्यास किया गया। मॉक ड्रिल के बाद, यह समझने के लिए डी-ब्रीफिंग की गई कि अधिक प्रभावी परिणाम सुनिश्चित करने के लिए क्या किया जा सकता हैआईओसीएल परिसर में आयोजित इस ड्रिल के दौरान रासायनिक रिसाव, आगजनी और अन्य औद्योगिक आपात स्थितियों का सिमुलेशन किया गया। कर्मचारियों को सुरक्षित निकासी, फायर फाइटिंग, प्राथमिक उपचार और आपातकालीन प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया गया।एनटीपीसी कोरबा में हुए सुरक्षा अभ्यास में प्लांट में संभावित दुर्घटनाओं, सशस्त्र हमला, आग लगने की स्थिति और बड़े पैमाने पर बचाव अभियान का सिमुलेशन किया गया। इसके अंतर्गत मॉक ड्रिल के माध्यम से विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम और मेडिकल सहायता प्रक्रियाओं का अभ्यास किया गया।

एनटीपीएस में पर्यावरण संरक्षण संदेश देने साइकिल रैली सहित अनेक कार्यक्रम हुए

कोरबा,2 जून । हसदेव ताप विद्युत संयंत्र (एचटीपीएस) कोरबा-पश्चिम में विश्व पर्यावरण सप्ताह उत्साह से मनाया जा रहा है। 05 जून विश्व पर्यावरण दिवस के लिए इस सप्ताह विभिन्न कार्यक्रम रखे गए हैं। मुख्य अभियंता पी.के. श्रीवास्तव की अगुवाई में पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने के लिए साइकिल रैली निकाली गई। आवासीय परिसर में कार्यक्रम की शुरुआत ''हरित प्रतिज्ञा'' के साथ की गई। इसके साथ ही ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत वृक्षारोपण का आह्वान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता पी.के. श्रीवास्तव ने कहा कि हर व्यक्ति एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाएं।

कार्यक्रम में संकल्प महिला मंडल, कोरबा-पश्चिम की अध्यक्ष रूबी श्रीवास्तव द्वारा साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। पर्यावरण संरक्षण के संदेश को लेकर निकाली गई यह रैली सीनियर क्लब से निकलकर कालोनी परिसर का भ्रमण करते हुए सीनियर क्लब लौट गई। रैली में बड़ी संख्या में संयंत्र के अधिकारी-कर्मचारी एवं उनके परिजनों ने हिस्सा लिया। रैली के प्रति बच्चों में खासा उत्साह रहा। सहायक प्रबंधक पर्यावरण विकास उइके ने बताया कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम-''वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना'' है। इस विषय पर बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन रखा गया। इसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता एम.के. गुप्ता, पी.के. स्वैन और सुधीर पंड्या ने हिस्सा लिया।

सीएम और विप्स अध्यक्ष ने भगवान गौतम बुद्ध की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

फरसगांव-भोगापाल, 2 जून। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने रविवार को बुद्ध जयंती के अवसर पर कोंडागांव जिले के भोंगापाल में भगवान गौतम बुद्ध की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की जनता की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।इस दौरान बोधगया से पधारे बौद्ध साधुवृन्द भंते अश्वजीत महाथेरा, भंते ज्ञानवंश थेरो, भंते शीलवंश थेरो, भंते प्रमोद एवं भंते डीन वियतनाम द्वारा बुद्धम शरणम गछम मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना करवाया गया। ज्ञात हो कि भोंगापाल में 6 वीं शताब्दी का प्राचीन बुद्ध प्रतिमा इस क्षेत्र दर्शनीय स्थल है। इस मौके पर विधायक केशकाल नीलकंठ टीकाम सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के अलावा कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी., कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना, एसपी वाय अक्षय कुमार और अन्य अधिकारी तथा बड़ी संख्या में बौद्ध धर्म के अनुयायी मौजूद थे।

नगर को हरा-भरा करने सभी के सहयोग की जरूरत:संजय

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 2 जून। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के पर्यावरण उप समिति की बैठक छत्रपति शिवाजी वार्ड के तेतरखुटी में रखी गई थी। इस बैठक में पर्यावरण उप समिति के पदाधिकारी सदस्यगण एवं पर्यावरण के क्षेत्र में रुचि रखने वाले लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

इस बैठक में सभी उपस्थित लोगों ने जगदलपुर महापौर संजय पांडे के सामने पर्यावरण के संबंध में व्यापक चर्चा की। जिसमें उपस्थित 50 से अधिक लोगों ने अपनी बातें रखी। पर्यावरण उप समिति के अध्यक्ष विधु शेखर झा ने उद्देश्य के बारे में बताया कि हम पर्यावरण के क्षेत्र में जगदलपुर शहर के सभी 48 वार्ड में बेहतर कार्य करना चाहते हैं। इसमें आपके सहयोग की आवश्यकता है हम जगदलपुर को हरियाली से पाट देना चाहते हैं। जिसमें नगर निगम, वन एवं पर्यावरण विभाग, के साथ-साथ सभी लोगों के सहयोग की आवश्यकता है। पर्यावरण विद किशोर पारख ने कहा कि हमें जगदलपुर क्षेत्र के ऐसी जगह को भी चिन्हित करना चाहिए जहां बड़े पैमाने पर कई प्रजाति के पौधे लगाए जा सके। महापौर संजय पांडे ने लोगों की उपस्थिति और रुचि को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की । सभी लोगों के योगदान से जगदलपुर शहर पर्यावरण से हरा भरा एवं स्वच्छ हो सकता है। इसके लिए पूरे जगदलपुर वासियों से सहयोग की अपेक्षा है। इस बैठक में प्रमुख रूप से छत्रपति शिवाजी वार्ड के पार्षद श्याम सुंदर बघेल पूर्व पार्षद सुषमा कश्यप, दयामनी बघेल रेड क्रॉस पर्यावरण उप समिति की सहसचिव श्रीमती अंजू झा, जीएस पांडे, शेख अब्बास अली, सुशील पांडे,विभा दरिया, विजय डडसेना , संतोष वर्मा,सतरूपा मिश्रा, भरत कुमार कोर्राम, उमा गुप्ता, एच वाई कुकड़े, रोहन घोष, लेखराज शर्मा, राजीव निगम आदि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

रैली

डीएवी किरंदुल में साइकिल रैली का आयोजन

किरन्दुल,2 जून। डीएवी पब्लिक स्कूल किरंदुल में फिट इंडिया मिशन के तहत साइकिल रैली का आयोजन किया गया जिसमें 40 से 50 छात्र छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया इस अवसर पर तनवीर जावेद उप महाप्रबंधक कार्मिक एवं अभिजीत मिश्रा वरिष्ठ कार्मिक प्रबंधक ने झंडा दिखा करके रैली को रवाना किया इस अवसर पर डी ए वी विद्यालय के शिक्षकगण अभिभावकगण भी उपस्थित थे विद्यालय के प्राचार्य श्री एस के श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की सफलता पर बच्चों एवं शिक्षकों को शुभकामनाएं दी और इस तरह के आयोजन को समय-समय पर करने के लिए प्रेरित किया।

पालिका से संबंधित 391 आवेदनों का निराकरण शिविरों में किया गया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बचेली, 2 जून। बड़े बचेली मुख्यमंत्री मान श्री विष्णु देव साय जी एवं उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी के द्वारा सम्पूर्ण प्रदेश मे सुशासन तिहार 2025 का आयोजन किया जा रहा है यह आयोजन तीन चरणों मे जिसमे प्रथम चरण आवेदन करने की द्वितीय चरण आवेदनो का संकलन कर कार्यवाही एवं अंतिम चरण मे शिविरों का आयोजन करना जिसमे नगर पालिका बड़े बचेली द्वारा 18 वार्डों से प्राप्त पालिका से सम्बंधित 391 आवेदन का निराकरण 7 शिविरों द्वारा किया गया आज दिनांक 31.05.2025 को नगर के बी आर सी भवन मे वार्ड 16 17 18 से 102 प्राप्त आवेदनो मे 102 का निराकरण किया गया कार्यक्रम मे जिला के विधायक श्री चैतराम अटामी जी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री अरविन्द कुंजाम,नगर उपाध्यक्ष श्री सतीश प्रेमचंदानी द्वारा शिविर स्थल का निरीक्षण किया गया एवं नगर मे चल रहे विकास कार्य, शासन द्वारा हितग्राही मुलक कार्य शासन की योजनाओ के बारे मे शहर वासियों को सम्बोधित किया आज के कार्यक्रम मे राजस्व विभाग, स्थानीय प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग, विधुत विभाग, आधार अपडेट उपस्थित रहें मान विधायक महोदय शिविर मे महिला बाल विकास विभाग के अन्न प्राशन, गोदभराई के कार्यक्रम मे सम्मिलित हुए एवं आशीर्वाद प्रदान किया कार्यक्रम मे भाजपा मण्डल अध्यक्ष श्री अमलेन्दू चक्रवर्ती, श्री पिंटू राम उइके, श्री नीलेश, श्री मनोज सिंह, श्रीमती किरण भदौरिया, नगर पार्षद श्री धर्सिंग नाग, पार्षद श्री दीपक सरकार, पार्षद श्रीमती बिना साहू, पार्षद श्रीमती झिलकी बाई, पार्षद श्री श्यामलाल सेठिया, पार्षद श्री मनोज साहा एवं अन्य जनप्रतिनिधि, नगर पालिका मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री कृष्णा राव, उप अभियंता श्री संतोष नेगी एवं नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी गण उपस्थित रहें।

डिप्टी रेंजर की अवैध वसूली की शिकायत, विभागीय जांच प्रारंभ

कोरबा, 2 जून । जिले के वन क्षेत्रों में ग्रामीण लगातार कुछ वन अमले की वसूली का शिकार हो रहे हैं। यह सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले दिनों परला के कापा नवापारा में ट्रैक्टर लगवा कर खेत की मेड़ सुधरवाने के दौरान मोरगा में इन दोनों ट्रैक्टर को बुलवा कर वन विभाग के दो कर्मचारियों के द्वारा 25000 रुपये की वसूली का मामला सामने आया था। इससे पहले भी ऐसे मामले उजागर हो चुके हैं। एक बार फिर मामला सामने आया है जिसमें डिप्टी रेंजर की हुई शिकायत पर जांच की जा रही है।

विद्वान सिंह मरकाम, सदस्य जिला पंचायत द्वारा बताया गया कि ग्राम कोरबी, चोटिया, रोदे के ग्रामीणों से डिप्टी रेंजर (डिक्सेना) द्वारा राशि लिया जा रहा है। राशि नहीं देने पर गाड़ी जब्ती करने की कार्यवाही की जाती है, साथ ही ग्रामीणजनों द्वारा ईंट बनाने हेतु परिवहन में लगे गाड़ियों से भी राशि मांग की जाती है। बैठक में उठाये गए इस मामले में वन विभाग द्वारा बताया गया है कि संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही कर जांच प्रतिवेदन विभाग को प्रस्तुत करने हेतु कहा गया।

वनरक्षक को हटाकर जांच हो रही

इसी तरह वन विभाग द्वारा मरकाम को दी गई जानकारी में बताया गया कि परिक्षेत्र अधिकारी केन्दई के पत्र दिनांक 17.04.2025 द्वारा प्रतिवेदन में वन मण्डल अधिकारी कटघोरा के आदेश दिनांक 09.04.2025 द्वारा नागेन्द्रभूषण जायसवाल वनरक्षक परिसर रक्षक कोरबी का स्थानातरण परिसर रक्षक सेमरा पसान परिक्षेत्र में किया गया है एवं परिक्षेत्र सहायक कोरबी के विरुद्ध जांच की कार्यवाही की जा रही है।

प्रसव पूर्व जांच में पूर्व की बीमारी अवश्य बताएं महिलाएं

वयवंदन के हितग्राहियों का आधार अपडेशन प्राथमिकता से पूर्ण करें:कलेक्टर

कोरबा, 2 जून । कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की बैठक आयोजित हुई। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए लक्ष्य की शतप्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी विकासखंडों में वयवंदन के हितग्राहियों के आधार अपडेशन प्राथमिकता से पूर्ण कर लिया जाए ताकि उन्हें स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ आयुष्मान कार्ड से प्राप्त हो सके। आधार अपडेशन का कार्य अभियान के रूप में पूर्ण किया जाए। इसके लिए गांवों में वीएलई घर घर जा कर आधार अपडेशन करें। स्वास्थ्य विभाग का मैदानी अमला भी आधार अपडेशन के लिए ग्रामीणों को प्रेरित करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में हर 03 माह में वरिष्ठ नागरिकों की चिकित्सा जांच एवं उपचार के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाए जावे।उन्होंने निर्देश दिए कि मानसून का आगमन होने वाला है, बारिश के दौरान होने वाली संचारी बीमारी, मलेरिया, डायरिया हैजा,डेंगू आदि के नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग योजनाबद्ध तरीके से सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर लेवे। मितानिनों के द्वारा बीमारियों से बचाव के लिए जनजागरुकता कार्य किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी स्वास्थ्य कर्मी बिना बताए अनुपस्थित न रहे। बिना बताए अनुपस्थित रहने वाले अधिकारी, कर्मचारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जाए। अधिकारी अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के दायित्व और कर्तव्य पालन पर नजर रखें। कलेक्टर ने जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं का समुचित क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि शत प्रतिशत संस्थागत सुरक्षित प्रसव कराए जावे। उन्होंने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को रोकने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्वस्थ अमले को निर्देशित किया कि विशेष पिछड़ी जनजाति वाली ग्राम पंचायतों को प्राथमिकता से टीबी मुक्त किया जाए।

समीक्षा बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एस एन केशरी तथा समस्त कार्यक्रम नोडल अधिकारी, डीपीएम,समस्त खंड चिकित्सा अधिकारी, समस्त बीपीएम एवं विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। समीक्षा के दौरान सीएमएचओ डॉ एस एन केशरी द्वारा समस्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लक्ष्य एवं उपलब्धि की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने सभी चिकित्सा अधिकारियों को अपने ड्यूटी टाइम में चिकित्सालय में उपस्थित रहकर मरीजों का इलाज करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने पीवीटीजी बसाहटों में स्वास्थ्य शिविर लगाकर उन्हें स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। शिविर में उनका आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण, खून, शुगर, बीपी की जांच, आयुष्मान कार्ड बनाने आदि जैसे अनेक स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं से लाभांवित करने के लिए कहा। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सामूहिक सहयोग से जिले को टी बी मुक्त बनाएं। टीबी मरीजों को काटेक्ट ट्रेसिंग कर उन्हें जांच एवं दवाइयां उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्र में आयुष्मान कार्ड एवं दिव्यांग प्रमाणपत्र प्राथमिकता से बनायें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सभी केंद्रों में आवश्यक सभी दवाइयां की शत प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जिले में संस्थागत प्रसव की उपलब्धि की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने शत प्रतिशत प्रसव संस्थागत कराने के निर्देश दिए। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं सब हेल्थ सेंटर में संस्थागत प्रसव की संख्या बढ़ाने की बात कही। उन्होंने सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा उप स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसव अनिवार्य रूप से कराने के लिए कहा। इस हेतु मितानिनों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं का पंजीयन उनका नियमित स्वास्थ्य जांच एवं फालोअप लेने की बात कही। कलेक्टर ने कहा कि महिलाओं को प्रसव पूर्व जांच के दौरान उन्हें पूर्व में हुई बीमारी के विषय में जानकारी अवश्य देना चाहिए ताकि उनका उचित इलाज हो सके।उन्होंने मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने हेतु आवश्यक सभी प्रयास करने की बात कही। बैठक में कलेक्टर ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अंतर्गत दी जाने वाली विभिन्न प्रकार की टीका, कुष्ठ उन्मूलन, क्षय रोग, टी.बी. एड्स, हाइपरटेंशन, अंधत्व निवारण, चश्मा वितरण, विटामिन दवा, मनोरोग चिकित्सा, लैब आन व्हील्स कार्यक्रम की भी समीक्षा करते हुए योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने सभी योजनाओं का शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने हेतु सभी अधिकारियों को व्यक्तिगत रुचि लेकर कार्य करने के निर्देश दिए।

कोरबा में विकसित कृषि संकल्प अभियान आरंभ

कोरबा, 2 जून । छत्तीसगढ़ राज्य के किसानों को आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए "विकसित कृषि संकल्प अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में नवाचार और वैज्ञानिक पद्धतियों को बढ़ावा देना है, जिससे किसान पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर लाभान्वित हो सकें।कोरबा जिले में अभियान की शुरुआत कोरबा जिले में भी इस अभियान को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए तीन रथों को तैयार किया गया है। ये रथ 15 दिनों के भीतर अनेक पंचायतों तक पहुंचेंगे और किसानों को विभागीय योजनाओं, नवीनतम तकनीकों और कृषि संबंधित समस्याओं के समाधान से अवगत कराएंगे।कलेक्टर परिसर से झंडी दिखाकर रवाना हुए रथकलेक्टर परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में इन रथों को झंडी दिखाकर रवाना किया गया। प्रत्येक रथ प्रतिदिन दो-दो ग्राम पंचायतों में जाकर छह पंचायतों को कवर करेगा।किसानों के लिए लाभकारी-इस अभियान के तहत किसानों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी, जिससे वे अपनी खेती को और अधिक उत्पादक और लाभदायक बना सकें। इसके अलावा, नवीनतम तकनीकों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी, जिससे किसान अपनी खेती में सुधार कर सकें।कृषि संबंधित समस्याओं का समाधानअभियान के दौरान किसानों की कृषि संबंधित समस्याओं का समाधान भी किया जाएगा। इससे किसानों को अपनी समस्याओं का समाधान मिलेगा और वे अपनी खेती को और अधिक सफल बना सकेंगे।

एक नजर

तेज रफ्तार का कहर, दर्दनाक हादसे में देवर-भाभी समेत 3 की मौत, दो गंभीर घायल

सरगुजा, 2 जून। तेज रफ्तार दो बाइकों की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसा गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम चंदिरमा के पास बनारस रोड पर हुआ।जानकारी के अनुसार, सूरजपुर जिले के ग्राम कसकेला निवासी करन यादव (20 वर्ष) अपनी भाभी रिया यादव (21 वर्ष) को इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर जा रहे थे। चंदिरमा पुलिया के पास उनकी बाइक की सामने से आ रही स्कूटी से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि करन और रिया की मौके पर ही मौत हो गई।हादसे में स्कूटी सवार युवक देव मंडल, निवासी समलपुर (ओडिशा) की भी मौत हो गई है। वहीं इस दुर्घटना में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही गांधीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है।

पात्र अभ्यर्थियों की कौशल परीक्षा एवं साक्षात्कार 4 जून को

बीजापुर, 2 जून। कार्यालय कलेक्टर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर बीजापुर में रिक्त पदों पैरा लीगल कार्मिक/वकील (01 पद), पैरा मेडिकल कार्मिक (01 पद) एवं सुरक्षा गार्ड/नाईट गार्ड (03 पद), बहुउद्देशीय कर्मचारी/रसोईया (01 पद) हेतु प्राप्त आवेदनों की स्कूटनी पश्चात पात्र/अपात्र सूची का प्रकाशन कर अभ्यर्थियों से 19 मई 2025 तक दावा आपत्ति आमंत्रित किया गया था।

प्राप्त दावा-आपत्ति आवेदनों का निराकरण पश्चात प्रथम वरियता सूची का प्रकाशन किया गया है, प्रकाशित वरियता सूची अनुसार अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि 04 जून 2025 दिन बुधवार प्रातः 11:00 बजे कलेक्टर परिसर, महिला एवं बाल विकास शाखा में इंन्टरव्यू/कौशल परीक्षा में सम्मिलित होना सुनिश्चित करेंगे।

जिले में मनाया गया विश्व तम्बाकू निषेध दिवस

बलौदाबाजार,, 2 मई। प्रत्येक वर्ष दुनियाभर में 31 मई को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष भी कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर जिले के समस्त शासकीय अस्पतालों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के सम्बंध में विविध प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।जिले में सभी स्वास्थ्य केंद्रों में तम्बाकू उत्पादों से दूर रहने की शपथ दिलाई गई और इसके चंगुल में आने पर नजदीक के नशा मुक्ति केंद्रों में संपर्क करने की सलाह दी गई ।इस वर्ष की थीम तम्बाकू और निकोटिन उत्पादों पर उद्योगों की रणनीति को उजागर करना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश कुमार अवस्थी ने बताया कि हर साल तम्बाकू से होने वाली बीमारियों के कारण लाखों लोगों की मौत हो जाती है। तम्बाकू कई प्रकार की लाइलाज बीमारियों जैसे फेफड़े,मुँह कार्सिनस,नपुंसकता, हृदय रोग,बाल, नाखून,त्वचा की समस्या पैदा करता है। जिले में तम्बाकू उत्पादों के नशा मुक्ति के लिए जिला अस्पताल में एक तम्बाकू नशा मुक्ति केंद्र भी चल रहा है जहां परामर्श के साथ-साथ दवाइयां भी दी जाती हैं। मुँह के कैंसर की पहचान के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में जांच करवाई जा सकती है ।

प्राथमिक शाला सिर्रीखुर्द में समर कैंप का शानदार समापन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजिम,2 जून। शासन के निर्देशानुसार प्राथमिक शाला सिर्रीखुर्द मे सात दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों को विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों से जोड़कर प्रतिदिन अलग-अलग प्रकार से जानकारी दिया गया जिसे बच्चों ने भी पूरे तन्मयता के साथ ग्रहण किया। शिक्षक खोमन सिन्हा ने बताया कि हमारे प्राथमिक शाला सिर्रीखुर्द में विगत कई वर्षों से समर कैंप लगाया जा रहा है जिसका सार्थक परिणाम भी मिल रहा है। बच्चों को प्रतिदिन अलग-अलग गतिविधियां कराई जाती है जिसमें प्रथम दिवस रोल प्ले अभिवादन अभिव्यक्ति के बारे में जानकारी दिया गया और भारत माता की जय घोष के साथ नारा लगाया गया। इसी प्रकार नृत्य कला, चित्रकला, गायन, लेनदेन खरीददारी करना व्यंजन बनाना, नदी, तालाब, पहाड़ स्मारकों के साथ हमारे देश की वीर जवानों के बारे में जानकारी बच्चों को बहुत ही सुंदर तरीके से श्रवण कराया गया है प्रतिदिन समर कैंप में 40 से 45 बच्चे उपस्थित हो रहे थे।समर कैंप का आज अंतिम दिवस है जिसमें प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित छम्मन साहू ने आपदा प्रबंधन के अंतर्गत सांप बिच्छू जहरीले जीव जंतु से कैसे बचे इन पर बहुत ही अच्छे ढंग से प्रकाश डाला गया बच्चों को बताया गया कि अभी वर्तमान समय वर्षा ऋतु का है और हमें जहरीले जीव जंतु में सांप बिच्छू का सामना करना पड़ सकता है तो हम उनसे अपना बचाव कैसे करें जिसमें बताया गया कि जमीन पर ना सोए यदि जमीन पर सोते हैं तो मच्छरदानी का प्रयोग करें और दरवाजे खिड़कियों पर मिट्टी तेल फिनाइल का प्रयोग करें। जहरीले सांप का अलग से और दांत होता है इस प्रकार से बहुत सारी जानकारियां बच्चों को बताया गया और बच्चों से कहा गया कि अपने पालकों से कहना कि यदि खेत जाते हैं तो निश्चित रूप से एक लाठी लेकर खेत जाएं और उसको ठोकते हुए आगे बढ़े ऐसा करने से जहरीले जीव जंतु से बचा जा सकता है सांप को देखकर डरना नहीं चाहिए लेकिन निश्चित रूप से सावधानी बरतनी चाहिए।समर कैंप मे प्रमुख रूप से ग्राम पंचायत सिर्रीखुर्द के सरपंच देवेंद्र वर्मा प्रधान पाठक जगन्नाथ ध्रुव शिक्षक घनश्याम कंवर दुर्गेश विश्वकर्मा लीलाराम मतावले झंकेस सिन्हा छम्मन साहू राजा मंडल अध्यक्ष मनोज निषाद, भाजपा महमंत्री सौरभ जैन, पत्रकार रमेश रिंकू अग्रवाल, मोती ज्ञानचंदानी, गौरी शंकर सैनी, देवेंद्र वर्मा, पवन बघेल, धीरेन्द्र जायसवाल, नीतिन जायसवाल, बंशी यादव, राजू वर्मा, गोवर्धन यदु, प्रदीप पंडा, दिलीप वर्मा, राजकुमार बंजारे, शेखर यदु, राजेंद्र साहू, सोनू पंजवानी, ललित अग्रवाल, रितेश वाधवा, निखील वाधवा, के साथ साथ तिल्दा नेवरा क्षेत्र के पत्रकारों का सम्मान नगर पालिका परिषद तिल्दा नेवरा की पार्षद एवं सभापति रानी सौरभ जैन द्वारा किया गया। रानी सौरभ जैन ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होते हैं।वे समाज की कुरीतियों और दुर्व्यवस्थाओं को बेझिझक सामने लाते हैं। पत्रकारों को कई बार मुश्किल हालातों से भी गुजरना पड़ता।उन्होंने आश्वासन दिया कि जरूरत पड़ने पर वे हर स्तर पर पत्रकारों के साथ खड़े रहेंगे।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर हुआ पत्रकारों का सम्मान

तिल्दा नेवरा। नगर पालिका परिषद तिल्दा नेवरा की पार्षद एवं सभापति रानी सौरभ जैन द्वारा हिंदी पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष्य में पत्रकारों का सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम वरिष्ठ पत्रकार नरेन्द्र मालू राम शर्मा ने कहा कि पत्रकारिता लोकतन्त्र का चौथा स्तंभ होने के साथ-साथ बहुत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का नाम है। जिसको सभी पत्रकार बंधुओं को ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ निभाना चाहिए।प्रेस कलब अध्यक्ष जैनेन्द्र बघेल ने कहा कि पत्रकारिता वह विस्तृत क्षेत्र है, जिसके माध्यम से समाज को नई दिशा मिलती है। वरिष्ठ पत्रकार रमेश बतरा ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भी हिंदी पत्रकारिता की भूमिका स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। इस दौरान पत्रकारों को डायरी और कलम देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर

कलेक्टर की मौजूदगी में पारदर्शी तरीके से हुई अतिशेष शिक्षकों की काउंसिलिंग

महासमुंद, 2 जून । महासमुंद जिले में शासन के निर्देशानुसार विद्यालयों का युक्तियुक्तकरण के तहत समायोजन किया जा रहा है। आज काउंसलिंग के पहले दिन कलेक्टर से विनय लंगेह की मौजूदगी में पूर्णतः पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से काउंसलिंग की प्रक्रिया संपन्न हुआ। आज कुल 256 शिक्षकों का काउंसलिंग होना था जिसमें से 241 शिक्षकों की काउंसलिंग की गई तथा उन्हें तत्काल पदस्थापना आर्डर जारी कर दिया गया । कलेक्टर ने पहला आदेश की कापी व्याख्याता निधि तिवारी को स्वयं प्रदान किया।अनुपस्थित शिक्षकों को जिला स्तरीय समिति के सर्वानुमति से पदस्थापना आदेश जारी किया जाएगा।कलेक्टर श्री विनय लंगेह ने कहा कि शासन के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए पूर्णतः पारदर्शी तरीके से और शिक्षकों को संतुष्ट करते हुए काउंसलिंग की प्रक्रिया की गई किसी भी प्रकार की यदि शिक्षकों की शिकायत प्राप्त होती है तो उसे सुलझा लिया जाएगा।

आज हुए काउंसलिंग में कुल 110 अतिशेष शिक्षक हाई स्कूल/ हायर सेकेण्डरी शाला अंतर्गत हुआ जिसमें 102 उपस्थित रहे, वही अनुपस्थित 08 रहे। जबकि उच्च प्राथमिक शाला अतिशेष शिक्षक कुल 146 जिसमें उपस्थित 139 एवं अनुपस्थित 07 रहे।उल्लेखनीय है कि युक्तियुक्तकृत एवं अन्य विद्यालयों में दर्ज संख्या के अनुपात में बसना विकासखण्ड में कुल अतिशेष शिक्षक 126, सरायपाली में 152, पिथौरा 139, महासमुंद में 211, बागबाहरा में 75 इस तरह कुल 703 शिक्षकों का नियमानुसार कांउसलिंग के माध्यम से रिक्त पदों पर समायोजन किया जायेगा। जिसमें प्राथमिक शाला अंतर्गत प्रधान पाठक के कुल 12 एवं सहायक शिक्षक के 433 अतिशेष पद हैं। इसी तरह उच्च प्राथमिक शाला अंतर्गत शिक्षकों के कुल 146, हाई स्कूल हायर सेकेण्डरी अंतर्गत व्याख्याताओं के 101, व्यायाम शिक्षक के एक एवं सहायक शिक्षक विज्ञान के 10 अतिशेष पद है।जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि प्रधान पाठक प्राथमिक शाल/सहायक शिक्षकों का 02 जून को जिला पंचायत सभाकक्ष में उपलब्ध रिक्त पद पर कांउसलिंग जारी रहेगा। उक्त काउंसलिंग में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। कांउसलिंग दिनांक को अनुपस्थित पाए जाने पर पृथक से अवसर प्रदान नहीं किया जाएगा एवं रिक्त पद पद जिला स्तरीय समिति द्वारा पदस्थापना की जाएगी जा मान्य होगा।

प्रेरक वक्ताओं ने युवाओं को कैरियर की जानकारी दी

बलौदाबाजार, 2 जून। हम होंगे कामयाब अभियान के तहत जिला कौशल विकास प्राधिकरण द्वारा शनिवार को जिला आँडिटोरियम बलौदाबाजार में कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ख्यातिलब्ध प्रेरक वक्ताओं ने कैरियर मार्गदर्शन, लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन आदि पर युवाओं को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिये।इस अवसर पर कलेक्टर दीपक सोनी ने कहा कि हम होंगे कामयाब एक ऐसा मंच है जिसके माध्यम से युवाओं का प्रशासन में सहभागिता देना है।

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज यहां राजभवन में अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ के जिला अध्यक्ष सतीश कनौरिया लाल छुगानी ने सौजन्य भेंट की।

बरसात से पहले मौसमी बीमारियों से बचाव की तैयारी शुरू

सारंगढ़ । बारिश के मौसम में डायरिया, मलेरिया, डेंगू जैसी मौसमी बीमारियों की आशंका को देखते हुए सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में स्वास्थ्य विभाग ने व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। कलेक्टर डॉ. संजय कजौजे के निर्देशन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एफ आर. निराला की निगरानी में जिले के तीनों विकासखंडों में रिस्क जोन वाले गांवों की पहचान कर तैयारियां की जा रही हैं।

विद्युत उपकेंद्र चिखलाकसा में 75 लाख रुपए की लागत से 3.15 एमव्हीए का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर लगा

बालोद, 2 जून । छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को पर्याप्त वोल्टेज के साथ निर्बाध विद्युत सप्लाई देने के लिए अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र द्वारा बालोद जिले में स्थित दल्ली राजहरा टाउन वितरण केंद्र के अंतर्गत 33/11 के.वी. विद्युत उपकेंद्र (सबस्टेशन) चिखलाकसा में 75 लाख रुपए की लागत से 3.15 एम.व्ही.ए. का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर लगाकर उर्जीकृत किया गया, जिससे उपकेंद्र की क्षमता बढ़कर 13.15 एम.व्ही.ए. हो गई है। उक्त कार्य के होने से उपकेंद्र के अंतर्गत आने वाले लगभग 3000 उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत की आपूर्ति होगी। उल्लेखनीय है कि उपकेंद्र में दो 05-05 एम.व्ही.ए. का पॉवर ट्रांसफार्मर पूर्व से ही स्थापित है। 3.15 एम.व्ही.ए. का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर लगने से उपकेंद्र की क्षमता बढ़कर 13.15 एम.व्ही.ए. हो गई है, जिससे ओवरलोड की समस्या के निराकरण के साथ ही उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति प्रदान की जा सकेगी।

संचारण-संधारण संभाग बालोद के कार्यपालन अभियंता श्री एस.के.बंडे ने बताया कि उपकेंद्र में अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर लगने से दल्ली राजहरा के लगभग 3000 उपभोक्ताओं को लो वोल्टेज एवं ओवर लोडिंग की समस्या से राहत मिलेगी एवं सभी घरों तक उच्च गुणवत्ता की बिजली पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि विद्युत उपकेंद्र की क्षमता बढ़ने से चिखलाकसा, मधुरा नगर, निर्मला स्कूल क्षेत्र, आंड़िया पारा, मच्छी मार्केट, ट्यूबलर सेट, पटेल कॉलोनी, श्रमवीर चौक, बस स्टैंड, सुभाष चौक, एमबीपी सेंटर एरिया के उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री संजय खंडेलवाल ने अधीक्षण अभियंता श्री सलिल कुमार खरे, कार्यपालन अभियंता परियोजना श्री डी.के.भारती एवं कार्यपालन अभियंता एसटीएम श्री पी.के.पलसोकर और उनकी पूरी टीम को बधाई देते हुए बताया कि पॉवर कंपनी के अधिकारी एवं कर्मचारी उपभोक्ताओं तक गुणवत्तापूर्ण बिजली पहुंचाने के लिए समर्पित होकर कार्य कर रहें हैं। उन्होंने कहा कि सबस्टेशन की क्षमता बढ़ने से उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

बिजली विभाग की लापरवाही से ट्रांसफार्मर में डीओ चढ़ाने का काम कर रहा ठेका श्रमिक झुलसा

गरियाबंद, 2 जून। जिले के फिंगेश्वर नगर में ट्रांसफार्मर पर डीओ (ड्रॉपआउट फ्यूज) चढ़ाने के दौरान एक ठेका श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गया. 28 वर्षीय वेद राम साहू सेंदर करंट की चपेट में आ गए. हादसा इतना भयावह था कि करंट लगते ही युवक के दोनों पैरों में घुटनों के नीचे से चिंगारी और धुआं उठने लगा. आनन-फानन में घायल को फिंगेश्वर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उसे रायपुर कालड़ा बर्न हॉस्पिटल में रेफर किया गया है. इलाज के दरमियान युवक की हालत गंभीर बनी हुई है.

दोनों पैर बुरी तरह झुलसे, सिर में भी गंभीर चोट घटना स्थल पर मची अफरा-तफरी के बाद करंट से झुलसे युवक को साथी अस्पताल लेकर पहुंचे. फिंगेश्वर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर विपिन लहरे ने बताया कि घायल वेद राम साहू के दोनों पैर बुरी तरह झुलस गए हैं और सिर में भी गंभीर चोट का खतरा है. प्राथमिक उपचार के बाद उसे तत्काल रायपुर रेफर किया गया है.

ठेकेदार-इंजीनियर की सेटिंग, लापरवाही की इंतहा

हादसे के वक्त ट्रांसफार्मर में 33 केवी की सप्लाई अचानक चालू हो गई थी. हैरानी की बात यह है कि यह कार्य बिना किसी विधिवत परमिट या तकनीकी जानकारी के किया जा रहा था. न तो वेद राम विभागीय कर्मचारी थे और न ही प्रशिक्षित, बावजूद इसके उन्हें ट्रांसफार्मर पर चढ़ाया गया.

ऑपरेटर ने बिना परमिशन के बंद की फीडर सप्लाई

घटना के समय मौजूद ऑपरेटर नवीन मगर ने स्वीकार किया कि फीडर बंद करने का कोई लिखित आदेश कनिष्ठ यंत्री से नहीं लिया गया था. ट्रांसफार्मर पर महासमुंद और फिंगेश्वर दोनों फीडर की लाइनें थीं, और उस दौरान महासमुंद की सप्लाई चालू हो गई, जिससे हादसा हुआ.

'मुझे कोई जानकारी नहीं' : कनिष्ठ यंत्री ओमेश चंद्राकर

कनिष्ठ यंत्री ओमेश चंद्राकर ने दावा किया कि उन्हें न तो कोई जानकारी दी गई और न ही किसी ने शटडाउन के लिए परमिशन ली. इस बयान ने विभागीय लापरवाही की पोल खोल दी हैजिम के सहायक अभियंता सिवेन्द्र साहू का कहना है कि फीडर सटडाउन की अनुमति लिखित रूप से दी जाती है. इस घटना में ठेका कर्मी ने बिना अनुमति के ऑपरेटर को सटडाउन के लिए कहा और ऑपरेटर ने भी बिना उच्चाधिकारी की अनुमति के सप्लाई बंद कर दी. दोनों पर कार्रवाई की जाएगी.

लाइनमेन को नोटिस जारी

इस गंभीर मामले में घटना के वक्त ड्यूटी से नदारद लाइनमेन रविशंकर बंसोड के खिलाफएक्शन लेते हुए नोटिस जारी किया है. विभाग ने मामले की जांच बैठा दी है और दोषियों पर कार्रवाई की बात कही है.

मेयर संजय पांडे ने संवाद कार्यक्रम की तैयारी का लिया जायजा

जगदलपुर,2 जून। बस्तर शांति समिति द्वारा माओवाद पर आधारित वैचारिक संवाद कार्यक्रम 3 जून को सुबह 11.30 बजे से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी टाउन हॉल क

जगदलपुर में किया गया है। संवाद का विषय माओवाद का विदृरूप चेहरा, बिजिंग से बस्तर तक है।कार्यक्रम की तैयारी का जायजा लेने के लिए महापौर संजय पाण्डे, निगम स्पीकर खेमसिंह देवांगन, बस्तर रेंज के आईजी सुंदर राज पी., एसपी शलभ कुमार सिन्हा, एमआईसी सदस्य संग्राम सिंह राणा, पार्षद हरीश पारेख, पंकज आचार्य, एएसपी महेश्वर नाग, डीएसपी अमित देवांगन, आरआई अभिजीत सिंह भदोरिया आदि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी टाउन हॉल पहुंचे। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने इस आयोजन

की सराहना करते हुए कहा है कि इसमें समाज के सभी वर्गों को भाग लेना चाहिए। श्री शर्मा ने कहा कि नक्सली जिस चीन की कम्युनिस्ट पार्टी को अपना आदर्श मानकर बस्तर में जल जंगल जमीन की बात करते हैं उसी चीन में 3-4 जून 1889 की रात तियानमन चौक पर लोकतंत्र की स्थापना की मांग कर रहे 10 हजार छात्रों को तोप से उड़ा दिया गया था। बस्तर में भी माओवादी नक्सली ऐसा ही कर रहे हैं।

राज्यपाल के दौरे के लिए कलेक्टर ने अधिकारियों की बैठक ली

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

गरियाबन्द, 2 जून। 4 जून को महामहिम राज्यपाल के गोद ग्राम मडवाडिही फिंगेश्वर के संभावित दौरे को देखते हुए आज जिला प्रशासन ने जिला अधिकारियों की एक विशेष बैठक ली जिलाधीश ने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्यपाल जी के गोद ग्राम में वे सारी सुविधाएं उपलब्ध कराना है जो माननीय राज्यपाल जी की इच्छा है और ग्राम विकास की एक पहल है ।साथ ही पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस है उसे पर भी विशेष दायित्व सभी को दिया गया। इसी के साथ टी.एल. की बैठक में विशेष रूप से सुशासन दिवस पर आए विभिन्न आवेदनों की भी समीक्षा की गई जो आवेदन अनिराकृत है उन विषयों पर व्यापक चर्चा हुई तथा प्रदेश स्तर पर भेजे गए आवेदन पर सतत निगरानी रखते हुए वहां से लगातार संपर्क बनाए रखने की बात जिलाधीश ने कहीं । वर्षा ऋतु को देखते हुए मौसमी बीमारी पर सतत निगाह रखने हेतु स्वास्थ्य विभाग फूल पुलिया को देखते हुए निर्माण विभाग तथा नदी नालों में बाढ़ की स्थितियों को देखते हुए बाढ़ राहत के लिए संबंधित विभागों को दिशा निर्देश दिए गया साथ ही राजस्व विभाग को भी निर्देशित किया गया कि जो भी पेंडिंग कार्य हैं उसे जल्द से जल्द पुरा करे विशेष कर राजस्व विभाग मे जो प्रकरण 3 साल से लंबित है उसे पर ध्यान दिया जाए ।पी एम आवास को लेकर उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द बनाये जाए इस पर शासन की विशेष ध्यान है और उसी के अनुरूप कार्य किया जाना है इसे पर प्राथमिकता से करे। साथ ही अनेक विषयों पर टी एल.की बैठक में चर्चा हुई इस अवसर पर कलेक्टर ने इस प्रतिनिधि से चर्चा करते हुए कहाराज्यपाल महोदय का संभावित दौरा 4 जून को होने का है। उसके संबंध में संबंधित ग्राम मारवाड़ही फिंगेश्वर का, हम उस गांव में व्यवस्था के तैयारियों के लिए बैठक था। साथ ही साथ 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस की तैयारी के संबंध में सभी विभागों से जो दायित्व दिए जाना है, उनके संबंध में ये आज की बैठक रखी गई थी ।साथ ही टी.एल के पहले भी विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई है रखी गई है। माननीय राज्यपाल महोदय का लाइवलीहुड , जल संचयन और वृक्षारोपण जो उनके पसंदीदा विषय है, उनपे चर्चा की गई। उस गांव में सारी सुविधाएं संपन्न हो जाएगी। और उसको देख के अन्य ग्राम उसी तरह से अपने आप विकसित होने के दिशा में एक नया प्रयास होगा।

रायपुर । राज्यपाल श्री डेका से छत्तीसगढ़ राज्य बेवरेज कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष ने की सौजन्य भेंट

संभव स्टील ट्यूब लिमिटेड सरोरा के स्वास्थ्य शिविर का लाभ 500 लोगों ने उठाया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा, 02 जून। निःशुल्क चिकित्सा शिविर को एक जीवन रक्षक कार्यक्रम माना जा सकता है जिसका उद्देश्य विभिन्न प्रकार की चिकित्सा विशेष सेवाओं के साथ एक मोबाइल टीम द्वारा ग्रामीण या शहरी क्षेत्रों में रहने वाले गरीब समुदायों को निःशुल्क चिकित्सा और सेवाएं प्रदान करना है।

संभव स्टील ट्यूब लिमिटेड सरोरा द्वारा इस तरह के शिविर आयोजित करते ही रहता है आज ग्राम सरोरा में रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल ,अरबिंदो नेत्रालय ,छत्तीसगढ़ डेंटल क्लिनिक मोर हॉस्पिटल ,और समता फाउंडेशन के सयुंक्त तत्वाधान में ग्राम पंचायत सरोरा के नव निर्वाचित सरपंच उमेश्वरी विश्राम साहू के मुख्य आतिथ्य में किया गया शिविर में लगभग 500 ग्रामीणों ने लाभ लिया कंपनी द्वारा 60 लोगो को निःशुल्क चश्मा वितरण किया और 16 मरीज मोतिया बिन्द के निकले संभव स्टील ट्यूब लिमिटेड सरोरा की सी एस आर हेड श्रीमती शीतल गोयल ने ग्रामीणों को इस निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं उपचार शिविर में में अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया श्रीमती शीतल गोयल ने बताया की शिविर में जाँच करवाने वाले ग्रामीणों के संभव स्टील ट्यूब लिमिटेड सरोरा द्वारा दवाई और चश्मा का वितरण किया गया तथा जिन लोगों 16 लोगो में मोतिया बिन्द पाया गया है उनका निःशुल्क आपरेशन करवाया जायेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संभव स्टील ट्यूब लिमिटेड सरोरा के एम जी के मूर्ति ,धर्मेश वैश्य ,गुलाब साहू ,धर्मेश नायक ,सुचिता जैन ,मनीष सिन्हा ,जितेंद्र वर्मा ,ने विशेष योगदान दिया।

एक नजर

अनिमेष कुजुर ने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप के 200 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर छत्तीसगढ़ और देश का मान बढ़ाया

रायपुर, 02 जून। अनिमेष कुजुर ने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 200 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर छत्तीसगढ़ और देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने न केवल अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय हासिल किया, बल्कि एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी स्थापित किया। विपरीत परिस्थितियों में भी कठिन परिश्रम और पूर्ण समर्पण से हर मंजिल हासिल की जा सकती है। अनिमेष उन हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, जो छोटे शहरों से बड़े सपने संजोकर विश्व मंच पर भारत का नाम रोशन करना चाहते हैं। हार्दिक बधाई एंव शुभकामनायें, छत्तीसगढ़ और देश का मान यूं ही बढ़ाते रहें।

सूने मकान से नकदी साढ़े 3 लाख पार

रायपुर, 02 जून। गांधी नगर बीरगांव स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने नकदी साढ़े 3 लाख रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी जेठुराम साहू 56 वर्ष गांधी नगर बीरगांव का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी 3 लाख 50 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

दुकान संचालक के खिलाफ अमानत का ख्यानत का मामला दर्ज

रायपुर, 02 जून। नया बस स्टेण्ड भाठागांव स्थित मोबाइल दुकान के संचालक ने रिपेयर के लिए आए आईफोन को बेच दिया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अनुज साहू 25 वर्ष वकील कालोनी कोतवाली का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि वह अपनी आईफोन को सुधरवाने नया बस स्टेण्ड भाठागांव स्थित मोबाइल शॉप में दिया था और ऑनलाइन 3 हजार रुपए पेमेंट भी किया। जिसके बाद आरोपी दुकान संचालक रिषि साहू ने आईफोन को किसी दूसरे को बेच दिया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपी दुकान संचालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अलग-अलग क्षेत्र से दो दोपहिया वाहन पार

रायपुर, 02 जून। धरसींवा और खमतराई थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने दो दोपहिया वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम गिरौद निवासी राजली निषाद 40 वर्ष ने धरसींवा थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 केबी 3260 को अपने घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं प्रेमनगर गुढ़ियारी निवासी राजेन्द्र साहू 22 वर्ष ने खमतराई थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 24 एफ 0938 को शिवानंद नगर के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सुशासन तिहार में जनमानस में रहा उत्साह: रमन

राजनांदगांव 02 जून। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज जनपद पंचायत राजनांदगांव के ग्राम सिंघोला में सुशासन तिहार के अंतिम दिन आयोजित समाधान शिविर में शामिल हुए। विधानसभा अध्यक्ष ने ग्राम सिंघोला में अतिरिक्त टंकी निर्माण के लिए स्वीकृति प्रदान की तथा ग्रामवासियों के आग्रह पर 8 लाख रूपए की लागत से दो सीसी रोड निर्माण की घोषणा की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज सुशासन तिहार का अंतिम दिन है। प्रथम चरण में कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ एवं ग्राम पंचायतों के अधिकारियों ने आवेदन प्राप्त करने का कार्य किया।

शिक्षकों के रिक्त पदों पर भर्ती को लेकर विभागीय स्तर पर तैयारियां प्रारंभ

प्रथम चरण में 5,000 पदों पर होगी शिक्षकों की नियुक्ति

रायपुर, 02 जून। छत्तीसगढ़ में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ एवं प्रभावशील बनाने के लिए शिक्षकों के रिक्त पदों पर चरणबद्ध भर्ती की जाएगी। प्रथम चरण में 5,000 शिक्षकों की भर्ती होगी। इस निर्णय से प्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययन अध्यापन व्यवस्था को गति मिलेगी और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त होगी। शिक्षकों के रिक्त पदों पर भर्ती को लेकर विभागीय स्तर पर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इन्हीं पहल में शामिल है शालाओं एवं शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण। युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया राज्य में शुरू कर दी गई है। इसके पूरा होने के बाद शिक्षकों के रिक्त पदों का आकलन कर नई भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। गौरतलब है कि शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच को बेहतर बनाने की पहल के तहत छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में शालाओं और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह है कि जहां जरूरत है वहां शिक्षक उपलब्ध हों और बच्चों को अच्छी शिक्षा, बेहतर शैक्षणिक वातावरण और बेहतर सुविधाएं मिल सकें। युक्तियुक्तकरण का मतलब है स्कूलों और शिक्षकों की व्यवस्था को इस तरह से सुधारना कि सभी स्कूलों में छात्र-शिक्षक अनुपात संतुलित हो और कोई भी स्कूल बिना शिक्षक के न रहे। राज्य की 30,700 प्राथमिक शालाओं में औसतन 21.84 बच्चे प्रति शिक्षक हैं और 13,149 पूर्व माध्यमिक शालाओं में 26.2 बच्चे प्रति शिक्षक हैं, जो कि राष्ट्रीय औसत से कहीं बेहतर है। हालांकि 212 प्राथमिक स्कूल अभी भी शिक्षक विहीन हैं और 6,872 प्राथमिक स्कूलों में केवल एक ही शिक्षक कार्यरत है। पूर्व माध्यमिक स्तर पर 48 स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं और 255 स्कूलों में केवल एक शिक्षक है। 362 स्कूल ऐसे भी हैं जहां शिक्षक तो हैं, लेकिन एक भी छात्र नहीं है। इसी तरह शहरी क्षेत्र में 527 स्कूलों में छात्र-शिक्षक अनुपात 10 या उससे कम है। 1,106 स्कूलों में यह अनुपात 11 से 20 के बीच है। 837 स्कूलों में यह अनुपात 21 से 30 के बीच है। लेकिन 245 स्कूलों में यह अनुपात 40 या उससे भी ज्यादा है, यानी छात्रों की दर्ज संख्या के अनुपात में शिक्षक कम हैं।

युक्तियुक्तकरण के अंतर्गत जिन स्कूलों में ज्यादा शिक्षक हैं लेकिन छात्र नहीं, वहां से शिक्षकों को निकालकर उन स्कूलों में भेजा जा रहा है, जहां शिक्षक नहीं हैं। इससे शिक्षक विहीन और एकल शिक्षक वाले स्कूलों की समस्या दूर होगी। स्कूल संचालन का खर्च भी कम होगा और संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सकेगा। एक ही परिसर में ज्यादा कक्षाएं और सुविधाएं मिलने से बच्चों को बार-बार एडमिशन लेने की जरूरत नहीं होगी। यानी एक ही परिसर में संचालित प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल संचालित होंगे तो प्राथमिक कक्षाएं पास करने के बाद विद्यार्थियों को आगे की कक्षाओं में एडमिशन कराने की प्रक्रिया से छुटकारा मिल जाएगा। इससे बच्चों को पढ़ाई में निरंतरता बनी रहेगी। बच्चों के स्कूल छोड़ने की दर (ड्रॉपआउट रेट) भी घटेगी। अच्छी बिल्डिंग, लैब, लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं एक ही जगह देना आसान होगा। शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शालाओं के युक्तियुक्तकरण के तहत राज्य के कुल 10,463 स्कूलों में से सिर्फ 166 स्कूलों का समायोजन होगा। इन 166 स्कूलों में से ग्रामीण इलाके के 133 स्कूल ऐसे हैं, जिसमें छात्रों की संख्या 10 से कम है और एक किलोमीटर के अंदर में दूसरा स्कूल संचालित है। इसी तरह शहरी क्षेत्र में 33 स्कूल ऐसे हैं, जिसमें दर्ज संख्या 30 से कम हैं और 500 मीटर के दायरे में दूसरा स्कूल संचालित है। इस कारण 166 स्कूलों को बेहतर शिक्षा के उद्देश्य से समायोजित किया जा रहा है, इससे किसी भी स्थिति में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी। शेष 10,297 स्कूल पूरी तरह से चालू रहेंगे। दरअसल छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के शहरी और ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए स्कूलों और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण यानि तर्कसंगत समायोजन कर रही है। इसका उद्देश्य यह है कि जहां जरूरत ज्यादा है, वहां संसाधनों और शिक्षकों का बेहतर ढंग से उपयोग सुनिश्चित हो। उन स्कूलों को जो कम छात्रों के कारण समुचित शिक्षा नहीं दे पा रहे हैं, उन्हें नजदीकी अच्छे स्कूलों के साथ समायोजित किया जाए, ताकि बच्चों को बेहतर माहौल, संसाधन और पढ़ाई का समान अवसर उपलब्ध हो सके।

बलौदाबाजार शहर के तीन प्रमुख बायपास चौक को हेलमेट जोन किया गया घोषित

■ यातायात नियमों की जानकारी देने अभियान चलाया गया

■ डोटोपार, रिसदा एवं सकरी बायपास को हेलमेट जोन किया गया घोषित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 02 जून। जिले में सुगम एवं सुरक्षित यातायात, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं इस दौरान जान माल की सुरक्षा हेतु पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में लगातार नए उपायों को अमल में लाया जा रहा है। साथ ही यातायात नियमों की जानकारी देने हेतु लोगों के मध्य लगातार जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 01.06.2025 को बलौदाबाजार नगर पहुंच तीन प्रमुख बाईपास चौक क्षेत्र को हेलमेट जोन घोषित किया गया है। जिले के रिसदा बाईपास, डोटोपार बाईपास एवं सकरी बाईपास तीनों क्षेत्र को हेलमेट जोन घोषित किया गया है। हेलमेट जोन घोषित करने का मुख्य उद्देश्य दोपहिया वाहन चालकों में हेलमेट के प्रति जागरूकता लाना तथा सड़क दुर्घटना आदि की स्थिति में जान माल की सुरक्षा करना है। डोटोपार, रिसदा एवं सकरी बाईपास तीनों क्षेत्र में हेलमेट जोन घोषित होने से उक्त स्थलों में दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाना अनिवार्य होगा। ऐसा नहीं करते पाए जाने पर उन पर जुर्माना एवं कानूनी कार्यवाही भी की जाएगी। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस की अपील सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस का सदैव सहयोग करें एवं दुपहिया वाहन चालक सदैव हेलमेट धारण करें।

पुलिस ने सट्टा-पट्टी लिखने के आरोप में युवक को गिरफ्तार किया

■ 'समाधान सेल' हेल्पलाइन नंबर की सहायता से अपराधिक कृत्यों में संलिप्त आरोपियों की धरपकड़ में मिल रही है, लगातार कामयाबी

■ आरोपी सटोरिए से नगदी रकम 4040 एवं सट्टा-पट्टी किया जब्त

लवन, 02 जून। पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के निर्देशन में आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण करने हेतु जिले में महत्वाकांक्षी योजना ÷समाधान सेल÷ प्रारंभ किया गया है, जिसकी सहायता से किसी भी प्रकार की सूचना, शिकायत अथवा आपराधिक गतिविधि की जानकारी ÷समाधान सेल÷ हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 में व्हाट्सएप अथवा कॉल के जरिए प्रदान की जा सकती है। ÷समाधान सेल÷ के माध्यम से आपराधिक कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों की धरपकड़ में भी लगातार कामयाबी मिल रही है। इसी तारतम्य में आज दिनांक 30.05.2025 को ÷समाधान सेल÷ में प्राप्त सूचना के आधार पर थाना लवन की पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर ग्राम कोनारी में सट्टा-पट्टी लिखने वाले एक आरोपी सटोरिया को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से सट्टा-पट्टी एवं नगदी ?4040 जप्त किया गया। आरोपी सटोरिया के विरूद्ध थाना लवन में 04क जुआ एक्ट एवं छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिशेध अधिनियम 2022 की धारा 06 के तहत अपराध क्र. 259/2025 पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया है।

कुम्हारी टोल प्लाजा को लेकर बढ़ा विवाद, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने केन्द्रीय मंत्री गडकरी से की मुलाकात

रायपुर, 02 जून। छत्तीसगढ़ के कुम्हारी टोल प्लाजा में जारी अवैध वसूली का मामला अब गर्मा गया है। कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय इस मुद्दे को लेकर लगातार सक्रिय हैं। उन्होंने पहले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और राज्य के 10 भाजपा सांसदों को पत्र लिखकर टोल प्लाजा को बंद कराने की मांग की थी। इसके बाद उन्होंने इस अवैध वसूली के विरोध में जोरदार प्रदर्शन भी किया। विकास उपाध्याय ने नागपुर पहुंचकर केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। उन्होंने मंत्री को बताया कि कुम्हारी टोल प्लाजा का टेंडर खत्म हो चुका है, बावजूद इसके वहां अवैध रूप से वसूली की जा रही है। उन्होंने गडकरी को एक ज्ञापन भी सौंपा। उपाध्याय ने मंत्री से चर्चा के दौरान यह भी कहा कि नियमों के अनुसार 60 किलोमीटर की परिधि में दो टोल प्लाजा संचालित नहीं हो सकते, लेकिन छत्तीसगढ़ में इस नियम की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि न सिर्फ कुम्हारी, बल्कि प्रदेश में कई ऐसे टोल प्लाजा हैं जो इस नियम का उल्लंघन कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए जल्द ही कुम्हारी टोल प्लाजा को बंद करने की कार्रवाई का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने छत्तीसगढ़ के अन्य टोल प्लाजा की जानकारी भी मंगवाने और आवश्यक कदम उठाने की बात कही। पूर्व विधायक ने बताया कि बीते कई वर्षों से वे इस टोल प्लाजा को बंद कराने के लिए आंदोलन कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं के साथ मिलकर उन्होंने ह्ब्द्ध कार्यालय का घेराव किया, सांसदों को पत्र लिखा, जनता के बीच हस्ताक्षर अभियान चलाया और विभिन्न तरीकों से विरोध प्रदर्शन किया। विकास उपाध्याय ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही कुम्हारी टोल प्लाजा को बंद नहीं किया गया और 60 किलोमीटर के दायरे में संचालित अन्य टोल प्लाजा पर कार्रवाई नहीं हुई, तो दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना देंगे और नागपुर स्थित गडकरी के निवास के बाहर प्रदर्शन करेंगे।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई के लिए चलाया गया अभियान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

■ सड़क मार्ग में शराब पीकर वाहन चलाने वाले कुल 10 वाहन चालकों पर कार्रवाई कर, किए गए उनके वाहन जब्त

■ चेकिंग अभियान में पुलिस की अलग-अलग टीमों ने भारी वाहन, चारपहिया वाहन एवं दोपहिया वाहन चालकों की चेकिंग की

राजनांदगांव, 02 जून। पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के निर्देशन में जिले में सड़क दुर्घटनाओ की रोकथाम हेतु शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों की चेकिंग कर लगातार कार्यवाही किया जा रहा है।

इसी क्रम मे दिनांक 31.05.2025 को जिले में शराब पीकर वाहन चलाने वाले, वाहन चालकों के विरुद्ध पुलिस द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया है।

इस दौरान संपूर्ण अभियान में पुलिस की अलग-अलग टीमों द्वारा एक साथ भारी वाहन, चारपहिया वाहन एवं दोपहिया वाहन चालकों की चेकिंग की गई। पुलिस द्वारा चेकिंग अभियान में ब्रेथ एनलाइजर के माध्यम से परीक्षण कर 10 वाहन चालकों को शराब पीकर वाहन चालन करते हुए पकड़ा गया है, जिनके विरुद्ध कार्यवाही कर उनके वाहन जप्त किया गया है।

उक्त जप्त सभी 10 वाहनों को विधिवत कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा यातायात पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाले लोगों के ऊपर सख्ती से लगातार कार्यवाही की जा रही हैं।

पुलिस आम नागरिकों से अपील करती हैं कि आप सभी यातायात के नियमो का पालन करें किसी भी स्थिति में शराब पीकर वाहन न चलावे।

समाचार संक्षेप

भाटापारा कैट इकाई की नवीन कार्यकारिणी का गठन

भाटापारा, 02 जून। कैट इकाई की संरक्षक गण की उपस्थिति में मीटिंग रखी गई। जिसमें सभी उपस्थित सदस्यों ने सर्व समिति से अपना एक मत राय रखते हुए नवीन कार्यकारणी का चयन किया गया संरक्षक कृष्ण कुमार मूंदड़ा, कमलेश कुकरेजा, गिरधर गोविंदनी , अनिल रोचलनी अध्यक्ष सुरेश वर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष रमेश श्रीमाली , अजय माँधान उपाध्यक्ष तोरण साहू (महोदय) लक्ष्मी नारायण(लड्डू)सोनी, देवेंद्र पटेल सचिव आकाश अग्रवाल ,सह सचिव राजेश गुप्ता तरुण सचदेव, सुनील दुबे कोषाध्यक्ष राधेश्याम शर्मा, कार्यकारणी सदस्य आशीष भट्टर शत्रुघन परिपायनी मानसिंह खालसा, विनोद कुमार केसरवानी अनिल गंगवानी, तत्पश्चात नवीन अध्यक्ष सुरेश कुमार वर्मा के द्वारा सभी का आभार प्रकट किया गया और उनके द्वारा ये विश्वास प्रस्तुत किया गया कि सभी कैट के सदस्यों को लेकर वह व्यापारियों के हित में नित सदा तत्पर सहयोग करेंगे। मीटिंग में उपस्थित कैट के सदस्य कृष्ण कुमार मूंदड़ा, गिरधर गोविंदनी, सुरेश वर्मा, रमेश श्रीमाली, लक्ष्मी नारायण(लड्डू)सोनी,विनोद केशरवानी, आकाश अग्रवाल, तोरण साहू, अजय कुमार मनधानी, राधेश्याम शर्मा, तरुण सचदेव, देवेंद्र पटेल, आशीष भट्टर।

■ भाटापारा कैट इकाई का गठन सुरेश वर्मा अध्यक्ष बने

विश्व तम्बाकू दिवस पर नुक्कड़ -नाटक एवं चित्र प्रदर्शनी से व्यसन छुड़ाने का दिया संदेश

भाटापारा, 02 जून। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय भाटापारा के तत्वाधान मे 31 मई विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर रेलवे स्टेशन तथा कृषि उपज मंडी पर व्यसन मुक्ति आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी एवं नुक्कड़ नाटक द्वारा लोगों को व्यसन करने से होने वाले दुष्परिणाम जैसे शरीर में अनेक बीमारीयों का होना, कैंसर,पारिवारिक संबंधों में टकराव, शराब पीने से जीवन समाप्ति आदि से अवगत कराया गया। इस तरह से व्यसन करने के कई घटक तम्बाकू,गुड़ाखू, बीड़ी, सिगरेट,शराब आदि के बारे में बताते हुए दुर्व्यसनों से मुक्त होने के उपायों को बहुत ही सरल शब्दों में रोचक ढंग से इसको छोड़ने के कई उपाय भी बताया गया जिसमें मुख्य रूप से राजयोग साधना के द्वारा हमेशा के लिए नशा से मुक्त होने का मार्ग बताया। साथ ही साथ चित्र प्रदर्शनी स्थल पर व्यसनों से छुटकारा पाने के लिए व्यसन मुक्त एक दान पेटी रखी गई थी जिसमें कई भाई एवं बहनों ने परमपिता परमात्मा को साक्षी रखकर दृण संकल्पित होकर तम्बाकू, बीड़ी, सिगरेट आदि छोडऩे के लिए अपनी बुराइयों का दान किए।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में स्टेशन मास्टर -अजय सिंह वाणिज्य अधिकारी -केशव यादव जी.आर.पी.एफ. अधिकारी - राजेश मिश्रा तथा ब्रह्माकुमारीज भाटापारा की मुख्य संचालिका ब्रह्माकुमारी मंजू दीदी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में शामिल हुए अतिथियों ने ब्रह्माकुमारीज की इस इस पहल को सराहनीय कार्य बताते हुए हर वर्ष ऐसा कार्यक्रम करने हेतु सहभागिता जताई।

नगर पंचायत अध्यक्ष की पहल पर सड़क किनारे के गड्ढे भरे गए

छुरा, 02 जून। आज नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लुकेश्वरी थानसिंग निषाद के आग्रह पर टैक्टर संघ छुरा के सहयोग से नगर में सड़क के किनारे गड्ढो पर मुरम डाला गया। नगर में सड़क के किनारे बने गड्ढे दुर्घटना को आमंत्रित करते हैं, इन्हें बात से अवगत तथा आगामी समय में कोई भी अप्रिय घटना ना हो इसलिए नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लुकेश्वरी थानसिंग निषाद ने नगर के ट्रैक्टर संघ से आग्रह किया कि आप नगर में सड़क किनारे बने गड्ढे जो दुर्घटना को आमंत्रित करते हैं जिसे आप सभी के सहयोग से मुरूम डालकर इसको सड़क को व्यवस्थित करने का सहयोग करें,जिससे सहर्ष स्वीकार करते हुए ट्रैक्टर संघ ने मुरूम डालकर सहयोग किया। जिसमे मुख्य रूप से ट्रैक्टर संघ अध्यक्ष मानसिंह निषाद,रुखमन निषाद,उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र चंद्राकर,सचिव खूबचंद चंद्राकर,मितेश साहू,राजा पांड़े,,विनोद यादव,तुलसीराम,धनीराम साहू,सभापति बलराज पटेल,चम्पेश्वर गिरी गोस्वामी, निखिलेश साहू, योगाचार्य मिथलेश सिन्हा एवं अन्य उपस्थित थे।

मनरेगा से निर्मित कुंआ बना आजीविका का साधन

बलौदाबाजार, 02 जून। मनरेगा ग्रामीण क्षेत्र में लोगों क़ो रोजगार उपलब्ध कराने के साथ ही परिसंपत्ति निर्माण एवं आजीविका क़ा जरिया भी बन गया है। मनरेगा से निर्मित कुंआ सिंचाई का स्थाई साधन बनने के साथ ही मछली पालन से किसान क़ो दोहरा लाभ मिल रहा है। विकासखंड पलारी अंतर्गत ग्राम पंचायत अमेठी निवासी किसान विष्णु प्रसाद ने ग्राम पंचायत की पहल पर वर्ष 2023 में मनरेगा से अपने खेत में कुंआ निर्माण कराया। कुंआ निर्माण हेतु 2 लाख 52 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति मिली।कुंआ निर्माण में उसके परिवार क़ो 578 मानव दिवस का रोजगार भी मिला। कुंआ निर्माण कराने के बाद विष्णु प्रसाद क़ो अपने खेतों में सिंचाई के साथ मछली पालन का व्यवसाय शुरू किया जिससे अच्छी आमदनी प्राप्त हो रही है। कलेक्टर दीपक सोनी के मार्गदर्शन एवं सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या के नेतृत्व में मनरेगा से ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। कुंआ बहुपयोगी होने के कारण छोटे और सीमांत किसानों के जीविकोपार्जन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यही कारण है कि किसान विष्णु प्रसाद ने कुंआ निर्माण से सिंचाई व मछली पालन व्यवसाय को अपनाया और अपनी मेहनत से आज उन्होंने अपने जीवन की दशा और दिशा-दोनों बदली दी है।

■ सिंचाई व मछली पालन से किसान क़ो मिला दोहरा लाभ

एक नजर

मानसून की गति हुई धीमी, खाड़ी में कोई सिस्टम नहीं बन रहा

रायपुर, 02 जून। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों ने बताया कि खाड़ी में सिस्टम नहीं बनने के कारण अगले 4 दिनों तक मानसून की वर्षा नहीं होगी। वैज्ञानिक डॉ. चन्द्रा के अनुसार भारत में मानसून समय पूर्व आ गया है। वहीं छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा में दस्तक दे चुका है। यह पहला अवसर है कि 16 वर्ष में पहली बार मानसून आ गया है। मानसून के दस्तक देते ही पहले तो रायपुर स्थानीय कारणों से वर्षा हुई। इसके पश्चात द्रोणिका और चक्रिय चक्रवात के कारण अंधड़ और वज्रपात हुआ। राज्य में इस समय तेज गर्मी के कारण तापमान बढ़ गया है। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल मानूसन की गति धीमी पड़ गई है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसर प्रदेश में एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश में एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ अंधड़ चलने तथा वज्रपात होने की भी संभावना है।

- **रायपुर के तापमान में हुई वृद्धि**

स्टेट बेवरेज कार्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मिले राज्यपाल से

रायपुर, 02 जून। स्टेट बेवरेज कार्पोरेशन के चेयरमेन श्रीनिवास राव मद्दी ने आज राज्यपाल से सौजन्य भेंट की। उन्होंने बताया कि वे 7 जून को अपना पदभार ग्रहण करेंगे। आज राज्यपाल से मिलने-जुलने वालों का तांता लगा रहा। बस्तर संभाग के सक्रिय भाजपा कार्यकर्ता श्रीनिवास राव को पहले वित्त आयोग अध्यक्ष बनाया गया था, लेकिन तकनीकी कारणों से इसे स्थगित कर दिया गया। इसके पश्चात स्टेट बेवरेज कार्पोरेशन का नया चेयरमेन बनाया गया है। प्रदेश में शराब खरीदी-बिक्री के लिए इसका गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि वे 7 जून को अपना पदभार ग्रहण करेंगे। केशकाला बोर्ड की नवनियुक्त अध्यक्ष मीना सेन ने भी राज्यपाल से मुलाकात की। ज्ञात रहे उनके भी इस आयोग में तकनीकी समस्या आ गई, जिसके चलते वे कुछ दिनों पश्चात पदभार ग्रहण करेंगे। रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने भी राज्यपाल से मुलाकात की है। उन्होंने रायपुर शहर के स्मार्ट सिटी में अधिक राशि दिलाने एवं अन्य मुद्दों पर चर्चा की है।

- **7 जून को करेंगे पदभार ग्रहण**
- **बस्तर के सक्रिय कार्यकर्ता**

निधन

संजीत त्रिपाठी

रायपुर, 02 जून। समता नगर निवासी पत्रकार संजीत त्रिपाठी का दिल का दौरा पड़ने से आज सुबह निधन हो गया। वे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. मोतीलाल त्रिपाठी के सुपुत्र डॉ. अखिलेश त्रिपाठी, राजेश त्रिपाठी, क्रांतिकुमार त्रिपाठी, धनंजय त्रिपाठी एवं डॉ. निरजा शर्मा के भाई थे। उनकी अंतिम यात्रा उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए डेढ़ बजे निकलेगी।

गौरांग पाण्डेय

रायपुर, 02 जून। गौरांग पाण्डेय (simpu) पुत्र स्व दानेश्वर पाण्डेय तिल्दाडीह वाले का आज 2 जून सुबह दुखद निधन हो गया है उनकी अंतिम यात्रा निवास दीन दयाल उपाध्याय नगर श्वेत हंस परिसर के पीछे से महादेव घाट के लिए 11 बजे होगी। मोनू (प्रतीक पाण्डे) अविनाश, अमित , चीनू पांडेय के भाई थे।

युक्तियुक्तकरण में शासन को मिली बड़ी सफलता

6 जिलों में अतिशेष शिक्षकों की काउंसिलिंग पूरी, 1500 से अधिक को मिली नई पोस्टिंग

रायपुर, 2 जून। राज्य शासन के दिशा-निर्देशानुसार राज्य के 6 जिलों के अतिशेष 1498 सहायक शिक्षकों, प्रधान पाठकों और व्याख्याताओं की काउंसलिंग की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। अब तक 1500 से अधिक शिक्षकों को नवीन पदस्थापना जारी कर दी गई है। इसे देखते हुए माना जा सकता है कि शासन युक्तियुक्तकरण करने में सफल रही। कोरबा, सुकमा, महासमुंद, गरियाबंद, बलौदाबाजार और सूरजपुर में काउंसलिंग पूरी हो चुकी है। अतिशेष शिक्षकों की वरिष्ठता के आधार पर काउंसलिंग की गई। अतिशेष शिक्षकों की मुंगेली, राजनांदगांव, बालोद और दुर्ग जिले में काउंसलिंग प्रक्रिया जारी है। काउंसलिंग प्रक्रिया में शिक्षकों द्वारा रिक्त स्थानों में से अपने पसंद के विद्यालयों का चयन किया गया। राज्य के कुल 10,463 स्कूलों में से सिर्फ 166 स्कूलों का समायोजन होगा। इन 166 स्कूलों में से ग्रामीण इलाके के 133 स्कूल ऐसे हैं, जिनमें छात्रों की संख्या 10 से कम है और एक किलोमीटर के अंदर दूसरा

स्कूल संचालित है। इसी तरह शहरी क्षेत्र में 33 स्कूल ऐसे हैं, जिनमें दर्ज संख्या 30 से कम है और 500 मीटर के दायरे में दूसरा स्कूल संचालित है। इस कारण 166 स्कूलों को बेहतर शिक्षा के उद्देश्य से समायोजित किया जा रहा है। इससे किसी भी स्थिति में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी। शेष 10,297 स्कूल पूरी तरह से चालू रहेंगे। उनमें केवल प्रशासनिक और शैक्षणिक स्तर पर आवश्यक समायोजन किया जा रहा है। स्कूल भवनों का उपयोग पहले की तरह ही जारी रहेगा और जहाँ आवश्यकता होगी, वहाँ शिक्षक भी उपलब्ध रहेंगे। दरअसल छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के शहरी और ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए स्कूलों और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण यानी तर्कसंगत समायोजन कर रही है। इसका उद्देश्य यह है कि जहां जरूरत ज्यादा है, वहां संसाधनों और शिक्षकों का बेहतर ढंग से उपयोग सुनिश्चित हो। उन स्कूलों को, जो कम छात्रों के कारण समुचित शिक्षा नहीं दे पा रहे हैं, उन्हें नजदीकी अच्छे स्कूलों के साथ समायोजित किया जाए, ताकि बच्चों को बेहतर माहौल, संसाधन और पढ़ाई का समान अवसर उपलब्ध हो सके। इससे बच्चों को ज्यादा योग्य और विषय के हिसाब से विशेषज्ञ शिक्षक मिलेंगे। स्कूलों में लाइब्रेरी, लैब, कंप्यूटर आदि की सुविधाएं सुलभ होंगी। शिक्षकों की कमी वाले स्कूलों में अब पर्याप्त शिक्षक मिलेंगे। जिन स्कूलों में अब पहले गिनती के ही छात्र होते थे, वे अब पास के अच्छे स्कूलों में जाकर बेहतर शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में इस बदलाव से शिक्षा का स्तर सुधरेगा। सरकार की मंशा साफ है – हर बच्चे को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। यही वजह है कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि शिक्षकों की तैनाती सिर्फ संख्या के हिसाब से नहीं, बल्कि जरूरत के हिसाब से हो। छत्तीसगढ़ शिक्षा विभाग का मानना है कि यह कदम सिर्फ एक प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में एक ठोस बदलाव है, जिससे आने वाली पीढ़ी को मजबूत नींव मिलेगी।

अधूरे पड़े स्काईवॉक का काम हफ्तेभर में होगा शुरू

रायपुर, 2 जून। राजधानी रायपुर में शास्त्री चौक से जयस्तंभ चौक व अंबेडकर अस्पताल चौक के बीच 8 साल से अधूरे स्काईवॉक (फुट ओवरब्रिज) का निर्माण कार्य अब हफ्तेभर में शुरू हो जाएगा. स्काईवॉक के अधूरे कार्य को पूरा करने के लिए रायपुर की एजेंसी पीएसएए कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड को ठेका मिला है. कंपनी के साथ अनुबंध हो चुका है. कार्यादेश भी जारी कर दिया गया है. अधूरे स्काईवॉक पर 37.75 करोड़ रुपए खर्च होंगे. लोक निर्माण विभाग के मुताबिक स्काईवॉक के उपयोगी हिस्से का निर्माण सबसे पहले किया जाएगा. इनमें शास्त्री चौक पर रोटरी का निर्माण भी शामिल हैं. ठेकेदार को अनुबंधित समय-सीमा में स्काईवॉक का निर्माण कार्य पूरा करना होगा. ठेकेदार को प्राप्त पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति के सीमा अंतर्गत पूर्व अनुमोदित ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप ही स्काईवॉक निर्माण कार्य को पूरा करने कहा गया है. निविदा में शामिल सभी नॉन एसओआर आयटमों का दर विश्लेषण और विभागीय नियमावली के अनुसार सक्षम स्तर से अनुमोदन सुनिश्चित किया जा रहा है. अनुबंधित कार्य का संपादन, पर्यवेक्षण विभागीय मापदंड अनुसार किया जाएगा और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. बताया गया है कि स्काईवॉक का निर्माण कार्य किसी अन्य को सबलेट अनुमोदन सुनिश्चित किया जा रहा है. अनुबंधित कार्य का संपादन, पर्यवेक्षण विभागीय मापदंड अनुसार किया जाएगा और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. 50 करोड़ रुपए हो चुके खर्च स्काईवॉक के स्ट्रक्चर का लगभग 60 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और इस पर अभी तक लगभग 50 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं. अभी 40 प्रतिशत निर्माण कार्य बाकी है, जिसे पूरा करने का निर्णय लिया गया है.

महतारी वंदन योजना का फॉर्म भरने मिलेगा एक और मौका

- **सीएम ने की घोषणा**

रायपुर, 02 जून। छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना के फॉर्म फिर से भरे जाएंगे। सीएम विष्णुदेव साय ने इसकी घोषणा की है. फिलहाल राज्य की करीब 70 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल रहा है। छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी है. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक सामाजिक कार्यक्रम के दौरान घोषणा की है कि महतारी वंदन योजना से वंचित महिलाओं को जल्द ही फिर से फॉर्म भरने का मौका मिलेगा। फिलहाल राज्य की करीब 70 लाख महिलाएं इस योजना का लाभ उठा रही है। मुख्यमंत्री के इस ऐलान से उन महिलाओं में भी उम्मीद जगी है जो किसी कारण से पहले चरण में आवेदन नहीं कर पाई थीं। यह कदम महिला सशक्तिकरण के प्रति उस सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और यह भी संकेत देता है कि योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र महिलाओं तक पहुंचाया जाएगा। दरअसल, छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना से छूटी महिलाओं के लिए राहत भरी खबर है. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक सामाजिक कार्यक्रम में घोषणा की कि योजना के फॉर्म जल्द ही फिर से भरे जाएंगे। फिलहाल योजना से राज्य की करीब 70 लाख महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है. छूटी हुई पात्र महिलाओं के लिए फिर से आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर सरकार सामाजिक समावेशन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रही है, इससे ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को लाभ मिलेगा।

डीएपी के लिए किसान सहकारी समितियों का लगा रहे चक्कर

रायपुर, 02 जून। प्रदेश में मानूसन के दस्तक देने के साथ ही किसान यूरिया तथा डीएपी खाद के लिए सहकारी समितियों का चक्कर काट रहे हैं। केन्द्र सरकार द्वारा राज्य सरकार के कोटे में कटौती कर दी गई है। कृषि विभाग ने वैकल्पिक खाद का उपयोग करने को कहा है। इन खादों का आसमान छू रह है। जिसके कारण अब किसान परेशान हैं।

मिली जानकारी के अनुसार राज्य सरकार के पास डीएपी खाद का कोटा 10 लाख मीट्रिक टन निर्धारित किया गया था, जिसे अब 3 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया है। वर्तमान इसका कीमत 1350 रूपए प्रति बोरी है। कृषि विभाग के वैकल्पिक खाद का उपयोग करने की सलाह दी है। सहकारी समितियों को ग्रोमोर उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान में पोटास, एनपीके खाद की मांग है।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने कहा कि किसान डीएपी खाद के लिए चक्कर काट रहे हैं, उन्होंने आरोप लगाया कि खाद उत्पादक राज्यों को हतोत्साहित करने के लिए यह प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान समितियों का चक्कर लगा रहे है। चक्कर डीएपी की जगह इफ को का एनपीके पकड़ाया जा रहा है। खरीफ का फसल की तैयारी किसान जोर शोर से कर रहे है सभी सहकारी समिति में खाद का भंडारण की बात सरकार कर रही है लेकिन हकीकत ऐसे कोसों दूर है प्रदेश के अधिकांश समितियों में डीएपी है ही नहीं कही कही इफ को का कम गुणवत्ता का खाद भंडारित किए है, ये भी एकाध समितियों में है। दूसरी तरफ निजी खाद दुकानों में डीएपी उपलब्ध है, जिसे अधिक दर पर किसान खरीदने मजबूर है, एक तरफ सरकार किसानों की आमदनी डबल करने की बात करते है, लेकिन उल्टे किसानों को डीएपी खाद से वंचित कर रहे जिसे कालाबाजारी बढ़ेगा किसान लुट का शिकार होंगे। समय पर उपलब्ध नहीं होने पर किसानों की फसल उत्पादकता पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा, लेकिन वर्तमान में समितियों से डीएपी या इफ को का भंडारण नहीं होने से किसान खाद का उठाव नहीं किए है किसान एक साथ खाद समितियों से लेते है बार बार किसानों को चक्कर लगाने मजबूर होना पड़ा है ये भाजपा सरकार के असली चेहरा है अगर डीएपी नहीं होते तो निजी खाद दुकानों में धड़ल्ले से बेचा जा रहा है इससे साबित होता है कि किसानों को जानबूझ कर उपलब्ध नहीं करा रहे है।

समाचार संक्षेप

मैरिज ब्यूरो की आड़ में 7 लाख में किया था पति का सौदा, अब दंपति पहुंचे जेल

रायपुर, 2 जून। मैरिज ब्यूरो की आड़ में अपने ही पति का सौदा कर लाखों की ठगी करने वाली सतनाम मैरिज ब्यूरो संचालिका समेत आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. शादी के बाद पीड़िता से लगभग 7 लाख रुपए लेकर आरोपी पति अपनी पहली पत्नी के साथ फरार हो गया था. पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने 2 दिन के अंदर ठग दंपति को ढूंढ निकाला और गिरफ्तार कर लिया है. ये हैरान करने वाला मामला सकरी थाना क्षेत्र का है. जानकारी के अनुसार, जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण की रहने वाली दमयंती ने जुलाई 2024 में एक मैरिज ब्यूरो में शादी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया. इस मैरिज ब्यूरो को चित्रा चलाती थी. शुरू में कुछ प्रोफाइल दिखाने के बाद, जब कोई लड़का पसंद नहीं आया, तो चित्रा ने दमयंती को अपने ही पति संजय चौधरी का प्रोफाइल भेज दिया. संजय के पहले से शादीशुदा होने की बात से अनजान दमयंती को लड़के का प्रोफाइल पसंद आ गया और गिरौधपुरी धाम में संजय और दमयंती की शादी करा दी गई. शादी के बाद संजय, दमयंती को हरियाणा के सिरसा ले गया. फिर दोनों बिलासपुर लौट आए और बिनोबा नगर में किराए के मकान में रहने लगे. दमयंती ने वहां ब्यूटी पार्लर खोला. लेकिन असली ड्रामा तो इसके बाद शुरू हुआ. संजय ने बीमारी और अन्य निजी समस्याओं का हवाला देकर दमयंती से धीरे-धीरे 7 लाख रुपये ले लिए. उन पैसों से एक कार भी खरीदी. लेकिन कुछ समय बाद संजय अचानक गायब हो गया. तलाश शुरू करने पर दमयंती को पता चला कि चित्रा कोई और नहीं, बल्कि संजय की पत्नी है और दोनों ने मिलकर उसके साथ धोखा किया है. पूरे मामले में चित्रा और उसके पति संजय ने मिलकर दमयंती के साथ न सिर्फ आर्थिक बल्कि भावनात्मक रूप से भी ठगी की. इससे आहत होकर उसने पुलिस से मामले की शिकायत भी की. दमयंती की शिकायत पर सकरी पुलिस ने चित्रा और संजय के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है.

नगर निगम जोन-10 ने देवपुरी गुरुद्वारा सामुदायिक भवन में समाधान शिविर लगाया

रायपुर, 02 जून। सुशासन तिहार के अंतर्गत प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आदेशानुसार एवं उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरूण साव के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा जोन 10 के 7 वार्डों के लिए देवपुरी गुरूद्वारा सामुदायिक भवन में सुशासन तिहार समाधान शिविर लगाया गया। जिसमें रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नंदकुमार साहू, सभापति सुर्यकांत राठौड़, आयुक्त विश्वदीप, एसडीएम नंदकुमार चौबे, जोन 10 अध्यक्ष सचिन बी मेघानी, एमआईसी सदस्य डॉ. अनामिका सिंह, पार्षद श्रीमती सुषमा तिलक साहू, श्रीमती गायत्री नौरंगे, मनोज जांगडे, विनय पंकज निर्मलकर, अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, मुख्य अभियंता यू.के. धलेन्द्र, अधीक्षण अभियंता राजेश गठीर, जोन 10 जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे, कार्यपालन अभियंता दिनेश सिन्हा, अंशुल शर्मा सीनियर, राविप्रा के अधीक्षण अभियंता महिमा शंकर पाण्डेय की उपस्थिति में नगर निगम एवं विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारियों द्वारा उपस्थित नागरिको को सुशासन तिहार के प्रथम चरण में 8 से 11 अप्रैल तक जोन 10 के 7 वार्डों में लगे शिविर में आमजनता को ऑनलाईन प्राप्त 1150 आवेदनों 913 मांगो, 237 शिकायतो के गुणवत्ता पूर्ण त्वरित समाधान के संबंध में विभागवार एवं कार्यवार नागरिको को मंच से विस्तृत समाधान की जानकारी मंच से नगर निगम जोन 10 जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे द्वारा दी गई। उन्होने जानकारी दी कि दिनांक 8 से 11 अप्रैल तक प्रथम चरण में कुल 1571 आवेदन आमजनता से प्राप्त हुए जिसमें शेष 421 आवेदनो के नियमानुसार प्रक्रिया के तहत समाधान हेतु कार्यवाही प्रगति रत है। उन्होने नागरिको को बताया कि आज सुशासन तिहार शिविर में कुल 698 आवेदन आमजनता ने जोन 10 के शिविर में पहुंचकर दिये है। जिसमें 2 तत्काल राशन कार्ड, राशन कार्ड में नाम जोडने सुधारने के 39 आवेदन, राशन कार्ड निरस्त करने के 2 आवेदन, तत्काल आयुष्मान कार्ड 35, आधार कार्ड 28, मजदूर कार्ड 35, आय प्रमाण पत्र 16 बनाकर और एनयूएलएम 1 आवेदन, 172 नागरिको का एमएमयु से स्वास्थ्य परीक्षण , स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा 180, आयुष विभाग द्वारा 80, इस प्रकार कुल 590 आवेदनो का तत्काल समाधान किया गया है।

- **प्रथम चरण में जोन-10 को ऑनलाइन प्राप्त 1150 आवेदनों के गुणवत्तापूर्ण त्वरित समाधान की जानकारी आमजनों को दी गई**

अहिल्या बाई होल्कर जयंती पर आयोजित चित्रकला स्पर्धा के विजेता पुरस्कृत

रायपुर, 2 जून। नगर पालिक निगम रायपुर ने देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300 वीं जयंती के उपलक्ष्य में उनकी जीवनी पर निबंध और चित्रकला स्पर्धा रखी जिसमें छात्र, छात्राओं नागरिकों ने उत्साह से भाग लिया। सीनियर वर्ग में निबंध में 40, जूनियर वर्ग में निबंध में 58, सीनियर वर्ग में चित्रकला में 27, जूनियर वर्ग में चित्रकला में 83 बच्चो ने उत्साह के साथ भाग लिया। सीनियर वर्ग निबंध स्पर्धा के प्रथम का प्रथम पुरस्कार पलक गोस्वामी, द्वितीय पुरस्कार दीपिका सिन्हा, तृतीय पुरस्कार आयुषी साहनी, चित्रकला सीनियर वर्ग में प्रथम पुरस्कार सुधाकर साहू, द्वितीय पुरस्कार कामेश चंद्राकर, तृतीय पुरस्कार दीक्षा पटले, निबंध जूनियर वर्ग में प्रथम पुरस्कार रीत गुडवानी, द्वितीय पुरस्कार वर्तिका धुरंधर, तृतीय पुरस्कार आदिवा अंजुम कुरैशी, चित्रकला जूनियर वर्ग में प्रथम पुरस्कार सिया गुप्ता, द्वितीय पुरस्कार मेहर दीप कौर, तृतीय पुरस्कार वशिका यदु को प्रदत्त किया गया। देवी अहिल्या बाई होल्कर की जीवन में चित्रकला में 7 वर्ष की कनिका शुक्ला सबसे कम उम्र की प्रतियोगी रही। जबकि 55 वर्ष के देवआनंद पवार सबसे अधिक उम्र के प्रतियोगी रहे।

- **देवी अहिल्या का जीवन संघर्षपूर्ण रहा वे सर्वगुण संपन्न थीः चौबे**

करस्टम मिलिंग की राशि नहीं मिलने पर मिलर्स अतिशेष धान खरीदने में नहीं दिखा रहे रुचि

- **धान खरीदी के लिए निकाले गये टैंडर में राइस मिलर्स तैयार नहीं**
- **मार्कफेड ने प्राइस मेचिंग के आधार पर धान खरीदी करने के लिए दोबारा निकाला टैंडर**

रायपुर, 02 जून। राज्य सरकार द्वारा धान खरीदी के लिए नोडल एजेंसी मार्कफेड ने अतिशेष 35 लाख मि. टन क्विंटल से अधिक अतिशेष धान खरीदी के लिए टैंडर जारी कर दिया है। प्राइस मेचिंग रेट पर धान खरीदी के लिए निकाले गये टैंडर में राइस मिलर्स तैयार नहीं हो रहे हैं। राइस मिल के मालिकों का कहना है कि हमें करस्टम मिलिंग का पैसा नहीं मिल रहा है इसलिए राइस मिलर्स लामबंद हो गये हैं। मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश शासन द्वारा मंत्रिमंडल उपसमिति गठित की गई है। जिसमें अतिशेष धान खरीदी का मूल्य तय किया गया है जिसके अनुसार अतिशेष धान प्रतिक्विंटल 19 सौ रुपये में बेचा जाएगा। वैसे तो सरकारी समर्थन मूल्य 2120 है और बोनस मिलाकर यह करीब 31 सौ रुपये प्रति क्विंटल पड़ता है। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष 130 लाख मिटरिक टन धान की खरीदी कर ली गई है इनमें से 40 लाख टन का उठाव भंडारन केंद्रों से नहीं हो रहा है।

मार्कफेड द्वारा भंडारन केंद्रों से धान का उठाव एवं नीलामी के लिए टैंडर जारी किया गया था जिसमें रायपुर राजनांदगांव दुर्ग एवं बालोद

के राइस मिलरों ने अपनी रुचि दिखाई है। अभी तक 10 स्टेग धान बिक पाया है। जिसकी औसत गणना के अनुसार 12 लाख होता है। शेष धान की बिक्री नहीं हो पाई है। यह दूसरी बार है कि टैंडर जारी किया गया है।

मार्कफेड के अधिकारियों के अनुसार इस समय विभिन्न धान भंडारण केंद्रों में धान पड़ा हुआ है। लेकिन इसकी बिक्री नहीं हो पा रही है। नीलामी की बार बार तिथि तय की जाती है लेकिन व्यापारी नहीं आ रहे हैं। राइस मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष के अनुसार धान खरीदी के लिए व्यापारी उत्सुक है लेकिन करस्टम मिलिंग के लिए जो राशि दी जाती है वह नहीं जा रही है जिसके कारण व्यापारी परेशान है। व्यापारियों के अनुसार धान खरीदी एवं मिलिंग के लिए सरकार द्वारा रेट तय किया गया है लेकिन वह अभी नहीं दिया जा रहा है जिससे मिल मालिकों की हालत खस्ता हो रही है। राइस मिल के संचालकों ने शासन अपील की है कि सरकार शीघ्र ही इसका हल निकाले। बरसात का सीजन शुरू हो गया है ऐसे में धान का अंकुरण प्रारंभ हो जाएगा और लाखों रुपये का धान खराब हो जाएगा। इधर शराब निर्माता कंपनी भी धान खरीदी के लिए उत्सुक है लेकिन पहले इसकी सफाई करना होगा इसके पश्चात ही इससे अन्य उत्पाद बनाए जाएंगे।

स्वत्वाधिकारी कौशल किशोर मिश्र, प्रकाशक-मुद्रक उत्तम कुमार अलकरे की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस, प्रेस टॉवर, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित * संपादक-संजय कुमार दुबे, * प्रबंध संपादक- आशीष कुमार तिवारी, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26